राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट

2016-17

नैम्स हाउस,
अंसारी नगर,महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110029

डाक का पताः

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स हाउस, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली-110029

दूरभाषः

011-26588718

अध्यक्षः 011-26588792

सचिवः 011-26589289

फैक्स नं.:

011-26588992

ई-मेलः nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://nams-india.in

विषय-सूची

		पृष्ठ सं.
	परिषद् - 2016-17	1
	अधिकारीगण एवं कार्यपालक कर्मचारी	2
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का संपादकीय मंडल	3-4
क.	**संगठनात्मक गतिविधियाँ**	**5**
	संगठनात्मक गतिविधियाँ एवं वार्षिक बैठक	7
	वार्षिक बैठक में अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार	8-20
	वर्ष 2015 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	21
	व्याख्यान और पुरस्कार	22-26
	नैम्ल 2007 अमृतसर पुरस्कार	27
	आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार	27
	परिषद् की बैठकें	28
	अध्येताओं का निर्वाचन- 2016	28-32
	सदस्यों का निर्वाचन- 2016	33-51
	डीएनबी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार	52-62
	अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य	63
	व्याख्यान व पुरस्कार - 2016-17 के लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों का नामांकन	64-68
	वर्ष 2016 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	69
	स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान	69
	इमारत का रख-रखाव	69-70
	वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन	71-73
	मृत्युलेख	74
	22 अक्तूबर, 2016 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में वार्षिक दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष डॉ. मुकुंद सदाशिव जोशी द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-I)	75
	22 अक्तूबर, 2016 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. एन. एस. लॉड, प्रख्यात आर्थोपेडिक सर्जन, द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-II)	76-79

		पृष्ठ सं.
ख.	**शैक्षिक रिपोर्ट**	**81**
	सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	82
	कार्यकलापों की रिपोर्ट 01 अप्रैल, 2016 - 31 मार्च, 2017	82-86
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का राज्यवार वितरण	87
	एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम (अनुबंध-III)	88-89
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-IV)	90-106
	शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट	107-109
	चिकित्सा वैज्ञानिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)	110
	अंतःसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-V)	111-115
	प्रायोगिक परियोजना	116-118
	एनएएमएस अध्याय (अनुबंध-VI)	119-122
	एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य	123-127
	एनएएमएस वेबसाइट	128-129
ग.	**वित्तीय रिपोर्ट**	**131**
	सरकारी अनुदान	133-134
	लेखा	135-177
घ.	**1 अप्रैल, 2017 से 12 सितम्बर, 2017 तक की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं**	**178**
	परिषद् के नव-निर्वाचित सदस्य	178
	वर्ष 2017 के लिए निर्वाचित अध्येता और सदस्य	178-180
	विनियमन V के अधीन भर्ती किए गए सदस्य	181-203
	संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम	203-206
	एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी	206
	वर्ष 2017 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	207
	स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान	207

परिषद् 2016-17

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, अध्यक्ष

डॉ. सी.एस. भास्करन, एफएएमएस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष*

डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस, उपाध्यक्ष

डॉ. मनोरमा बेरी, एफएएमएस, कोषाध्यक्ष

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस

डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, एफएएमएस

डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस

डॉ. आमोद गुप्ता, एफएएमएस

डॉ. अजमेर सिंह, एफएएमएस

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस

डॉ. (श्रीमती) पी. के. मिश्रा, एफएएमएस

डॉ. मायिल वाहनन नटराजन, एफएएमएस

डॉ. राकेश कुमार चड्डा, एफएएमएस

डॉ. शिव के. सरीन, एफएएमएस

डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस

डॉ. रवि कांत, एफएएमएस

डॉ. दिगम्बर बेहेरा, एफएएमएस

डॉ. संजीव वी. थॉमस, एफएएमएस

परिषद् के पदेन सदस्य

महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद्

केंद्र सरकार के नामिती

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

* दिवंगत

अधिकारीगण 2016-17

अध्यक्ष	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस
उपाध्यक्ष	डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस
कोषाध्यक्ष	डॉ. मनोरमा बेरी, एफएएमएस

कार्यपालक कर्मचारी

मानद सचिव	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव
सतत चिकित्सा शिक्षा समन्वयक	डॉ. के.के. शर्मा, एफएएमएस

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

-: एक त्रैमासिक पत्रिका :-

संपादक

डॉ. संजीव मिश्रा

सहयोगी संपादक

डॉ. वी. मोहन कुमार

डॉ. कुलदीप सिंह

सहायक संपादक

डॉ. मोहन कामेस्वरन

संपादकीय मंडल

डॉ. स्नेहलता देशमुख

डॉ. डब्लयू. सेल्वामूर्ति

डॉ. जे. एन. पांडे

डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन

डॉ. एच. एस. संधू

डॉ. ललिता एस. कोठारी

डॉ. विनोद पॉल

डॉ. संजय वधवा

संपादकीय सहयोगी

डॉ. एम.वी पद्मा श्रीवास्तव

डॉ. आर. के. चड्डा

डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव

डॉ. प्रोमिला बजाज

डॉ. एन. आर. जगन्नाथन

डॉ. सुब्रत सिन्हा

डॉ. रविंदर गोस्वामी

डॉ. (ब्रिगेडियर) वेलु नायर

सलाहकार मंडल के सदस्य

डॉ. पी. के. मिश्रा

डॉ. एम. बेरी

एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एम. एस. बोपाराय

डॉ. वाई. के. चावला

डॉ. पी. के. दवे

डॉ. आमोद गुप्ता

डॉ. रवि कांत

डॉ. बलराम एरन

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल

डॉ. राजेश्वर दयाल

डॉ. सी. एस. सैंबी

डॉ. आर. मदान

डॉ. राजकुमार

डॉ. मुकुंद एस. जोशी

डॉ. कमल बक्शी

डॉ. हरिभाई एल. पटेल

डॉ. आई. सी. वर्मा

डॉ. गीता के. वेमुगंटी

प्रतिष्ठित संपादकः प्रो. जे. एस. बजाज

वार्षिक सदस्यता दर

भारत	रूपये	500.00
विदेश	$	30.00
	£	15.00
एकल प्रति	रूपये	150.00

पत्रव्यवहार

पत्रिका से संबंधित सभी पत्रव्यवहार निम्न को संबोधित किया जाएः

मानद सचिव

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
नैम्स हाउस, अंसारी नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110029

दूरभाषः 011-26589289 **ई-मेलः** nams_aca@yahoo.com
वेबसाइटः http://www.nams-india..in

संगठनात्मक गतिविधियाँ

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

संगठानात्मक गतिविधियाँ

अकादमी के नियमानुसार अकादमी के सामान्य सरोकार, उसकी पिछले वर्ष की आय और व्यय तथा वर्ष के लिए अनुमान और अकादमी की समृद्धि या अन्यथा स्थिति पर एक रिपोर्ट, अकादमी की आम सभा के समक्ष उसकी वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करनी होती है।

वार्षिक बैठक

56वीं वार्षिक बैठक 21, 22 और 23 अक्तूबर, 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित की गई। अकादमी का दीक्षांत समारोह 22 अक्तूबर, 2016 को आयोजित किया गया।

पद्म भूषण डॉ. एन. एस. लॉड, प्रख्यात आर्थोपेडिक सर्जन, मुंबई, मुख्य अतिथि थे।

डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशिष्ट अतिथियों, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-। में दिया गया है।

पद्म भूषण डॉ. एन. एस. लॉड, प्रख्यात आर्थोपेडिक सर्जन, मुंबई ने दीक्षांत भाषण दिया। भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-।। में दिया गया है।

अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार

अध्येता

रायपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में बीस अध्येताओं को, जिनमें वर्ष 2014 में निर्वाचित 1, 2015 में निर्वाचित 2 और 2016 में निर्वाचित 17 अध्येता सम्मिलित थे, अध्येतावृत्ति प्रदान की गई तथा उन्होंने स्क्रोल प्राप्त किए। भर्ती किये गये अध्येताओं के नाम और संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. कल्पना बालकृष्णन (2014)**

   आचार्य एवं निदेशक, विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोग केंद्र, श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय, पोरूर, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता व्यावसायिक और पर्यावरण स्वास्थ्य है।

2. **डॉ. राकेश कुमार (2015)**

   आचार्य, परमाणु चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता परमाणु चिकित्सा है।

3. **डॉ. दिव्या मल्होत्रा (2015)**

   आचार्य, मुख एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज दंत विज्ञान विश्वविद्यालय, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

4. **डॉ. सुभो चक्रवर्ती (2016)**

   आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

5. **डॉ. किशोर कुमार दीपक (2016)**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

6. **डॉ. अजय कुमार दुसेजा (2016)**

   अपर आचार्य, यकृत विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

7. डॉ. शिविंदर सिंह गिल (2016)

उपकुलपति, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट, पंजाब। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्यचिकित्सा है।

8. डॉ. आशिमा गोयल (2016)

आचार्य, पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा इकाई, मुख स्वास्थय विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

9. डॉ. सुनील कुमार गुप्ता (2016)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिकाशल्य विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिकाशल्य विज्ञान है।

10. डॉ. संजीव हांडा (2016)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, त्वचारोग विज्ञान, रतिजरोग एवं कुष्ठ रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता त्वचा विज्ञान और रतिजरोग है।

11. डॉ. आर. हेमलता (2016)

वैज्ञानिक एफ (वरिष्ठ उप निदेशक) और अध्यक्ष, नैदानिक और सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रभाग, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जमाई-उस्मानिया (पीओ), हैदराबाद। उनकी विशेषज्ञता पोषण है।

12. डॉ. सतीश वसंत खाडिलकर (2016)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, ग्रांट मेडिकल कॉलेज और जे जे अस्पताल, बायकुला, चौथी मंजिल, मुख्य भवन, मुंबई। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

13. डॉ. गोपाल नाथ (2016)

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

14. डॉ. पुंडी नरसिम्हन (2016)

आचार्य, जैव रसायन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

15. डॉ. कवुमपुराथु रमन थंकप्पन (2016)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अचुथा मेनन स्वास्थ्य विज्ञान अध्ययन केंद्र, श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य/ सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

16. डॉ. सत्यवती राणा (2016)

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

17. डॉ. तारा शंकर रॉय (2016)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

18. डॉ. संदीप सक्सेना (2016)

वरिष्ठ आचार्य (रेटिना विट्रियस), नेत्र विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

19. डॉ. अंजन त्रिखा (2016)

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं क्रिटिकल केयर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

20. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय (2016)

उप संकायाध्यक्ष (अकादमिक), आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

सदस्य

वर्ष 2014 में निर्वाचित 3 और वर्ष 2016 में निर्वाचित 69 सदस्यों सहित बहत्तर सदस्यों को रायपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में सदस्य बनाया गया। भर्ती किए गए सदस्यों के नाम और उनके संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. जी. बी. जेना (2014)**

   सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान एवं विष विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 67, एसएएस नगर - 160062। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीवविज्ञान है।

2. **डॉ. देबज्योति मोहंती (2014)**

   सह आचार्य, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

3. **डॉ. संदीप साहू (2014)**

   सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

4. **डॉ. एमडी इकबाल आलम (2016)**

   सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान, पैरामेडिकल विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

5. **डॉ. दीप्ति अग्रवाल (2016)**

   सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282002। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

6. **डॉ. प्रभात कुमार अग्रवाल (2016)**

सह आचार्य, स्नातकोत्तर काय चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा -282002। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

7. **डॉ. स्नेहा आर. अम्बवाणी (2016)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

8. **डॉ. अब्दुल सलाम अंसारी (2016)**

सह आचार्य, प्रजनन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, उच्च अध्ययन केंद्र, प्राणि विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर-302004। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

9. **डॉ. भारती भंडारी (2016)**

सहायक आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

10. **डॉ. रमेश भारती (2016)**

सहायक आचार्य, संरक्षी दंत चिकित्सा विभाग, एंडोडॉंटिक्स दंत संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

11. **डॉ. क्रांति भावना (2016)**

सहायक आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

12. **डॉ. अखिलानंद चौरसिया (2016)**

सहायक आचार्य और सलाहकार, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

13. **डॉ. रामेश्वर नाथ चौरसिया (2016)**

सह आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

14. **डॉ. प्रकृति डैश (2016)**

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उसकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

15. **डॉ. पिनाकी रंजन देबनाथ (2016)**

सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और कलावती सरन बच्चों का अस्पताल, भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली -110001। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

16. **डॉ. अशोक कुमार दुबे (2016)**

सह आचार्य, आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

17. **डॉ. प्रीती सारा जॉर्ज (2016)**

सह आचार्य, जैव सांख्यिकी विभाग, कैंसर महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी प्रभाग, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम - 695011। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक महामारी विज्ञान है।

18. **डॉ. उज्जला घोषाल (2016)**

अपर आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

19. **डॉ. जतिंदर सिंह गोराया (2016)**

सहायक आचार्य, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना -141001। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

20. **डॉ. अमित गोयल (2016)**

सहायक आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

21. **डॉ. श्याम कुमार गुप्ता (2016)**

व्याख्याता, शल्य चिकित्सा विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, जम्मू - 180001। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

22. **डॉ. तूलिका गुप्ता (2016)**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उसकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

23. **डॉ. वैभव कुमार जैन (2016)**

सहायक आचार्य, (सलाहकार, नेत्र विज्ञान और ग्लूकोमा सेवा), नेत्र विज्ञान विभाग, उत्तर प्रदेश ग्रामीण चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, सैफाई, इटावा - 206130। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

24. **डॉ. प्रमिला कालरा (2016)**

सह आचार्य, अंतःस्त्राविकी विभाग, एम.एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बेंगलुरु - 560054। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह और अंतःस्त्राविकी है ।

25. **डॉ. माला कंबोज (2016)**

वरिष्ठ आचार्य और विभागाध्यक्ष, मुख विकृति विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान स्नातकोत्तर संस्थान, रोहतक -124001। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

26. **डॉ. कंचन कपूर (2016)**

आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160036। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

27. **डॉ. अदिति कपूर (2016)**

सह आचार्य, बाल दंत चिकित्सा इकाई, मुख स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

28 **डॉ. टी. करुणा (2016)**

सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

29. **डॉ. सुखजोत कौर (2016)**

सह आचार्य, त्वचा विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज, लुधियाना -141001। उनकी विशेषज्ञता त्वचा और रतिजरोग विज्ञान है ।

30. **डॉ. विशाल खुराना (2016)**

सह सलाहकार, जठरांत्र रोग विज्ञान और यकृत-पित्त विज्ञान, फोर्टिस स्मारक एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 44, गुड़गांव - 122001। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

31. **डॉ. कीर्ति कौशिक ए. एस. (2016)**

सह आचार्य, विकिरण चिकित्सा विभाग, एम. एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बेंगलूर - 560054, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

32. **डॉ. सुदीप कुमार (2016)**

सहायक आचार्य, अस्थिरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

33. **डॉ. वीरेंद्र कुमार (2016)**

सहायक आचार्य, एनएमआर और एमआरआई सुविधा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

34. **डॉ. ईश्वरप्पा महेश (2016)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वृक्क विज्ञान विभाग, एम.एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

35. **डॉ. बलजीत मैनी (2016)**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, एमएमआईएमएसआर, एमएम विश्वविद्यालय, मुल्लाना, अंबाला। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

36. **डॉ. रितुपर्णा मैती (2016)**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

37. **डॉ. गौरांगा मजूमदार (2016)**

अपर आचार्य, सीवीटीएस विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता हृद्य-वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा है।

38. **डॉ. भारती मेहता (2016)**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

39. **डॉ. अभिषेक मेवाड़ा (2016)**

सहायक आचार्य, चिकित्सा परजीवी विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

40. **डॉ. बिस्वा रंजन मिश्रा (2016)**

सहायक आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता मनोचिकित्सा है।

41. **डॉ. कमला प्रसाद मिश्रा (2016)**

वैज्ञानिक डी, शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबंधित विज्ञान रक्षा संस्थान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली - 110054। उनकी विशेषज्ञता प्रतिरक्षी रुधिरविज्ञान है।

42. **डॉ. कुंदन मित्तल (2016)**

आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक - 124001। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

43. **डॉ. आशीष कुमार नय्यर (2016)**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

44. **डॉ. बलराम जी. उमर (2016)**

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

45. **डॉ. अर्नब पाल (2016)**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

46. **डॉ. प्रियंकर पाल (2016)**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, बाल स्वास्थ्य संस्थान, कोलकाता - 700017। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

47. **डॉ. ऋषि पाल (2016)**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान और चिकित्सीय विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

48. **डॉ. पद्मनाभन बी. (2016)**

अपर आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु - 560029। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

49. **डॉ. पुनीत पारीक (2016)**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

50. **डॉ. सुषमा पात्रा (2016)**

अपर आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019, ओडिशा। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है ।

51. **डॉ. बिनोद कुमार पात्रो (2016)**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता समुदाय स्वास्थ्य / समुदाय चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

52. **डॉ. सुंदर पेरियावन (2016)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु - 560029। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

53. **डॉ. शरद प्रभाकर (2016)**

सह आचार्य, अस्थिरोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

54. **डॉ. वेद प्रकाश (2016)**

उप चिकित्सा अधीक्षक, जीएम और संबंद्ध अस्पताल, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है ।

55. **डॉ. शशांक पुरावार (2016)**

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, साकेत नगर, भोपाल - 462020। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है ।

56. **डॉ. तापस सबुई (2016)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल चिकित्सा विभाग, मेडिकल कॉलेज कोलकाता, 88, कॉलेज स्ट्रीट, शिशुनिवास, सीबी-यूपी, कोलकाता - 700073। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

57. **डॉ. आशीष कुमार साहा (2016)**

सह आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग, के.पी.सी. मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, 1 एफ, राजा एस.सी. मलिक मार्ग, जादवपुर, कोलकाता - 700032। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

58. **डॉ. मोना शर्मा (2016)**

सहायक आचार्य, प्रजनन जीवविज्ञान विभाग, द्वितीय तल, शैक्षणिक भवन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

59. **डॉ. रिचा शर्मा (2016)**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

60. **डॉ. (श्रीमती) श्रीमती धर्मपाल शेट्टी (2016)**

वैज्ञानिक ई, राष्ट्रीय प्रतिरक्षी रुधिरविज्ञान संस्थान (आईसीएमआर), 13वां तल, केईएम अस्पताल, परेल, मुंबई - 400012। उनकी विशेषज्ञता प्रतिरक्षी रुधिरविज्ञान है।

61. **डॉ. सुरजीत सिंह (2016)**

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 324005। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

62. **डॉ. वीर बहादुर सिंह (2016)**

वरिष्ठ आचार्य, एस. पी. मेडिकल कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान - 334001। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

63. **डॉ. अरविंद सिन्हा (2016)**

अपर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342055। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

64. **डॉ. रामचंदर सिवाच (2016)**

निदेशक, बीपीएस शासकीय महिला मेडिकल कॉलेज, खानपुर कलान, सोनीपत - 131305। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

65. **डॉ. सौरभ श्रीवास्तव (2016)**

आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा - 201308। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

66. **डॉ. रघु सुदर्शन थोटा (2016)**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, टाटा मेमोरियल केंद्र, टाटा मेमोरियल अस्पताल और एक्ट्रेक, परेल, मुंबई - 400012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

67. **डॉ. अजय कुमार वर्मा (2016)**

सहायक आचार्य, पल्मोनरी चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

68. **डॉ. प्रोमिला वर्मा (2016)**

आचार्य, संरक्षी दंत चिकित्सा विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

69. **डॉ. वहाजुद्दीन (2016)**

वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रयोगशाला पीसीएन 106, फार्माकोकिनेटिक्स और चयापचय विभाग, सीएसआईआर केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, जानकीपुरम एक्स्टेंशन, सीतापुर रोड, लखनऊ - 226031। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

70. **डॉ. भाउराव भीमराव यादव (2016)**

सह आचार्य और इकाई विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, लातूर - 413512। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

71. **डॉ. पूनम यादव (2016)**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

72. **डॉ. योगेश चंद यादव (2016)**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, सुमनदीप विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पिपारिया, वडोदरा - 391760। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 4 अगस्त, 2015 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2015 के लिए सेवानिवृत्त एयर मार्शल (डॉ.) एम. एस. बोपाराय, एफएएमएस, को नेत्र विज्ञान सेवाओं एवं आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में व्यावसायिक उत्कृष्टता और नेतृत्व, धैर्य, शैक्षणिक श्रेष्ठता, और व्यावसायिक उत्कृष्टता के गुणों के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड और उच्च कोटि की विषय विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। उन्होंने परिषद सदस्य, प्रतिष्ठित आचार्य एव. विभिन्न स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में उत्कृष्टता पूर्वक अकादमी की सेवा की है।

व्याख्यान और पुरस्कार

डॉ. एस. एन. लॉड, मुख्य अतिथि, ने रायपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2015-16 के लिए अकादमी के निम्नलिखित व्याख्यान/पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पदक प्रदान किएः

व्याख्यान

डॉ. अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान	डॉ. एलियम्मा मैथ्यू, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कैंसर महामारी विज्ञान एवं जैवसांख्यिकी प्रभाग, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, त्रिवेंद्रम-695011, केरल।
व्याख्यान का शीर्षक	“महिलाओं में कैंसर”

OF MEDIC

डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान	डॉ. देबब्रत दाश, एफएएमएस आचार्य, जैव रसायन विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	"नेनोपदार्थों के जैव चिकित्सा अनुप्रयोग: घनास्त्रता विकारों का निदान और चिकित्सा"

डॉ. कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. विस्वेसर भट्टाचार्य, एफएएमएस पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	"पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा के लिए ऊतक स्थानांतरण में गहरी प्रावरणी के समावेश की प्रायोगिक और नैदानिक साक्ष्य-आधारित तार्किकता"

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	डॉ संजीव वी. थॉमस, एफएएमएस आचार्य, तंत्रिका विज्ञान एवं अध्यक्ष, आर. माधवन नायर समेकित मिर्गी देखभाल केंद्र, तंत्रिका विज्ञान विभाग श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम-695011, केरल।
व्याख्यान का शीर्षक	“मिर्गी पीड़ित महिलाओं में प्रजनन समस्याएं”

डॉ. आर.वी. राजम व्याख्यान	डॉ. राजेश कुमार, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं जन स्वास्थ्य विद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012।
व्याख्यान का शीर्षक	"एचआईवी / एड्स की रोकथाम के लिए निगरानी और लक्षित कार्रवाई"

जनरल अमीर चंद व्याख्यान	डॉ. ओ. पी. कालरा, एफएएमएस कुलपति, पं. बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक-124001, हरियाणा।
व्याख्यान का शीर्षक	"मधुमेह अपवृक्कता के आनुवंशिक आधार"

डॉ. एस. जानकी स्मारक व्याख्यान	डॉ. शेफाली गुलाटी, एमएएमएस आचार्य, विभागाध्यक्ष, बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	“तंत्रिका विकासात्मक विकारः यात्रा, स्वपन एवं उनकी पूर्ति”

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. काशी नाथ प्रसाद, एफएएमएस आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226015, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	"उत्तर भारत के सुअर पालन समुदाय में न्यूरोसिस्टीसरकोसिस बोझ"

पुरस्कार

डॉ. एस. एस. मिश्रा स्मारक पुरस्कार	डॉ. मधुसूदन के. एस. सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।
विषय: "ग्रासनली कार्सिनोमा के रोगियों में मल्टी-डिटेक्टर कंप्यूटिड टोमोग्राफी इसोफेजोग्राफी की भूमिका"	
डॉ. विमला विरमानी पुरस्कार	डॉ. जगदीशा थिरथल्ली आचार्य, मनोरोग विभाग, निमहांस, बंगलौर-560029, कर्नाटक।
विषय: "प्रतिमनोविकारी उपचारित एवं अनुपचारित सिज़ोफ्रेनिया रोगियों में विकलांगता की प्रक्रिया की संभावित तुलना"	
डॉ. एस.एस. सिद्धू पुरस्कार	डॉ. अशोक कुमार जेना दंत शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सिजुआ, पटरापदा, भुवनेश्वर, ओडिशा।
विषय: "विदर ओष्ठ और तालु विकृति वाले वयस्क रोगियों में नाक सूचकांक पर ऊपरी जबड़े के विकर्षण अस्थिजनन के दीर्घकालिक प्रभाव"	

डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार	डॉ. गणेश वेंकटरमन सह आचार्य, मानव आनुवंशिकी विभाग, जैव आयुर्विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान महाविद्यालय, श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय, पोरुर, चेन्नई - 600116, तमिलनाडु।
विषय: "अग्नाशय के कैंसर में पी21 सक्रिय काइनेज 1 संकेत चिकित्सीय परिणामों को प्रभावित करते हैं"	

नैम्स 2007 अमृतसर पुरस्कार

यह पुरस्कार अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पुरस्कार वितरण के समय एक ऐसे पुरस्कार विजेता को दिया जाता है जिसका लेख पैनल द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट घोषित किया गया है। सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया लेख नैम्स की संपत्ति बन जाता है और युवा वर्ग को उच्च गुणवत्ता की प्रस्तुति बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसे अकादमी के वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित किया जाएगा।

रायपुर, छत्तीसगढ़**,** में नैम्सकॉन 2016 के वार्षिक सम्मेलन (21-23 अक्टूबर**,** 2016) के दौरान इस पुरस्कार को निम्नलिखित विवरण अनुसार डॉ. मधुसूदन के. एस. को दिया गया था:

“नैम्स 2007 अमृतसर पुरस्कार”	डॉ. मधुसूदन के. एस. सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।
विषयः "ग्रासनली कार्सिनोमा के रोगियों में मल्टी-डिटेक्टर कंप्यूटिड टोमोग्राफी इसोफेजोग्राफी की भूमिका"	

आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार

21 अक्टूबर, 2016 को "तंबाकू या स्वास्थ्य**:** बेहतर विकल्प चुनिए" पर आयोजित संगोष्ठी के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्र प्रदर्शन का आचार्य जे.एस. बजाज पुरस्कार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों श्री शशि शेखर दुबे एवं श्री सौरभ स्वरूप वर्मा को मुख्य अतिथि डॉ. एन. एस. लॉड, बिहार के राज्यपाल द्वारा 22 अक्टूबर, 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया।

परिषद् की बैठकें

वर्ष 2016 के दौरान परिषद् की तीन बैठकें आयोजित की गई थीं।

पहली बैठक 17 जुलाई, 2016 को, दूसरी बैठक 17 सितम्बर, 2016 को और परिषद् की विशेष बैठक 21 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के परिसर में आयोजित की गई थीं।

सेवानिवृत्त होने वाले परिषद् के सदस्यों की रिक्तियां भरना - 2016

निम्नलिखित उन सदस्यों की सूची है, जो वर्ष 2015 में अपना कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त हुए और जिन्हें परिषद के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किया गया:

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. पी. के. दवे	डॉ. शिव के. सरीन
2. डॉ. योगेश चावला	डॉ. राजेश्वर दयाल
3. डॉ. वी. मोहन कुमार	डॉ. रवि कांत
4. डॉ. मीरा रजानी	डॉ. दिगम्बर बेहेरा
5. एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. मंजीत सिंह बोपराय	डॉ. संजीव वी. थॉमस

परिषद् ने सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए इसे अपने रिकार्ड पर रखा।

अध्येताओं का निर्वाचन - 2016

साख समिति ने वर्ष 2016 की अध्येतावृत्ति के लिए निर्वाचन हेतु 180 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों पर विचार किया, इनमें से 79 नए नामांकन (61 प्रत्यक्ष और 18 प्रोन्नत) थे और 101 अग्रेनीत नामांकन (65 प्रत्यक्ष और 36 प्रोन्नत) थे। साख समिति ने अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 26 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों की सिफारिश की। अध्येतावृत्ति और सदस्यता के निर्वाचन के लिए अनुशंसित जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों के जीवनवृत्त की फाइल की जांच करने के बाद साख समिति की सिफारिशों को परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों

में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा मतदान करके अध्येताओं के रूप में निर्वाचित किया गया।

निर्वाचित अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. अमित अग्रवाल**

   आचार्य, अंत:स्रावी शल्य चिकित्सा विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226014। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

2. **डॉ. शिंजिनी भटनागर**

   संकायाध्यक्ष, नैदानिक अनुसंधान / एचएजी वैज्ञानिक + आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार), बाल चिकित्सा जीव विज्ञान केंद्र, समन्वयक जैवडिजाइन केंद्र (अतिरिक्त प्रभार), ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, (जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सरकार भारत का एक स्वायत्त संस्थान), एनसीआर बायोटेक विज्ञान क्लस्टर, तीसरा माइलस्टोन, फरीदाबाद, गुड़गांव एक्सप्रेसवे, पोस्ट बॉक्स # 04, फरीदाबाद - 121001। उनकी विशेषज्ञता अनुसंधान (बाल स्वास्थ्य में नैदानिक अनुसंधान) है।

3. **डॉ. सुभो चक्रवर्ती**

   आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

4. **डॉ. किशोर कुमार दीपक**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

5. **डॉ. अपराजित बल्लव डे**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

6. डॉ. अजय कुमार दुसेजा

अपर आचार्य, यकृत विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

7. डॉ. शिविंदर सिंह गिल

उपकुलपति, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट, पंजाब। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्यचिकित्सा है।

8. डॉ. आशिमा गोयल

आचार्य, पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा इकाई, मुख स्वास्थय विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

9. डॉ. शेफाली गुलाटी

आचार्य, प्रमुख, बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

10. डॉ. नंदिता गुप्ता

आचार्य, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, आयुर्विज्ञान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता इम्युनोऐसे विकास एवं तकनीक है।

11. डॉ. सिद्धार्थ दत्त गुप्ता

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

12. डॉ. सुनील कुमार गुप्ता

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिकाशल्य विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिकाशल्य विज्ञान है।

13. डॉ. संजीव हांडा

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, त्वचारोग विज्ञान, रतिजरोग एवं कुष्ठ रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता त्वचा विज्ञान और रतिजरोग है।

14. डॉ. आर. हेमलता

वैज्ञानिक एफ (वरिष्ठ उप निदेशक) और अध्यक्ष, नैदानिक और सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रभाग, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जमाई-उस्मानिया (पीओ), हैदराबाद। उनकी विशेषज्ञता पोषण है।

15. डॉ. सतीश वसंत खाडिलकर

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, ग्रांट मेडिकल कॉलेज और जे जे अस्पताल, बायकुला, चौथी मंजिल, मुख्य भवन, मुंबई। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

16. डॉ. अनुराधा खन्ना

आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

17. डॉ. गोपाल नाथ

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

18. डॉ. सत्यवती राणा

आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

19. डॉ. पुंडी नरसिम्हन

आचार्य, जैव रसायन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

20. डॉ. तारा शंकर रॉय

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

21. डॉ. संदीप सक्सेना

वरिष्ठ आचार्य (रेटिना विट्रियस), नेत्र विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

22. डॉ. सुरेंद्र सिंह

अपर आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

23. डॉ. कवुमपुराथु रमन थंकप्पन

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अचुथा मेनन स्वास्थ्य विज्ञान अध्ययन केंद्र, श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य/ सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

24. डॉ. अंजन त्रिखा

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं क्रिटिकल केयर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

25. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय

उप संकायाध्यक्ष (अकादमिक), आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

26. डॉ. सुबोध वार्ष्णेय

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सर्जिकल जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, करनाल रायसेन बाईपास रोड, भोपाल - 462038। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग शल्य चिकित्सा है।

सदस्यों का निर्वाचन - 2016

सदस्यता के निर्वाचन के लिए कुल 144 उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया गया (जिनमें 91 नए नामांकन और 53 अग्रेषित नामांकन थे)। साख समिति ने 129 उम्मीदवारों की सिफारिश की और वे परिषद् द्वारा अनुमोदित किए गए। इसके बाद उनको, अध्येताओं की सामान्य निकाय द्वारा नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, मतदान द्वारा सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। निर्वाचित सदस्यों के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. एमडी इकबाल आलम**

   सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान, पैरामेडिकल विज्ञान विभाग, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

2. **डॉ. दीप्ति अग्रवाल**

   सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा - 282002। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

3. **डॉ. नीरज अग्रवाल**

   सह आचार्य, पीपल्स दंत अकादमी, भानपुर, भोपाल - 462037। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

4. **डॉ. प्रभात कुमार अग्रवाल**

   सह आचार्य, स्नातकोत्तर काय चिकित्सा विभाग, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा -282002। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

5. **डॉ. स्नेहा आर. अम्बवाणी**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

6. **डॉ. भूपिन्दर कौर आनंद**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, कैरियर आयुर्विज्ञान संस्थान एवं अस्पताल, घैल्ला, लखनऊ - 226020। उनकी विशेषज्ञता समुदाय स्वास्थ्य / समुदाय चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

7. **डॉ. अब्दुल सलाम अंसारी**

सह आचार्य, प्रजनन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, उच्च अध्ययन केंद्र, प्राणि विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर-302004। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

8. **डॉ. दीक्षा आर्य**

सह आचार्य, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, दंत संकाय, केजी चिकित्सा विश्वविद्यालय (पूर्व के. जी. मेडिकल कॉलेज), लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

9. **डॉ. मिट्ठु बनर्जी**

वरिष्ठ सलाहकार, विकृति विज्ञान विभाग, कमान अस्पताल, उत्तरी कमान, उधमपुर - 182101। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

10. **डॉ. श्याम बाबू बंसल**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम. जी. एम. मेडिकल कॉलेज, इंदौर - 452001। उनकी विशेषज्ञता समुदाय स्वास्थ्य / समुदाय चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

11. **डॉ. शालु चन्दना बाटला**

आचार्य, दन्तूकोपचार एवं मुख रोप विज्ञान विभाग, एम. एम. दंत विज्ञान एवं अनुसंधान कॉलेज, मुलाना, अंबाला -133203। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

12. **डॉ. प्रेरणा बत्रा**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज और गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

13. **डॉ. भारती भंडारी**

सहायक आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

14. **डॉ. रमेश भारती**

सहायक आचार्य, संरक्षी दंत चिकित्सा विभाग, एंडोडॉंटिक्स दंत संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

15. **डॉ. क्रांति भावना**

सहायक आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

16. **डॉ. मिलिंद विष्णु भूतकर**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, विनायक मिशन के. वी. मेडिकल कॉलेज, सलेम, तमिलनाडु - 636308। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

17. **डॉ. श्रीजीत चक्रवर्ती**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर - 575001। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

18. **डॉ. चंद्राशीष चक्रवर्ती**

सलाहकार, क्रिटिकल केयर विभाग, अपोलो ग्लेनीगल्स अस्पताल, कोलकाता - 700091। उनकी विशेषज्ञता संवेदना हरण विज्ञान है।

19. **डॉ. जयदीप रे चौधरी**

सलाहकार और अध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, यशोदा अस्पताल, 137 गनरॉक एन्क्लेव, ट्रांसपोर्ट रोड, सिकंदराबाद - 500009 (तेलंगाना)। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

20. **डॉ. अखिलानंद चौरसिया**

सहायक आचार्य और सलाहकार, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

21. **डॉ. रामेश्वर नाथ चौरसिया**

सह आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

22. **डॉ. शुचि कौंसुल**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, इरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

23. **डॉ. प्रकृति डैश**

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उसकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

24. **डॉ. पिनाकी रंजन देबनाथ**

सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और कलावती सरन बच्चों का अस्पताल, भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली -110001। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

25. **डॉ. आशीष धीर**

सहायक आचार्य और डीबीटी रामलिंगस्वामी अध्येता, अनुसंधान एवं विकास संस्थान, गुजरात न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात - 382007। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

26. **डॉ. अशोक कुमार दुबे**

सह आचार्य, आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

27. **डॉ. रवींद्र गर्ग**

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, जी. जी. एस. मेडिकल कॉलेज, फरीदकोट - 151203। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

28. **डॉ. संदीप गर्ग**

आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, कमरा नंबर 120, प्रथम तल, बी. एल. तनेजा ब्लॉक, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

29. **डॉ. शालिनी गर्ग**

आचार्य, बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग, एम.एम. दंत विज्ञान एवं अनुसंधान कॉलेज, एम. एम. विश्वविद्यालय, मुलाना, अंबाला, हरियाणा - 133207। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

30. **डॉ. प्रीती सारा जॉर्ज**

सह आचार्य, जैव सांख्यिकी विभाग, कैंसर महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी प्रभाग, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम - 695011। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक महामारी विज्ञान है।

31. **डॉ. ज्योति एस. घोंगडेमाथ**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, बागलकोट - 587102। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग है।

32. **डॉ. उज्जला घोषाल**

अपर आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

33. **डॉ. श्रीनिवास गोपाल**

वैज्ञानिक ई, जैव रसायन विभाग, श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम - 695011, केरल। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

34. **डॉ. जतिंदर सिंह गोराया**

सहायक आचार्य, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना -141001। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

35. **डॉ. अमित गोयल**

सहायक आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

36. **डॉ. जगदीश प्रसाद गोयल**

सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 492012। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

37. **डॉ. कमलेश के. गुलिया**

वैज्ञानिक डी (तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञानी), निद्रा विकार अनुसंधान प्रयोगशाला, जैव चिकित्सा प्रौद्योगिकी खंड, श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम - 695011, केरल। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

38. **डॉ. मोनिका गुप्ता**

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160030। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

39. **डॉ. निधि गुप्ता**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, स्वामी देवी दयाल दंत अस्पताल एवं दंत कॉलेज, बरवाला, पंचकुला - 134118। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

40. **डॉ. रेणु गुप्ता**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उसकी विशेषता शरीर रचना विज्ञान है।

41. **डॉ. श्याम कुमार गुप्ता**

व्याख्याता, शल्य चिकित्सा विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, जम्मू - 180001। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

42. **डॉ. तूलिका गुप्ता**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उसकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

43. **डॉ. सीमा जैन**

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय कॉलेज, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

44. **डॉ. वैभव कुमार जैन**

सहायक आचार्य, (सलाहकार, नेत्र विज्ञान और ग्लूकोमा सेवा), नेत्र विज्ञान विभाग, उत्तर प्रदेश ग्रामीण चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, सैफाई, इटावा - 206130। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

45. **डॉ. प्रमिला कालरा**

सह आचार्य, अंतःस्त्राविकी विभाग, एम.एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बेंगलुरु - 560054। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह और अंतःस्त्राविकी है ।

46. **डॉ. माला कंबोज**

वरिष्ठ आचार्य और विभागाध्यक्ष, मुख विकृति विज्ञान विभाग, दंत विज्ञान स्नातकोत्तर संस्थान, रोहतक -124001। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

47. **डॉ. कानागवेल मानिकवासागम**

वरिष्ठ सलाहकार और संकाय, सामान्य, जीआई और न्यूनतम एक्सेस शल्य चिकित्सा विभाग, सेंट इसाबेल अस्पताल, चेन्नई 600004 और संस्थापक सलाहकार, हरि जठरांत्र विकार केंद्र और अदोनिस बैरिएट्रिक और अंतःस्त्राव शल्य चिकित्सा केंद्र, अड्यार, चेन्नई - 600020। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र शल्य चिकित्सा है।

48. **डॉ. कंचन कपूर**

आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ - 160036। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

49. **डॉ. अदिति कपूर**

सह आचार्य, बाल दंत चिकित्सा इकाई, मुख स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

50. **डॉ. टी. करुणा**

सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

51. **डॉ. सुखजोत कौर**

सह आचार्य, त्वचा विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज, लुधियाना -141001। उनकी विशेषज्ञता त्वचा और रतिजरोग विज्ञान है ।

52. **लेफ्टिनेंट कर्नल जया कौशिक**

वर्गीकृत विशेषज्ञ और सहायक आचार्य (नेत्र विज्ञान और पूर्वकाल सेगमेंट सूक्ष्म शल्य चिकित्सक), कमांड अस्पताल (डब्लू सी), चंडीमंदिर कैंट, पंचकुला - 134107। उनकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

53. **डॉ. विशाल खुराना**

सह सलाहकार, जठरांत्र रोग विज्ञान और यकृत-पित्त विज्ञान, फोर्टिस स्मारक एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर - 44, गुड़गांव - 122001। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

54. **डॉ. कीर्ति कौशिक ए. एस.**

सह आचार्य, विकिरण चिकित्सा विभाग, एम. एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बेंगलूर - 560054, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता विकिरण चिकित्सा है।

55. **डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी**

अपर आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र, होसूर रोड, बंगलौर - 560029। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

56. **डॉ. सुदीप कुमार**

सहायक आचार्य, अस्थिरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

57. **डॉ. वीरेंद्र कुमार**

सहायक आचार्य, एनएमआर और एमआरआई सुविधा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

58. **डॉ. एम. सेंधिल कुमारन**

सह आचार्य, त्वचा रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

59. **डॉ. संदीप कुंद्रा**

सह आचार्य, संवेदना हरण विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना - 141001। उनकी विशेषज्ञता संवेदना हरण विज्ञान है।

60. **डॉ. राहुल महाजन**

सहायक आचार्य, त्वचा रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

61. **डॉ. ईश्वरप्पा महेश**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वृक्क विज्ञान विभाग, एम.एस. रमैय्या मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर - 560054। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

62. **डॉ. बलजीत मैनी**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, एमएमआईएमएसआर, एमएम विश्वविद्यालय, मुल्लाना, अंबाला। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

63. **डॉ. रितुपर्णा मैती**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

64. **डॉ. गौरांगा मजूमदार**

अपर आचार्य, सीवीटीएस विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता हृद्य-वक्ष और संवहनी शल्य चिकित्सा है।

65. **डॉ. भारती मेहता**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

66. **डॉ. अभिषेक मेवाड़ा**

सहायक आचार्य, चिकित्सा परजीवी विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

67. **डॉ. बिस्वा रंजन मिश्रा**

सहायक आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता मनोचिकित्सा है।

68. **डॉ. कमला प्रसाद मिश्रा**

वैज्ञानिक डी, शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबंधित विज्ञान रक्षा संस्थान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली - 110054। उनकी विशेषज्ञता प्रतिरक्षी रुधिरविज्ञान है।

69. **डॉ. कुंदन मित्तल**

आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक - 124001। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

70. **डॉ. सरिता मोहपात्रा**

सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली -110029। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

71. **डॉ. एस. मुरलीनाथ**

सलाहकार, बाल चिकित्सा विकिरण विज्ञानी, कांची कामकोटि बाल न्यास अस्पताल, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

72. **डॉ. तरुण नारंग**

सहायक आचार्य, त्वचा रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

73. **डॉ. रुचिका रूंगटा**

सह आचार्य, मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली - 110002। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

74. **डॉ. आशीष कुमार नय्यर**

सहायक आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

75. **डॉ. बलराम जी. उमर**

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश - 249203। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

76. **डॉ. रवीन्द्रनाथ पाधी**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सीएसआईआर प्रतिष्ठत वैज्ञानिक, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, आईएमएस और सुम अस्पताल, शिक्षा 'ओ' अनुसन्धान विश्वविद्यालय, के-8, कलिंग नगर, भुवनेश्वर - 751003। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

77. **डॉ. अर्नब पाल**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ -160012। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

78. **डॉ. प्रियंकर पाल**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, बाल स्वास्थ्य संस्थान, कोलकाता - 700017। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

79. **डॉ. ऋषि पाल**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान और चिकित्सीय विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

80. **डॉ. पद्मनाभन बी.**

अपर आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु - 560029। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

81. **डॉ. मनोज पांडे**

निदेशक, भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, रायसेन बाइपास मार्ग, करोंद, भोपाल - 462038। उनकी विशेषज्ञता शल्यचिकित्सीय अर्बुद विज्ञान है।

82. **डॉ. संजय पांडे**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

83. **डॉ. पुनीत पारीक**

सहायक आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342005। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

84. **डॉ. सुदीप पाठक**

आईसीयू और आपातकालीन चिकित्सा विभाग, नर्मदा आपातकाल एवं ट्रॉमा केंद्र, भोपाल में कार्यरत। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

85. **डॉ. सुषमा पात्रा**

अपर आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019, ओडिशा। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है ।

86. **डॉ. बिनोद कुमार पात्रो**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर - 751019। उनकी विशेषज्ञता समुदाय स्वास्थ्य / समुदाय चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

87. **डॉ. सुंदर पेरियावन**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु - 560029। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

88. **डॉ. शरद प्रभाकर**

सह आचार्य, अस्थिरोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

89. **डॉ. वेद प्रकाश**

उप चिकित्सा अधीक्षक, जीएम और संबद्ध अस्पताल, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है ।

90. **डॉ. नीरजा पुरी**

सलाहकार त्वचा रोग विज्ञानी, पंजाब स्वास्थ्य व्यवस्था निगम, मकान नं. 84, ऑफिसर कॉलोनी, फिरोजपुर, पंजाब - 152002। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग एवं रतिज रोग विज्ञान है।

91. **डॉ. शशांक पुरावार**

सह आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, साकेत नगर, भोपाल - 462020। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

92. **डॉ. दीपेंद्र कुमार राय**

सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

93. **डॉ. तापस कुमार सबुई**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल चिकित्सा विभाग, मेडिकल कॉलेज कोलकाता, 88, कॉलेज स्ट्रीट, शिशुनिवास, सीबी-यूपी, कोलकाता - 700073। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

94. **डॉ. अभिजीत साहा**

आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली - 110001। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

95. **डॉ. आशीष कुमार साहा**

सह आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग, के.पी.सी. मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, 1 एफ, राजा एस.सी. मलिक मार्ग, जादवपुर, कोलकाता - 700032। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

96. **डॉ. पुष्प लता संखवार**

सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

97. **डॉ. नवीन संख्यान**

सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, एपीसी, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषता बाल चिकित्सा है।

98. **डॉ. मोना शर्मा**

सहायक आचार्य, प्रजनन जीवविज्ञान विभाग, द्वितीय तल, शैक्षणिक भवन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

99. **डॉ. रिचा शर्मा**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

100. **डॉ. अनीता नरेन्द्र**

आचार्य एवं प्रभारी संवेदनाहरण विज्ञानी, न्यूरोसर्जरी ओटी, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, सेठ जी. एस. मेडिकल कॉलेज एवं केईएम अस्पताल, परेल, मुंबई - 400012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

101. **डॉ. (श्रीमती) श्रीमती धर्मपाल शेट्टी**

वैज्ञानिक ई, राष्ट्रीय प्रतिरक्षी रुधिरविज्ञान संस्थान (आईसीएमआर), 13वां तल, केईएम अस्पताल, परेल, मुंबई - 400012। उनकी विशेषज्ञता प्रतिरक्षी रुधिरविज्ञान है।

102. **डॉ. अल्पना सिंह**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

103. **डॉ. सी. एम. सिंह**

अपर आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना – 801507। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

104. **डॉ. रमनदीप सिंह**

अपर आचार्य, उन्नत नेत्र केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग विज्ञान है।

105. **डॉ. रामजी सिंह**

अपर आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, फुलवारीशरीफ, पटना - 801507। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

106. **डॉ. सरिता सिंह**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

107. **डॉ. सुरजीत सिंह**

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 324005। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

108. **डॉ. वीर बहादुर सिंह**

वरिष्ठ आचार्य, एस. पी. मेडिकल कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान - 334001। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

109. **डॉ. अनुज सिंघल**

वर्गीकृत विशेषज्ञ (काय चिकित्सा) एवं सहायक आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, एमयूएचएस, नासिक, आईएनएचएस अस्विनी, मुंबई। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

110. **डॉ. अरविंद सिन्हा**

अपर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर - 342055। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

111. **डॉ. रामचंदर सिवाच**

निदेशक, बीपीएस शासकीय महिला मेडिकल कॉलेज, खानपुर कलान, सोनीपत - 131305। उनकी विशेषज्ञता अस्थिरोग शल्य चिकित्सा है।

112. **डॉ. सुजाता सिवाच**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

113. **डॉ. सौरभ श्रीवास्तव**

आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा - 201308। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

114. **डॉ. तपस्या श्रीवास्तव**

सहायक आचार्य, आनुवंशिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी कैम्पस, बेनितो जुआरेज रोड, नई दिल्ली -110021। उनकी विशेषज्ञता आणविक चिकित्सा है।

115. **डॉ. मनजीत तलवार**

सह आचार्य, मुख स्वास्थ्य केंद्र, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सेक्टर 32, चंडीगढ़ - 160030। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

116. **डॉ. रघु सुदर्शन थोटा**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, टाटा मेमोरियल केंद्र, टाटा मेमोरियल अस्पताल और एक्ट्रेक, परेल, मुंबई - 400012। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

117. **डॉ. राजनारायण रामशंकर तिवारी**

वैज्ञानिक ई, व्यावसायिक चिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, मेघानी नगर, अहमदाबाद। उनकी विशेषज्ञता व्यावसायिक और पर्यावरण स्वास्थ्य है।

118. **डॉ. अमिता त्रेहन**

अपर आचार्य, बाल चिकित्सा रुधिर विज्ञान अर्बुद विज्ञान एकक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

119. **डॉ. शुचि त्रिपाठी**

सहायक आचार्य, प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग, दंत संकाय, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उसकी विशेषता दंत शल्य चिकित्सा है।

120. **डॉ. वैशाली उपाध्याय**

सलाहकार विकिरण विज्ञानी और डीएनबी शिक्षक, विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226021। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

121. **डॉ. बी. उषा**

सूक्ष्म जैव विज्ञान आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अन्नपूर्णा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, सेलम - 636308। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

122. **डॉ. अजय कुमार वर्मा**

सहायक आचार्य, पल्मोनरी चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

123. **डॉ. अमित कुमार वर्मा**

तपेदिक और छाती में व्याख्याता / सहायक आचार्य, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज और गुरू तेग बहादुर अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

124. **डॉ. प्रोमिला वर्मा**

आचार्य, संरक्षी दंत चिकित्सा विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226003। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

125. **डॉ. वहाजुद्दीन**

वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रयोगशाला पीसीएन 106, फार्माकोकिनेटिक्स और चयापचय विभाग, सीएसआईआर केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, जानकीपुरम एक्स्टेंशन, सीतापुर रोड, लखनऊ - 226031। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

126. **डॉ. भाउराव भीमराव यादव**

सह आचार्य और इकाई विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, लातूर - 413512। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

127. **डॉ. हरलोकेश नारायण यादव**

सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, औषध विज्ञान अनुसंधान संस्थान, जीएलए विश्वविद्यालय, 17 किलोमीटर स्टोन, एनएच - 2, मथुरा-दिल्ली रोड, पीओ. चौमुहां, मथुरा - 281406। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

128. **डॉ. पूनम यादव**

सहायक आचार्य, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान है।

129. **डॉ. योगेश चंद यादव**

सह आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, सुमनदीप विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पिपारिया, वडोदरा - 391760। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

एमएनएएमएस

विनियमन-V के अंतर्गत अकादमी की सदस्यता-जिन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण की है और जिनका नाम सदस्यता (एनएनएएमएस) के लिए विधिवत प्रस्तावित किया गया है।

विनियमन- **V** निम्नानुसार प्रदान करता हैः

> **'वे उम्मीदवार, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उनका नाम अकादमी के कम से कम एक अध्येता द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया हो तथा उम्मीदवार के चरित्र एवं आचरण को सत्यापित किया गया हो। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की परिषद् के अनुमोदन के आधार पर उम्मीदवार को एककालिक 7000/- रुपये के आजीवन सदस्यता शुल्क (1000/- रुपये के प्रवेश शुल्क सहित) अथवा समय-समय पर यथा-प्रभारित शुल्क तथा दायित्व बंधयपत्र के निष्पादन के बाद अकादमी के सदस्य के रुप में भर्ती किया जाएगा।'**

तदनुसार, उम्मीदवारों के अनुरोध पर अकादमी द्वारा आवेदन प्रपत्रों को जारी किया गया।

निम्नलिखित उम्मीदवार, जिन्होंने उपर्युक्त श्रेणी के अधीन अकादमी की सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए आवेदन किया था और जिन्हें विनियमन-**V** के अधीन यथानिर्दिष्ट कम से कम एक अध्येता (फेलो) द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया था, के नामों को परिषद् के समक्ष विचारार्थ दिनांक 17 जुलाई, 2016 को और 17 सितंबर, 2016 को आयोजित बैठक में रखा गया। परिषद ने उसे अनुमोदित किया।

दिनांक 17 जुलाई, 2016 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ.. शागोस जी. एस.
2. डॉ. कंदला अपर्णा शर्मा
3. डॉ. रितेश कुमार
4. डॉ. प्रियांक उनियाल
5. डॉ. जोशी हर्षल सतीश
6. डॉ. पुजारी पिनाकिन प्रकाशराव
7. डॉ. वथारकर योगेश रंगराव
8. डॉ. जीतेंद्र कौर
9. डॉ. सुरभि शालिनी
10. डॉ. सरदेसाई अश्विन विवेक

11. डॉ. शालीन प्रवीण शाह
12. डॉ. ढोले योगेश अशोक
13. डॉ. मोहम्मद सैफ हमीद
14. डॉ. नरेश कामावरम
15. डॉ. सतबीर सिंह
16. डॉ.शिकालगर वहीदअली शौकतअली
17. डॉ. शेवाले अमोल तानाजी
18. डॉ. सुजीत के. आर.
19. डॉ. दमन प्रीत कौर जी.
20. डॉ. शिरोलकर मुकुंद सुधीर
21. डॉ. मुकेश कुमार
22. डॉ. नूरूद्दीन एन. के.
23. डॉ. पंकज कुमार
24. डॉ. सुकन्या प्रिंस मैरी ए. जे.
25. डॉ. पालवे अतुल प्रहलाद
26. डॉ. सांगले अविनाश लक्ष्मणराव
27. डॉ. पाटिल हितेंद्र मधुकर
28. डॉ. मधुलिका शर्मा
29. डॉ. जयालक्ष्मी आर.
30. डॉ. सुबिथा एल.
31. डॉ. मधुसूदन राव चिलकापति
32. डॉ. गौरव मित्तल
33. डॉ. हूरबानो खान
34. डॉ. निधि सिंह
35. डॉ. नंदवाना प्रवीण अमृत
36. डॉ. राजेश्वरी के. ए.
37. डॉ. विष्णु कुमारी पंवार
38. डॉ. शेख उज़मा हामिद
39. डॉ. सवे सुश्रुत नितिन
40. डॉ. पाटिल विजयसिंह नामदेव
41. डॉ. माकेश राम एस.
42. डॉ. वरुण कुमार सिंह
43. डॉ. अधीश बसु
44. डॉ. इप्सिता साहा
45. डॉ. कौशिक त्रिपाठी
46. डॉ. जेसन राजन डॉ.क्टर
47. डॉ. सुभाजीत गुहा
48. डॉ. मूसा राजामणि एम.
49. डॉ. दिशा अरोड़ा
50. डॉ. धर्मेंद्र कुमार
51. डॉ. संतोष कुमार महापात्रा
52. डॉ. आकांक्षा रस्तोगी
53. डॉ. पाटिल अभिजीत अनिल
54. डॉ. मोहम्मद सादिक
55. डॉ. विक्रांत शर्मा
56. डॉ. बालामुरुगन के.
57. डॉ. चंदनखेड़े अभिजीत रविंद्र
58. डॉ. भवन दीप गर्ग
59. डॉ. गाइखे विजय विष्णु
60. डॉ. वाघमारे प्रवीण विट्ठलराव
61. डॉ. राम किशन
62. डॉ. सोनल प्रसाद
63. डॉ. उमामागेश्वरी ए.
64. डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम
65. डॉ. रंगवाला सकीना गुलामअब्बास
66. डॉ. मरियम हानी
67. डॉ. अंशुमान श्रीवास्तव
68. डॉ. गौरी नागपाल

69. डॉ. ठाकुर आयुष्मती
70. डॉ. सुरेखा श्रद्धा पवन
71. डा मोदी रोहित रमेश
72. डॉ. डोंबले अजय बीरप्पा
73. डॉ. सैयद जफर करम
74. डॉ. वीरा लाकिन दिनेश
75. डॉ. मंजरी अश्विनी कृष्णा
76. डॉ. बरुण कुमार चक्रवर्ती
77. डॉ. रंजू जयप्रकाश
78. डॉ. अजीत कुमार गांधी
79. डॉ. शालिनी जायसवाल
80. डॉ. स्वाति मुखर्जी
81. डॉ. सर्व प्रीत अहलूवालिया
82. डॉ. संपत सिंह झाला
83. डॉ. गांधी कल्पेश
84. डॉ. पंकज गुलाटी
85. डॉ. दिनूप के. पी.
86. डॉ. हेमा गोगिया
87. डॉ. मीर आसिफ उर रहमान
88. डॉ. पाटिल कविता हरि
89. डॉ. आर. मीनाक्षी प्रिया
90. डॉ. देबाशीष बिस्वास
91. डॉ. नचिकेत देसाई
92. डॉ. गीतिका कुरार
93. डॉ. चार्ल्स पैनेक्कल
94. डॉ. शैलेश चंद्र करण
95. डॉ. गौरव संजय
96. डॉ. मोहम्मद शब्बीरुल इस्लाम
97. डॉ. जीतेश पी. एम.
98. डॉ. रजनीश शर्मा
99. डॉ. नितिन पी. एम.
100. डॉ. कुणाल सिकंद
101. डॉ. मनु चोपड़ा
102. डॉ. मनोज वी.
103. डॉ. अंकुर शर्मा
104. डॉ. कमलेश कुमारी
105. डॉ. कविता कृष्णा पाई
106. डॉ. नेहा गोयल
107. डॉ. मित्रा देबज्योति
108. डॉ. अंकुर गुप्ता
109. डॉ. गुंडावदा मानित केतन
110. डॉ. अमृता साहनी
111. डॉ. विजयन एस.
112. डॉ. के. वेंकटरमन
113. डॉ. शाह यश किशोर
114. डॉ. चसकर राहुल मछिंद्रा
115. डॉ. शशिधर पाटिल एम.
116. डॉ. श्रुति कुलकर्णी एम.
117. डॉ. पुलक मुखर्जी
118. डॉ. विनोद टी. जी.
119. डॉ. अर्जुन आर. एच. एच.
120. डॉ. शाह विराज मीनेश
121. डॉ. शारिक उल हसन
122. डॉ. भोंसले प्रवीण रंगनाथ
123. डॉ. जूनेवर विवेक दिवाकरराव
124. डॉ. गिरीश जी. एन.
125. डॉ. राहुल सैनी
126. डॉ. रेगे कंचन रविंद्र

127. डॉ. आकाश अशोक बैंग
128. डॉ. असीम राठेर
129. डॉ. अविनाश कुमार
130. डॉ. नीलेष्मा पांडे
131. डॉ. श्रीगणेश के.
132. डॉ. श्रद्धा दिलीप रस्तोगी
133. डॉ. वैभव जैन
134. डॉ. सनी मलिक
135. डॉ. अनादि पचौरी
136. डॉ. अभिषेक सिंह
137. डॉ. श्वेता सिंह
138. डॉ. तिलवे केदार अजय
139. डॉ. हर्ष वर्धन
140. डॉ. राकेश जॉन
141. डॉ. नीतीश भान
142. डॉ. ए. विजयेंद्र
143. डॉ. खन्ना रेशम संजीव
144. डॉ. अंजना बसु
145. डॉ. वर्मा प्रतीक प्रदीप कुमार
146. डॉ. कुमत विशाल कांतिलाल
147. डॉ. अजय कुमार
148. डॉ. प्रवीणनाथ घंटा
149. डॉ. धोरन अमोल प्रकाश
150. डॉ. गोहिल ध्रुव प्रवीण
151. डॉ. सुशील कुमार अग्रवाल
152. डॉ. अमित मित्तल
153. डॉ. जी. एस. अरुण
154. डॉ. रुचि अग्रवाल
155. डॉ. पंकज गुप्ता
156. डॉ. सईदा तनवीरा हबीब
157. डॉ. कसात पुष्कर दिलीप
158. डॉ. वर्तक पुष्कराज उदय
159. डॉ. अंसारी मोहसिन बरकत
160. डॉ. अनुराग कुमार तिवारी
161. डॉ. गीता सूबे सिंह अहलावत
162. डॉ. सोहिनी सेनगुप्ता
163. डॉ. सुजॉय नियोगी
164. डॉ. विभूति तोमर
165. *डॉ. प्रीतम कुमार अग्रवाल
166. *डॉ. पूजा नरेश हिंगोरानी
167. डॉ. गौरव गोयल
168. डॉ. मोहित कुमार अरोड़ा
169. डॉ. मुल्ला लुकमान इब्राहिम घुदुलाल
170. डॉ. मुज़ावर जलील शौकतअली
171. डॉ. सुब्रमण्यम एम. एच.
172. डा पूजा गुप्ता
173. डॉ. शुभ्रांशु शेखर जेना
174. डॉ. वी. एस. पवित्रा
175. डॉ. स्मिता ढींगरा
176. डॉ. नरंजी प्रियंका महादेवराव
177. डॉ. विवेक मनचंदा
178. डॉ. अविनाश जैन
179. डॉ. नीथा जोस
180. डॉ. हेमलता
181. डॉ. आशीष राणा
182. डॉ. राजीव कुमार
183. डॉ. घंटे राहुल जीवनराव

184. डॉ. भावना
185. डॉ. लिज़ी विंसेंट
186. डॉ. प्रथीप समराज आर. पी.
187. डॉ. सुराना अनुज पारस
188. डॉ. देशपांडे सौरभ अजित
189. डॉ. पाटिल अतुल रविंद्र
190. डॉ. निखिल वर्मा
191. डॉ. बी. भानु प्रताप
192. डॉ. प्रियदर्शिनी आर.
193. डॉ. मंजूलता तोमर
194. डॉ. अनिर्बन मंडल
195. डॉ. पुनीत कौर साही
196. डॉ. बासा विकास राजेश्वरराव
197. डॉ. आनंद कुमार आर.
198. डॉ. जोबिन मैथ्यू
199. डॉ. मैनाक चंद्र
200. डॉ. अभिषेक बी.
201. डॉ. राव अनीश मुरलीधर
202. डॉ. आई. सुरेश कुमार
203. डॉ. अर्चना श्रीकांतन नायर
204. डॉ. पवार उदय मुगुटराव
205. डॉ. घुले श्वेतल भीमराव
206. डॉ. कोलोथुमविट्ठल एंटनी यूसुफ
207. डॉ. श्वेता खन्ना
208. डॉ. सजनी पी.
209. डॉ. हरि मोहन
210. डॉ. अजय कुमार
211. डॉ. दर्शना दत्तात्रेय रसालकर
212. डॉ. भवन कृष्णा पौनीपगर
213. डॉ. ज्योतिप्रशांत एम.
214. डॉ. धीरेंद्र रे
215. डॉ. शिवरामकृष्णन पी.
216. डॉ. कदागले बसवराज विजयकुमार
217. डॉ. लोकेश कुमार शर्मा
218. डॉ. इंगले हेमंत दादा साहेब
219. डॉ. प्रतिभा रामचंद्र काले
220. डॉ. केकटपुरे आदित्य लक्ष्मीकांत
221. डॉ. काशीकर अनुजा सुनील
222. डॉ. केकटपुरे आशे लक्ष्मीकांत
223. डा सुचित्रा शिवदास
224. डॉ. एस. परिमलम
225. डॉ. आशीष सिंह हरिओम सिंह ठाकुर
226. डॉ. रेशमी एस. नायर
227. डॉ. विवेक तिवारी
228. डॉ. त्रिवेदी भक्ति प्रद्युमनकुमार
229. डॉ. भटनागर अभिनव सुधीरकुमार
230. डॉ. आर. वीरकुमारन
231. डॉ. मोहम्मद रियाज वी. पी.
232. डॉ. बदनेरकर निखिल सुनीलकुमार
233. डॉ. शितोले राजेंद्र पोपटराव
234. डॉ. उमामाहेश्वरी आर.
235. डॉ. सुब्रत सामंत
236. डॉ. बालकावड़े नीलेश उन्मेश
237. डॉ. शेमीना वी.
238. डॉ. घुर्ये गौरव उदय
239. डॉ. कदम प्रसाद कल्याणराव
240. डॉ. दिव्या जी.

241. डॉ. दोषी दिशा शैलेश
242. डॉ. शैलेंद्र कुमार मोटवानी
243. डॉ. जीना के. जे.
244. डॉ. प्रशांत परमेश्वरन
245. डॉ. गिरीश फ्रांसिस
246. डॉ. अर्जित अग्रवाल
247. डॉ. इंद्रजीत सिंह मोंगा
248. डॉ. नलिनी गुप्ता
249. डॉ. सुतार विनायक नारायण
250. डॉ. प्राची जैन
251. डॉ. गांधी अक्षय राजेंद्र
252. डॉ. प्रवीण गुप्ता
253. डॉ. संदीप कुमार बिसोई
254. डॉ. दीपाश्री दौलताबाद
255. डॉ. प्रद्युम्न कृष्णा मजूमदार
256. डॉ. प्रवीण कुमार सिंह
257. डॉ. सुनील
258. डॉ. राजीव कुमार चौबे
259. डॉ. ईशान कुमार
260. डॉ. माइलवागानन
261. डॉ. शोभना बी.
262. डॉ. गोकुल जी.
263. डॉ. जियाना लियाकत
264. डॉ. श्यामसुंदर रेंडेडला
265. डॉ. कोठावाला हितेश कांति
266. डॉ. उर्मि खन्ना
267. डॉ. संचित गर्ग
268. डॉ. सलीम जहांगीर
269. डॉ. विजयमोहन एन.
270. डॉ. धाइगुड़े सुधीर भीमराव
271. डॉ. पंकज गुप्ता
272. डॉ. मुकुल सतीजा
273. डॉ. रिषभ जाजू
274. डॉ. तनय शर्मा
275. डॉ. विवेक द्विवेदी
276. डॉ. शालीन राणा
277. डॉ. देव प्रकाश शर्मा
278. डॉ. गुप्ता कल्पना मुरारीलाल
279. डॉ. रघुवीर चंदर अलुरी
280. डॉ. अनिरुद्ध सरकार
281. डॉ. अमरदीप सिंह
282. डॉ. रोहित नारा
283. डॉ. अतुल मल्होत्रा
284. डॉ. पारुल अरोड़ा
285. डॉ. वंदना सचदेवा
286. डॉ. प्रिया अमिताभ
287. डॉ. उर्गुडे अतुल मलिकार्जुन
288. डॉ. पाटिल अमोलकुमार
289. डॉ. लक्ष्मण सिंह चरन
290. डॉ. श्रॉफ लोकेश मोहन
291. डॉ. विक्रम प्रभु एस.
292. डॉ. संयतनवा मित्रा
293. डॉ. अर्चना रानी
294. डॉ. गौतम किरण टी.
295. डॉ. मिथुन मनोहर एम.
296. डॉ. अरुण ओ.
297. डॉ. बगाड़िया जीमिश दीपक
298. डॉ. विशेष खन्ना

299. डॉ. आकाश
300. डॉ. बालाराजू एम.
301. डॉ. सरत मेनन आर.
302. डॉ. आदितेंद्रादित्या सिंह भाटी
303. डॉ. इंगले विनोद छगनराव
304. डॉ. जॉय अजॉयकुमार घोषाल
305. डॉ. सन्नी अग्रवाल
306. डॉ. आकाश दीप अग्रवाल
307. डॉ. शाह अमीष जयंतीलाल
308. डॉ. अजीत यूसुफ वेणीयूर
309. डॉ. श्वेता राजपूत
310. डॉ. नीलांजना घोष
311. डॉ. तारके चंद्रकांत रावसाहेब
312. डॉ. पल्लवी वर्मा
313. डॉ. नाइक समीर श्रीरामराव
314. डॉ. सिन्हा शिवेंद्र कुमार
315. डॉ. पाटिल वीरेंद्र विजयसिंह
316. डॉ. श्यामल दास
317. डॉ. माथुर रजत कुमार
318. डॉ. अंकित थोरा
319. डॉ. कर्थिका एम.
320. डॉ. अपराजिता गोयल
321. डॉ. नैसर्गी आदित्य मिलिंद
322. डॉ. पुरी नदीशा राजेश
323. डॉ. सुवि मैनुएल
324. डॉ. देशमुख अभिजीत बाबूराव
325. डॉ. दीप्ति साइमन
326. डॉ. मोमिन मोहद्दीस अहमद
327. डॉ. गोंधले हर्षल प्रदीप
328. डॉ. गजानंद धाकेड़
329. डॉ. केविन श्याम
330. *डॉ. पवार परमेश्वर जानकीराम
331. डॉ. भोइते अमोल शशिकांत
332. डॉ. मेहता पुरवा रंजीत
333. डॉ. शीबिना वी. आर.
334. डॉ. मोहक विजयकुमार रूपारेलिया
335. डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल
336. डॉ. पंकज नागौरी
337. डॉ. मयंक उप्पल
338. डॉ. सुभदीप मंडल
339. डॉ. समीर सक्कीर हुसैन
340. डॉ. प्रियंका घोष
341. डॉ. सीमा परीजा
342. डॉ. रश्मि कविंद्रन
343. डॉ. माला दास
344. डॉ. सीमांतिका घोष
345. डॉ. संदीप कुमार
346. डॉ. सोनिया गुप्ता
347. डॉ. पाटिल सौरभ शेषराव
348. डॉ. बानुगड़े संदीप मधुकर
349. डॉ. शरणबसप्पा एस. धनवाडकर
350. डॉ. देशपांडे संजय पंकज
351. डॉ. आकाश विलास धुरु
352. डॉ. पंकज अरोड़ा
353. डॉ. बीजू पी. पी.
354. डॉ. सेठ रचित भरतकुमार
355. डॉ. कोल्टे अंकुश सुभाष
356. डॉ. राजकिरण कन्हैया राठी

357. डॉ. दादा मारुति कोली
358. डॉ. शाहनंद ध्वनि अनिल
359. डॉ. सरकार तंद्रा
360. डॉ. यादवीर गर्ग
361. डॉ. अंकिता बिसानी
362. डॉ. रणपरिया कल्पेश बाबूलाल
363. डॉ. रंजीत के. आर.
364. डॉ. गांधी कोमल अनिल
365. डॉ. बछव मनोज विलास
366. डॉ. अनुष मोहन
367. डॉ. योगेश जोपट
368. डॉ. वाघमारे सुदत्ता भीमराव
369. डॉ. राजीव एस. वी.
370. डॉ. पलक अरोड़ा
371. डॉ. के. कार्तिक कुमार
372. डॉ. राहुल पोपली
373. डॉ. मनु पॉल
374. डॉ. रजनीश कुमार
375. डॉ. जाधव महेश मोहनराव
376. डॉ. लोंधे आनंद मधुकर
377. डॉ. कामरान जमान
378. डॉ. मनीष चोमल
379. डॉ. कनिका गेरा
380. डॉ. गौरव ठकराल
381. डॉ. शेंडे उन्नति मनोहर
382. डॉ. किरणाके विजेंद्र वसंतराव
383. डॉ. लियोन वेंगाझइल अलेक्जेंडर
384. डॉ. प्रदीप शेनॉय एम.
385. डॉ. बेलेहल्ली पवन
386. डॉ. नितिन कुमार बाजपेयी
387. डॉ. दोदिया विरलकुमार नटवरसिंह
388. डॉ. विजयानंद टी. सी.
389. डॉ. चावला हितेश गुरबचन लाल
390. डॉ. आर. जयश्री
391. डॉ. रवि कुमार शर्मा
392. डॉ. वरुण मालू
393. डॉ. सौरभ कुमार पात्रो
394. डॉ. दीपक शर्मा
395. डॉ. एम. अंबारसन
396. डॉ. राजगुरु विक्रम अशोक
397. डॉ. कृतिकामीनाक्षी जे.
398. डॉ. असफियनेस स्टेनली एक्स.
399. डॉ. विक्नेस्वरन जी.
400. डॉ. कैलाश एस.
401. डॉ. रविंद्र बी. के.
402. डॉ. स्वाति अग्रवाल
403. डॉ. रंजन भट्टाचार्य
404. डॉ. पटेल चितरंजन परिमल
405. डॉ. राकुल नांबियार के.
406. डॉ. राठौर खुशवंत भागीरथ
407. डॉ. त्रिपाठी अग्रजा विजय नारायण
408. डॉ. केया चक्रवर्ती
409. डॉ. स्वरभानु परेल
410. डॉ. समेंद्र कुमार कारखुर
411. डॉ. चांदनी शर्मा
412. डॉ. दीप्ति सिंह
413. डॉ. मौमिता भौवाल
414. डॉ. विवेक दुदेजा

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

415. डॉ. सुगीत एम. टी.
416. डॉ. यश भरत शाह
417. डॉ. वैष्णव पूजा देवकिशन
418. डॉ. गजेरा वत्सल गिरीश
419. डॉ. सुभाष यू.
420. डॉ. जोइ एम. दास
421. डॉ. दैवा ए.

* **अपूर्ण**

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

दिनांक 17 सितंबर, 2016 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. आदित्य गार्गव
2. डॉ शीरिन पी. मैथ्यू
3. डॉ नंदीश एस.
4. डॉ शिंत्रे हेमंत सुनील
5. डॉ प्रसिन प्रदीप
6. डॉ ऋद्धि आर्य
7. डॉ बिन्दू रानी
8. डॉ रजत रंजन
9. डॉ कुमार सौरभ
10. डॉ समर्थ आर्या
11. डॉ नेहा लाधा
12. डॉ रोनी बेन्सन
13. डॉ शैलेश पाइ
14. डॉ चंदना आर. डी.
15. डॉ लिशा गोविंद के. वी.
16. डॉ हाफिज़ुर रहमान
17. डॉ गुरू एस.
18. डॉ यूसुफ मैथ्यू कादापुरम
19. डॉ साबिन जॉर्ज
20. डॉ हिमांशु विजय
21. डॉ चिन्मय बिस्वास
22. डॉ मोहम्मद कालीम
23. डॉ विशिष्ट सिंह
24. डॉ रूही श्रीवास्तव
25. डॉ ज्योति ओ. कुमारी
26. डॉ अंकिता मित्तल
27. डॉ रीतादयुति मुखोपाध्याय
28. डॉ अरुण आर.
29. डॉ अभिरूचि चटर्जी
30. डॉ विकल्प वशिष्ठ
31. डॉ अभिषेक जायसवाल
32. डॉ ओजस्वी शंकर
33. डॉ मंजूषा पी. पी.
34. डॉ सैकत साहू
35. डॉ सुधीर कुमार काले
36. डॉ जोशी नचिकेत मिलिंद
37. डॉ हेमेंद्र कुमार अग्रवाल
38. डॉ सचिन के. एस.
39. डॉ अपर्णा पाइ यू.
40. डॉ रमेश वी.
41. डॉ सेरिन कुरिएकोस
42. डॉ संतोष एम.
43. डॉ अजय प्रसाद ऋषि पी.
44. डॉ मुरली कृष्णा एम. एम.
45. डॉ वादिवेल एस.
46. डॉ वसंतकुमार वी.
47. डॉ अरुण कुमार आर.
48. डॉ जॉन जोसेफ
49. डॉ शशिकुमार एस.
50. डॉ विनय के.
51. डॉ जगनीत गिल
52. डॉ अब्दुल गफूर पी. एम.
53. डॉ के. सुष्मिता
54. डॉ बरबिंद सारंग रेणुकादासराव
55. डॉ धर्मेंद्र मलिक
56. डॉ अनुराधा

57. डॉ मनोज मौनी
58. डॉ देशपांडे शैलेश सुरेश
59. डॉ जॉन सुरेश कुमार टी. आर.
60. डॉ अंजना डिक्सन
61. डॉ हरीश कुमार एम.
62. डॉ बाबू राजन ए. के.
63. डॉ कापू रविंद्रनाथ
64. डॉ गौरव जैन
65. डॉ मैसूर अमूल्य
66. डॉ जेस्सानी लक्ष्मण गोबिंदराम
67. डॉ पारस गुप्ता
68. डॉ आशीष बडाया
69. डॉ हेमंत वामनशंकर
70. डॉ अवल नागेश्वर रेड्डी
71. डा सामंत अंबरीश अभिजीत
72. डॉ चंद्रशेखर
73. डॉ चव्हाण प्रशांत पंढारीनाथ
74. डॉ त्यागी राहुल
75. डॉ पूर्णिमा
76. डॉ नमिता टी.
77. डॉ नेहा टंडन
78. डॉ ख्यास ओमेर कुन्हीन
79. डॉ बालासुब्रह्मण्या के. आर.
80. डॉ पूजा तिवारी
81. डॉ फलक पूजा अशोक
82. डॉ बा महबूबाआलम विलायतअहमद
83. डॉ अंकुर गुप्ता
84. डॉ प्रीति साहू
85. डॉ षण्मुगनाथन आर.
86. डॉ संदीप जॉर्ज विलायाकत
87. डॉ डिसूजा जोनाथन जेम्स थेल्मा
88. डॉ नईम शफीक जगानी
89. डॉ बोराना चिराग प्रकाश
90. डॉ इमरान जान
91. डॉ कापसे उपेंद्रकुमार साहबराव
92. डॉ राहुल कुमार
93. डॉ युगल करखूर
94. डॉ कार्तिक सुब्रमण्यम
95. डॉ अभिषेक सिंह
96. डॉ माथुर नेहा सत्यप्रकाश
97. डॉ चौबे सनिता राधेश्याम
98. डॉ आशीष निगम
99. डॉ अनिल वी.
100. डॉ आजाद अहमद शाह
101. डॉ अभिषेक कुमार संभारिया
102. डॉ गुप्ता राहुल हरिवंश
103. डॉ पाटिल रूपाली सुभाष
104. डॉ शरणकुमार जबशेट्टी
105. डॉ शिखर गुप्ता
106. डॉ श्वेता गंडोत्रा
107. डॉ सौरभ शंकर चक्रवर्ती
108. डॉ पटेल निश्चिल हेमंत
109. डॉ संगीत कुमार अग्रवाल
110. डॉ कुणाल राजेशकुमार चंपानेरी
111. डॉ नीरजा भारती
112. डॉ प्रधान प्रदीप आदित्य
113. डॉ रवि प्रकाश
114. डॉ शीरजा बाली
115. डॉ मल्लिका सेनगुप्ता
116. डॉ शेखर सांघी

अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य

	मानद अध्येता	अध्येता एफएएमएस	सदस्य एमएएमएस	सदस्य एमएनएएमएस
दिनांक 31.03.2017 की यथास्थिति	3	876	1,829	4,789
दिवंगत (2016-2017 की अवधि के दौरान)	-	(-) 10	(-) 1	-
वर्ष 2016 में निर्वाचित	-	(+) 26*	(+) 129	-
वर्ष 2016 में सदस्यगण जिन्हें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत किया गया	-	-	(-) 16	-
वर्ष 2016 में डीएनबी परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के बाद विनियमन-V द्वारा प्रवेश दिए गए सदस्य	-	-	-	537
दिनांक 31.03.2017 की यथास्थिति रोल पर	**3**	**892**	**1,941**	**5,326**

* इसमें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत 16 सदस्य सम्मिलित हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का व्याख्यान तथा पुरस्कार के लिए नामांकन-2016-17

व्याख्यान तथा पुरस्कार समिति की सिफारिशों के आधार पर परिषद् ने वर्ष 2016-17 के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिकों को व्याख्यान तथा पुरस्कार प्रदान करना अनुमोदित कियाः

व्याख्यान	
डॉ. अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान	डॉ. सुनीता सक्सेना, एफएएमएस निदेशक, राष्ट्रीय विकृतिविज्ञान - आईसीएमआर संस्थान, सफदरजंग अस्पताल परिसर, पोस्ट बॉक्स नं. 4909, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	“महिलाओं में वक्ष कैंसर - आनुवांशिक जोखिम कारक एवं संभाव्य बायोमार्कर”
कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. अनिल के. जैन, एफएएमएस निदेशक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं जीटीबी अस्पताल, दिल्ली - 110095।
व्याख्यान का शीर्षक	"रीढ़ की हड्डी में क्षय रोग: नैदानिक अभ्यास पर अनुसंधान साक्ष्य का प्रभाव"

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	डॉ. उषा कांत मिश्रा, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-226015, उत्तर प्रदेश।
व्याख्यान का शीर्षक	“जापानी इंसेफेलाइटिस में नैदानिक और प्रायोगिक अध्ययन: सीखे गए सबक”

डॉ. आर.वी. राजम व्याख्यान	डॉ. प्रेमाशीष कार, एफएएमएस निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, जठरांत्र रोग विज्ञान एवं यकृत रोग विभाग, मैक्स सुपर स्पेशियालटी अस्पताल, वैशाली, बी001, प्राज्ञिज्योतिषपुर अपार्टमैंट, सैक्टर - X, प्लॉट नं. 7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075।
व्याख्यान का शीर्षक	"भारत में एचईवी संबंधित यकृत् रोगः यह रोग तूफानी क्यों है?"

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. शांतनु कुमार कार, एफएएमएस निदेशक (अनुसंधान), चिकित्सा एवं जैव विज्ञान, आयुर्विज्ञान संस्थान एवं एसयूएम अस्पताल, शिक्षा 'ओ' अनुसन्धान विश्वविद्यालय, के - 8, कलिंग नगर, घाटिकिया, भुवनेश्वर - 751003, ओडिशा।
व्याख्यान का शीर्षक	"लसीका फाइलेरिया का नया परिप्रेक्ष्य: उन्मूलन की ओर"

डॉ. जे. जी. जॉली व्याख्यान	कर्नल (डॉ.) देवेन्द्र अरोड़ा आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, कमान अस्पताल (एससी), पुणे - 411040, (महाराष्ट्र)।
व्याख्यान का शीर्षक	"भ्रूण रक्त आधान: उद्धारकर्ता"

अकादमी व्याख्यान	डॉ .अरविंद बग्गा, एमएएमएस आचार्य , बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली110029 - ।
व्याख्यान का शीर्षक	"बच्चों में ग्लोमेरुलर रोगों के लिए चिकित्सा"

पुरस्कार

श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार	डॉ. ज्योत्सना कैलाशिया सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।
विषय: "बिम्बाणु-व्युत्पन्न सूक्ष्म कणों का पता लगाने के लिए ग्राफीन ऑक्साइड-आधारित बायोसेंसर: थ्रोम्बस जोखिम पहचान के लिए एक संभावित उपकरण"	
डॉ. ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार	डॉ. चंदन जे. दास सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।
विषय: "विद्युत शरीरक्रियात्मक सहसंबंध के साथ कुष्ठ रोग से संबंधित प्रकोष्ठिका स्नायुरोग में प्रकोष्ठिका स्नायु सोनोग्राफी"	
डॉ. एस. एस. सिद्धू पुरस्कार	डॉ. विनय के. चुग सह आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी फेज 2, जोधपुर (राजस्थान)।
विषय: "ऑर्थोडॉन्टिक कोष्ठकों के समीप इनैमल विखनिजीकरण पर प्रकाश उपचारित फ्लोराइड वार्निश का प्रभाव: एक अन्तर्जीवी अध्ययन"	

डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार	डॉ. के. एच. रीटा आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029।
विषय: "चूहे में एडारावोन क्षीण अन्तःमस्तिष्कनिलयी स्ट्रेपटोज़ोटोकिन प्रेरित संज्ञानात्मक हानि"	
डॉ. सत्या गुप्ता पुरस्कार	डॉ. गिरीश चंद्रा भट्ट सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024 (मध्यप्रदेश)।
विषय: "बाल आयु वर्ग में बाधक निद्रा अश्वसन खराब शैक्षिक प्रदर्शन और निशा शैय्यामूत्रण से संबंधित है: मध्य भारत के स्कूली बच्चों में एक समुदाय आधारित अध्ययन"	

स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान

साख समिति की अनुशंसा के आधार पर और परिषद् की सहमति से, वर्ष के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक को अकादमी की वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. जुगल किशोर, एफएएमएस, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, वर्धमान मेडिकल कॉलेज, वर्ष 2015 के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक थे। उन्होंने 23 अक्तूबर 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ में वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का विषय “सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम में आवश्यक कौशल" था।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 17 जुलाई, 2016 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2016 के लिए डॉ. एस. एस. देशमुख, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। वर्तमान में नैम्स की वित्त समिति का अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने परिषद् सदस्य, प्रतिष्ठित आचार्य और अनेक स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है। वे पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रही हैं। उनमें भारत के व्यावसायिक संगठनों में एवं राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी दोनों के लिए नेतृत्व गुण है।

इमारत का रख-रखाव

इमारत के रख-रखाव पर होने वाले व्यय की भागीदारी 50:50 आधार पर एनएएमएस और एनबीई द्वारा की जाती है। गृह-सज्जा और सुरक्षा के कार्य संविदा आधार पर सौंपे गए हैं।

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सभागार (01-04) और अकादमी इमारत (05) का मरम्मत कार्य किया गया था: -

1. बहु-व्यावसायिक शिक्षा और श्रीमती कमला रहेजा सभागार से राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क कनेक्टिविटी के माध्यम से अन्य चिकित्सा संस्थानों के लिए सीएमई के लाइव

इंटरैक्टिव प्रसारण के लिए वीडियो सम्मेलन यंत्रों / उपकरणों की स्थापना (सिस्को-एसएक्सx80 उच्चस्तरीय वीडियो सम्मेलन प्रणाली)।

2. एबीसी अग्निशमन के साथ 13 जनवरी, 2017 को 3 साल की वैधता के साथ डीएफएस द्वारा जारी किए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) सहित दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अग्नि सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन के तहत अग्नि सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन।

3. सभागार में लंबे समय तक चलने के साथ बिजली की खपत को कम करने के लिए एलईडी ऊर्जा कुशल प्रकाश प्रणाली स्थापित की गई।

4. निःशक्तजनों और बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए सभागार के भूतल और प्रथम तल शौचालयों का नवीनीकरण।

5. मुख्य भवन के प्रथम और द्वितीय तल के कमरों में नवीनीकरण और नेटवर्क स्थापना और उन्नयन।

सभी उपरोक्त कार्यों से संबंधित निविदाएं / संविदाएं और हार्डवेयर अवसंरचना का क्रय अकादमी द्वारा प्रक्रिया के अनुसार किया गया और कार्य 2016-17 के दौरान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

(सभागार इमारत के चित्र के लिए कृपया वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठभाग को देखिए)

वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन

वर्ष 2013 के अंकों से एनएएमएस के वर्ष वृत्तांत जोधपुर में 'नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र' से प्रकाशित किए जा रहे हैं और वर्ष वृत्तांत - त्रैमासिक पत्रिकाओं के विभिन्न अंकों की सामग्री वर्ष वृत्तांत के प्रकाशन के बाद उपलब्ध होने पर एनएएमएस की वेबसाइट पर अपलोड की जाती है। इससे पहले, वर्ष 2011 और 2012 के लिए वर्ष वृत्तांत अंकों को अप्रत्याशित कारणों से प्रकाशित नहीं किया जा सका था।

इससे पहले 2011 और 2012 - 2 वर्षों के अंतराल के बाद 2013 में नैम्सकॉन 2013 के दौरान (एम्स, जोधपुर में अक्टूबर 2013 में आयोजित), एम्स, जोधपुर के निदेशक डॉ. संजीव मिश्रा, जोधपुर केंद्र से एनएएमएस पत्रिकाओं को प्रकाशित करने के लिए सहमत हुए। जोधपुर में 'नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र' के तहत जोधपुर से प्रकाशित पहली पत्रिका "निद्रा चिकित्सा" पर थी। यह नैम्सकॉन 2013 के दौरान 25 अक्टूबर, 2013 को "निद्रा चिकित्सा" पर आयोजित सीएमई कार्यक्रम पर आधारित था और 2014 के मध्य में प्रकाशित हुआ था। उसके बाद "स्वर्ण जयंती व्याख्यानों" पर वर्ष 2013 का पहला अंक 2014 के अंत तक मुद्रित किया गया था। नैम्स के माननीय सचिव के मार्गदर्शन में वर्ष वृत्तांत के प्रकाशन को निर्बाध और अद्यतन करने के लिए बाधाओं को हटाने के प्रयास किए गए हैं।

वर्ष 2017 में अब तक 2011 के वर्ष वृत्तांत अंक, अर्थात् 47 (1 और 2) और 47 (3 और 4) मुद्रित किए गए हैं। वर्ष वृत्तांत 2012 के अंकों की प्रक्रिया चल रही है और शीघ्र ही इन्हें मुद्रित किया जाएगा। इसके साथ ही 2011 और 2012 के अंतराल को काफी कम कर दिया गया है और वर्ष 2017 के अंत तक यह समाप्त हो जाएगा।

'नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र', एम्स, जोधपुर से सहयोगी संपादक डॉ. कुलदीप सिंह ने वर्ष वृत्तांत की स्थिति पर परिषद सदस्यों के समक्ष एक संक्षिप्त प्रस्तुति देते हुए बताया कि वर्ष वृत्तांत को निम्नलिखित में अनुक्रमित किया गया है:

- दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ सूचकांक मेडीकस
- ओपन एक्सेस पत्रिका का डाटाबेस
- बेस - बीलेफेल्ड अकादमिक सर्च इंजन
- गूगल स्कॉलर
- साइटफैक्टर

- हार्वर्ड में डाटावर्स परियोजना ने हमारी पत्रिका के साथ एक लिंक स्थापित किया है और सभी लेख इसके डेटाबेस पर निकाले जाएंगे।
- वर्ल्डकैट हमारे लेखों का अनुक्रमण और उनका भंडारण कर रहा है।

डॉ. कुलदीप सिंह ने यह भी सूचित किया कि निम्नलिखित प्रक्रियाएं जोधपुर केंद्र द्वारा आरंभ की गई हैं-

(क) ऑनलाइन संस्करण के लिए आईएसएसएन प्राप्त किया गया है - एनआईएससीएआईआर, दिल्ली से आईएसएसएन 2454: 5635।

(ख) वर्ष वृत्तांत http://annals-nams.in के साथ ही अकादमी की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

(ग) पत्रिका ओपन जर्नल सिस्टम (ओजेएस) पर होस्ट किया गया है जो कि एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है जिसमें सबमिशन, समीक्षा प्रक्रिया, ले-आउट संपादन और त्वरित ऑनलाइन प्रकाशन के लिए सभी कार्यक्षमताएं निहित हैं।

एम्स, जोधपुर में मुद्रित होने वाले नैम्स के वर्षवृत्तांत के सभी आगामी अंकों को नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र, जोधपुर द्वारा बिना किसी अतिरिक्त लागत के राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की वेबसाइट http://annals-nams.in पर इसके वितरण के 3 दिन के भीतर डाल दिया जाएगा।

2017 का पहला अंक अर्थात खंड 53 (1) नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र, जोधपुर में प्रकाशनाधीन है। 2017 से, खंड 53 (1) के पहले अंक से पबमेड अनुक्रमण आरंभ किया जाएगा और इसके लिए पांडुलिपियों के लिए आवश्यक उपाय आरंभ किए जा रहे हैं, जैसे

- वैज्ञानिक गुणवत्ता मानक
- तकनीकी आवश्यकताएँ
- मूल्यांकन और सेट-अप प्रक्रिया
- पूर्व-आवेदन आवश्यकताएं:

- आईएसएसएन: नैम्स के वर्षवृत्तांत के पास मुद्रित प्रति और ऑनलाइन दोनों के लिए है
- जैव विज्ञान में गुणवत्ता वैज्ञानिक प्रकाशनों में कम-से-कम दो वर्ष का इतिहास, न्यूनतम 25 समकक्ष समीक्षित लेख (जैसे मूल शोध, समीक्षा लेख और नैदानिक मामले रिपोर्ट) किसी भी आवेदन के पहले अंतिम रूप में प्रकाशित होनी चाहिए।

- आईसीएमजेई दिशा निर्देश (सीओपीई, डीओएजे, वेम और ओएएसपीए द्वारा संयुक्त वक्तव्य)

पबमेड अनुक्रमण की शर्तों को पूरा करने के लिए खंड 53 (1), 2017 के बाद से सभी अंक ए 4 आकार के कागज़ पर होंगे, उचित प्रारूप में होंगे और इसमें संपादकीय होगा जिसका नैम्स चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान केंद्र, जोधपुर ध्यान रखेगा। 2017 के अंकों के अन्य संस्करणों के लिए अधिक पांडुलिपियों तैयार करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है ताकि वर्ष के अंत तक वर्षवृत्तांत को व्यवस्थित रूप से प्रकाशित करने की प्रक्रिया सुचारू बन सके।

मृत्युलेख

अकादमी के निम्नलिखित प्रतिष्ठित अध्येताओं/ सदस्यों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया गया हैः

अध्येताः

1. डॉ. सुदर्शन के. अग्रवाल
2. डॉ. अंदुवु नरसिम्हा दास
3. डॉ. बी. एन. धवन
4. डॉ. टी. एस. कोशी
5. डॉ. धीरेंद्र नाथ नंदी
6. डॉ. सी. एस. पॉलोस
7. डॉ. एस. रामचंद्रन
8. डॉ. एस. के. सामा
9. डॉ. इंदर बीर सिंह
10. डॉ. युस्टास जोसफ सूजा

सदस्यः

1. डॉ. सुमित संधु

अनुबंध-I

रायपुर (छत्तीसगढ़) में दिनांक 22 अक्टूबर, 2016 को आयोजित 56वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. मुकुंद एस. जोशी, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

पद्मभूषण डॉ. नंदू लॉड, नैम्स के उपाध्यक्ष डॉ. संजय वधवा और इस सभा के आयोजन के उत्तरदायी डॉ. नितिन नगरकर और उनके सहयोगी डॉ. धनेरिया, डॉ. अग्रवाल और डॉ. नीमा! आप सभी मैं केवल यह कह सकता हूं कि सम्मेलन शानदार रहा है। थोड़े से समय में भी यह इतना भव्य हो पाया है इसमें कोई संदेह नहीं है। मुझे पता है कि 2 अक्टूबर को डॉ. दीप श्रीवास्तव यहां आए थे और डॉ. श्रीवास्तव ने मुझे बताया कि उनके जाने के बाद पिछले कुछ दिनों में यह स्थान पूरी तरह से परिवर्तित हो चुका है।

आज जब मैं इस उत्कृष्ट सम्मेलन के लिए उन्हें बधाई देने जा रहा हूं, तो नैम्स के अध्यक्ष के रूप में मैं कुछ परिषद् सदस्यों और वरिष्ठ अध्येताओं को धन्यवाद देना चाहता हूँ और उनमें से कुछ मेरे समक्ष विराजमान हैं - एयर मार्शल एम. एस. बोपाराई, डॉ. सरोज चूढ़ामणि, डॉ. हरिभाई पटेल, आप सब एक समय में अकादमी के दिग्गज रहे हैं, वहाँ डॉ. अमित मिश्रा और इतने सारे लोग हैं जो इतने लंबे समय से यहां रहे हैं। मैं डॉ. जे. एस. बजाज का नाम नहीं भूल सकता। विश्वास करें कि उनकी दृष्टि, उनकी विचार प्रक्रिया और अकादमी के विकास की जो योजना उन्होंने बनाई थी, वह आज तक सही साबित हुई है और अब आप अध्येताओं और नए सदस्यों को इसे अधिक ऊंचाई तक पहुंचाना है और अपने उत्तरदायित्व से पीछे नहीं हटना है। केवल यह न कहें कि "मेरे नाम के साथ एफएएमएस, एनएएमएस जुड़ा है"। नहीं ! यह आपका लक्ष्य नहीं है, आपका लक्ष्य अकादमी के शिक्षाविदों में सुधार करना है और मुझे विश्वास है कि आप सभी यह करना जारी रखेंगे। मैं यहाँ बहुत आनंदित हुआ हूँ और मैंने आतिथ्य का असीम आनंद लिया है। मैं एम्स रायपुर को बहुत शुभकामनाएं देता हूं। और निकट आने वाले वर्षों में जब उनका पहला बैच एक वर्ष के समय में स्नातक हो जाएगा और शुभकामनाएं आपको शीघ्र ही एक शानदार स्नातकोत्तर कार्यक्रम मिलेगा; सभी को फिर से शुभकामनाएं।

मैं नैम्स के सभी कार्यालय और सहायक कर्मचारियों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अकादमी के सुचारू संचालन के लिए एक दूसरे की सहायता कर निरंतर प्रयास किए।

जय हिंद।

रायपुर (छत्तीसगढ़) में दिनांक 22 अक्टूबर, 2016 को आयोजित 56वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पद्मभूषण डॉ. एन. एस. लॉड, प्रख्यात आर्थोपेडिक सर्जन, मुंबई, द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

नमस्कार! राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के माननीय अध्यक्ष मेरे मित्र डॉ. मुकुंद जोशी और उपाध्यक्ष डॉ. वधवा, सचिव डॉ. श्रीवास्तव, सभा अध्यक्ष डॉ. एन. नगरकर, संकायाध्यक्ष डॉ. धनेरिया, डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. नीमा और आयुर्विज्ञान अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों, परिषद् सदस्यों और जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार विजेता एयर मार्शल (डॉ.) एम. एस. बोपाराई, युवा वैज्ञानिकों और मित्रों जिन्हें आज अध्येतावृत्ति मिली है और जिन सदस्यों को कल अध्येता बनना है, मित्रों, देवियों और सज्जनों मुझे आज जिसने उत्साहित किया है, विशेष रूप से डॉ. आलोक अग्रवाल ने मुझे फोन किया कि महोदय आज हमारा समारोह है। मैं शिवाजी पार्क से हूँ। मुझे ऐसे किसी अद्भुत समारोह के लिए थोड़े समय के नोटिस की भी आवश्यकता नहीं है, जहां आप वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों को सम्मानित करने जा रहे हैं। मैं सम्मानित अनुभव कर रहा हूँ कि आपने मुझे फोन किया। मुझे लगता है कि यह लबादा पहनकर यहाँ खड़े होकर इस देश के आगामी वैज्ञानिकों की सराहना करना मेरे जीवन काल की अच्छी उपलब्धियों में से एक है। मुझे सबसे अधिक प्रभावित महिलाओं की बड़ी संख्या ने किया है। मुझे लगता है कि यह हमें बताता है कि इस देश का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। जहां कहीं भी पिता की सहायता के साथ मातृत्व दृष्टिकोण है, उत्पाद अच्छा होता है। यदि उत्पाद अच्छा है तो सफलता अवश्यंभावी है। आज चिकित्सा विज्ञान चौराहे पर हैं। मैं यह उल्लेख करना चाहता हूँ क्योंकि अधिकांश पुरस्कार विजेता अच्छी सुविधाओं वाले प्रतिष्ठित संस्थानों से थे। प्रतिभा को क्या हुआ? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब धन को महत्व दिया जाता है तो हम प्रतिभा को खो देते हैं। और मैं आपको बता सकता हूं कि धन ही सब कुछ नहीं है। जीवन में एक बार आपको लगता है कि आपको ऐसा कुछ हासिल करना चाहिए जिससे समाज में आपकी पहचान बने। और जहां भी समाज में आपकी पहचान बनती है, आप संतोष अनुभव करते हैं, आप संतुष्ट अनुभव करते हैं। दुर्भाग्य से चिकित्सा बिरादरी और औषधियों में बहुत उथलपुथल हुआ है। परिवार चिकित्सकों की संस्था कहीं खो गई है। छोटे नर्सिंग होम नहीं आ सकते। सर्वोत्तम

प्रयासों के बावजूद सरकार सेवा नहीं कर पा रही है क्योंकि संख्या बहुत अधिक है और हम इसलिए उस तरह के कर्मियों, तकनीकों, उपकरणों, बुनियादी ढांचे को नियुक्त कर प्रतिपूर्ति करते हैं जिससे डॉक्टर चुनौती को पूरा कर सकें?

मुझे नहीं पता है कि आप में से कितनों को सदस्यता और अध्येतावृत्ति मिली है, लेकिन ज्ञात होता है कि आपको आयुर्विज्ञान के अध्येताओं से मान्यता मिली है, परंतु यह नैम्स संसद के एक अधिनियम के अधीन एक संगठन है। मुझे भारतीय चिकित्सा परिषद् के अध्यक्ष से एक दिन एक बहुत बड़ा विवाद होने की बात याद है। कुछ अस्पतालों में उन्होंने कहा कि हम डीएनबी को अनुमति नहीं देंगे। मैंने सोचा कि वह एक प्रतिगामी कदम था। हमारे पास पंजीकृत चिकित्सकों की कमी है; हमारे पास कई प्रतिभाशाली छात्र हैं जो यह पद पाना चाहते हैं। हम अकादमी का उन्नयन क्यों नहीं कर सकते? जिस प्रकार हम संस्थानों को मान्यता देते हैं और निधिपोषित करते हैं उसी प्रकार अकादमी को भी उनके समकक्ष समझा जाए। क्योंकि मुझे लगता है कि यह समय की आवश्यकता है। जहां कहीं भी यदि एक वास्तविक, निजी संस्थान भी है जैसे कि शंकर नेत्रालय, त्रिवेन्द्रम संस्थान, गंगा अस्पताल। उन्हें मान्यता क्यों नहीं दी जा सकती है? उनके पास संसाधन हैं, इसमें कर्मचारी, वैज्ञानिक हैं, इसमें अनुसंधान है। तो अकादमी को अब आगे आना चाहिए और सरकार को बता देना चाहिए। मुझे अनुभव हो रहा है - आज हमारे पास हमारी सरकार में कुछ बहुत प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। कल, मैंने पटेल साहब से पूछा कि क्या प्रधान मंत्री आपकी बात सुनते हैं? मैंने सोचा था कि श्री पटेल अहमदाबाद से हैं और अगर प्रधान मंत्री उनकी बात सुनते हैं और उन्हें बताया जाए कि अकादमी क्या कार्य कर रही है, तो मैं आपको बता सकता हूं कि प्रधान मंत्री कहेंगे - क्या ऐसा है? क्या आपने 40-50 से अधिक अध्येतावृत्ति और 100 से अधिक सदस्यताएं दी हैं और वैज्ञानिकों को मान्यता दी है, तो मुझे एक पंजीकृत वैज्ञानिक पूल मिला है? मुझे लगता है कि अकादमी को किसी भी अन्य प्राधिकरण के समकक्ष होना चाहिए। शोध करने के लिए हमें धन चाहिए। और मुझे लगता है कि चाहे जो भी बाधाएं हों आपको प्रयास करना चाहिए, निजी ट्रस्टों को शामिल करना चाहिए। मुझे दोराबजी टाटा ट्रस्ट, शंकर सेन के ट्रस्ट जैसे उत्कृष्ट परोपकारी ट्रस्ट की याद है जिनकी उत्कृष्ट प्रतिष्ठा है जिसमें बिल गेट फाउंडेशन भी सम्मिलित है। क्योंकि आपके पास ऐसी प्रतिभा है और यदि आप उन्हें लिखते हैं, तो मैं आशवस्त हूँ कि फाउंडेशन आगे आएगा।

क्योंकि बाल रोगों के मामलों से लेकर दुर्लभ विकारों वाले जराचिकित्सा की देश से संबंधित समस्याएं संयुक्त राज्य अमेरिका में नहीं पाई जाती हैं। यदि आप करते हैं और प्रकाशित करते हैं तो मेरी भविष्यवाणी है कि पांच वर्षों में अब वहाँ उल्टा प्रतिभा पलायन होगा।

हमने यहाँ से अमेरिका के लिए प्रतिभा पलायन के बारे में बात की - तो हैरान न हों क्योंकि यह हो रहा है, क्योंकि आज मेरे कई मित्र, जिनके बच्चे मेडिकल स्कूल में हैं, मुझे लिखते हैं कि वे अपने बच्चे को केवल एक बात सीखने के लिए 2 महीने के लिए भारत भेजना चाहते हैं - निदान की कला एवं विज्ञान को जानने के लिए, उसे प्रौद्योगिकी से दूर खींचने के लिए और उसे एक मानवीय चिकित्सक बनाने के लिए। और मुझे लगता है कि ऐसा कुछ है जहां बोध हो रहा है। आज मैं आयुष प्रस्तुति में जान पाया हूं, मैंने अनुभव किया कि आयुर्वेद एवं आयुष की मान्यता में योगदान हमारे देश की तुलना में अमेरिका में अधिक है। यह मुझे आश्चर्यचकित करता है! एक देश - मेरा मतलब है कि हमारे समाज को खुला होना चाहिए और इसके लिए हमें एक काम करना चाहिए - हमें अपना अहंकार छोड़ना होगा। हमें मैं से हम में परिवर्तित होने की आवश्यकता है, और मुझे लगता है कि यह एक उचित कदम होगा। आज कॉरपोरेट हाउस चिकित्सा देखभाल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आगे आ रहे हैं और मुझे भय है कि उपचार और लागत बढ़ेगी क्योंकि वे चिकित्सा देखभाल से मानवीय घटक को हटा चुके हैं। मैं कॉरपोरेट के विरुद्ध नहीं हूं, मुझे लगता है कि बहुत अधिक उभरने वाला अनुसंधान होगा क्योंकि उनके पास धन है लेकिन 'माननीय अध्यक्ष' मेरी परेशानी युवा प्रतिभा का शोषण है। यही मेरी चिंता का विषय है। कि प्रतिभाशाली युवा वैज्ञानिकों, युवा डॉक्टर जिनके पास कोई उचित वातावरण नहीं है। हमारे कई छात्र बाहर जाते हैं, स्नातकोत्तर होते हैं और उनकी समस्या क्या है? जब वे बाहर आते हैं? क्या उन्हें काम करने के लिए उपयुक्त वातावरण और स्थान मिलता है? स्थान जहां वे अपनी जीविका शुरू कर सकते हैं? और नौ वर्ष और दस वर्ष की कड़ी मेहनत के अंत में, बस कल्पना कीजिए! क्या हमें इस बारे में विचार नहीं करना चाहिए? क्योंकि आज हम दो चीजों के बारे में चिंतित हैं; शोषण और उपभोक्ता संरक्षण। दो सबसे बड़ी चुनौतियां! और हम संभवतः उस चुनौती को नियंत्रित कर सकते हैं; लेकिन एक उपाय है कि आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं। और यह एक उपाय यह है कि आप संस्थान बनाने में भागीदार बन जाते हैं, जहां आप स्वास्थ्य देखभाल के सात प्रमुख मुद्दों का पालन करते हैं, जिसमें संस्था सात आवश्यक

वस्तुओं का विकास करेगी - देखभाल, करुणा, संचार, विवेक, सहयोग, विश्वास पाने के लिए सहयोग और कंप्यूटर में प्रशिक्षण ताकि आप विश्व के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकें। और मैंने उस प्रयोग को 50 वर्ष पहले किया था। आज मुंबई में, मैंने और मैंने नागरिक सहकारी अस्पताल में काम किया है, जहां मुझे भारत में प्रशिक्षण और सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए माननीय राष्ट्रपति जी की सराहना मिली, यह अस्पताल शोषण के बिना और स्व-सहभागिता के साथ स्वास्थ्य देखभाल को अधिकार मानने के सिद्धांत पर आधारित है। ज्ञात हो कि एलआईसी ऐसा एक उदाहरण है जहां लोगों ने भाग लिया और आज वे वित्तदाता बन गए हैं, हालांकि एम्स शीर्ष संस्थान हैं, नागरिक संस्थान भी ऐसे संस्थान हो सकते हैं जहां युवा स्नातक अपने करियर को साझीदार के रूप में शुरू कर सकते हैं, उनका शोषण नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें एक अवसर दिया जाता है। युवा नर्सिंग छात्रों को नर्सिंग शिक्षा दी जाती है, जिनमें वार्ड ब्वाय शामिल हैं कि अच्छा वार्ड ब्वाय कैसा होना चाहिए। मैंने संस्थान को स्थापित करने में 50 वर्ष व्यतीत किए हैं। आप सभी इसके बारे में सोचते हैं - सहकारिता सह अस्तित्व के बारे में, आपकी प्रगति के बारे में, समाज की प्रगति के लिए, सभी की प्रगति के लिए।

मैं अपने अस्पताल का एक संस्कृत उद्धरण देकर समाप्त करूंगा

रूगनानाम व्याधिनाशा शिप्रम चारोग्य हितवे श्रुश्रुसा श्रुश्रुताभुयात त्वे निष्काम सेवियात

इसका अर्थ है:

पीड़ा को दूर करने के लिए और रोगी के दर्द को दूर करने के लिए, राहत देने के एकमात्र उद्देश्य से हम सभी सुश्रुत के शिक्षण सिद्धांतों का पालन करें; उसे पुरस्कार के साथ एक अच्छा जीवन देने के लिए, शोषण के लिए नहीं।

आपका बहुत बहुत धन्यवाद!!!

जय हिन्द।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

शैक्षिक रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यकलापों की रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस	-	अध्यक्ष
2.	डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस	-	सदस्य
3.	डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस	-	सदस्य
4.	डॉ. मोहन कामेश्वरन, एफएएमएस	-	सदस्य
5.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस	-	सदस्य
6.	डॉ. राजू सिंह चीना, एफएएमएस	-	सदस्य
7.	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	सदस्य
8.	डॉ. संजीव मिश्रा, एफएएमएस	-	सदस्य
9.	डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस	-	सदस्य - सचिव
10.	डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस	-	अध्यक्ष, नैम्स (पदेन सदस्य)
11.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	सचिव, नैम्स

वर्ष 2016-2017 के दौरान, सीएमई कार्यक्रम समिति की बैठक 28 जून, 2016 को आयोजित की गई थीं।

समिति समय-समय पर, चर्चा के विषय और प्राप्त सीएमई प्रस्तावों के अनुसार विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता के आधार पर बैठक में भाग लेने के लिए अध्येताओं को सहयोजित करती है।

बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमः ये सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। एनएएमएस द्वारा निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों की गुणवत्ता और विषय-वस्तु में सुधार करने के लिए निधिपोषण हेतु प्राप्त प्रस्तावों की सबसे पहले एक विषय विशेषज्ञ, जो एनएएमएस के अध्येता भी हैं, द्वारा तकनीकी रूप से समीक्षा की जाती है। इस पद्धति का जुलाई, 2004 से ही अनुपालन किया जा रहा है और इस प्रकार नामोदिष्ट समीक्षकों ने प्रस्तावों का मूल्यांकन किया है और कार्यक्रम की विषय-वस्तु में अगर कोई खामियाँ हैं तो उनकी पहचान की है। समीक्षकों ने कार्यक्रम में समामेलित किए जाने वाले संशोधनों/आशोधनों का भी सुझाव दिया है। ये सुझाव सूचित किए जाते हैं और ऐसे लगभग सभी सुझाव आयोजकों द्वारा स्वीकार किए गए हैं और उसके बाद ही सीएमई प्रस्तावों को

निधिपोषित किया जाता है। अकादमी के अध्येताओं को बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने और उनका मूल्यांकन करने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामोदिष्ट किया जाता है। अकादमी सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने, समीक्षा करने और रिपोर्ट देने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामित अध्येताओं को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान कर रही है।

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों/व्यावसायिक निकायों से प्राप्त सीएमई प्रस्तावों में से अकादमी ने वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान 9 बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का ब्यौरा अनुबंध-IV के रूप में प्रस्तुत है।

01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर स्वीकृत कुल व्यय 6,30,500 लाख रुपए (केवल छह लाख तीस हजार पाँच सौ रुपए) है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम: ये संगोष्ठियाँ/ सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। सीएमई कार्यक्रम समिति समय-समय पर अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के रूप में निधिपोषण के लिए राष्ट्रीय और शैक्षणिक संगतता के विषयों की पहचान करती है। बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के समान ही अकादमी उन अध्येताओं को, जो पर्यवेक्षकों के रूप में सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और रिपोर्ट दाखिल करते हैं, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान करती है।

अकादमी ने वर्ष 2016-2017 के दौरान 3 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी का निधिपोषण किया हैः-

1. 23 अप्रैल 2016 को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित "**ऑस्टियोपोरोसिस**" पर नैम्स - पीजीआई संगोष्ठी।

2. 21 अक्टूबर, 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में आयोजित "**तम्बाकू या स्वास्थ्य: बेहतर विकल्प चुनिए**" पर नैम्स संगोष्ठी

3. 30 नवंबर, 2016 को कमला रहेजा सभागार जे.एस.बी. बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**भारत में पोषण और स्वास्थ्य संक्रमण: राष्ट्रीय सर्वेक्षण से निष्कर्ष**" पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी

अंत-सांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने में कुल व्यय 3,34,313 लाख रुपए (केवल तीन लाख चौंतीस हजार तीन सौ तेरह रुपए) था। ब्यौरे अनुबंध-V में दिए गए हैं।

चित्र 1 वर्ष 2015-16 और 2016-17 के दौरान बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक कार्यक्रमों पर किए गए व्यय का चित्रांकन करता है।

वर्ष 2015-16 और 2016-17 में सीएमई कार्यक्रमों पर कुल व्यय

हजार रूपयों में

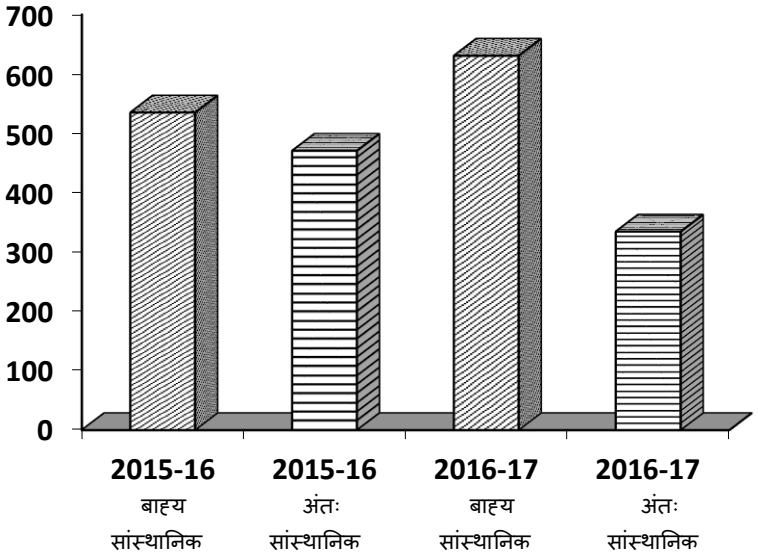

चित्र 1. वर्ष 2015-16 और 2016-17 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में किए गए व्यय का तुलनात्मक प्रदर्शन।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

राज्य-चैप्टर-वार बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विवरण चित्र 2 में दिया गया है।

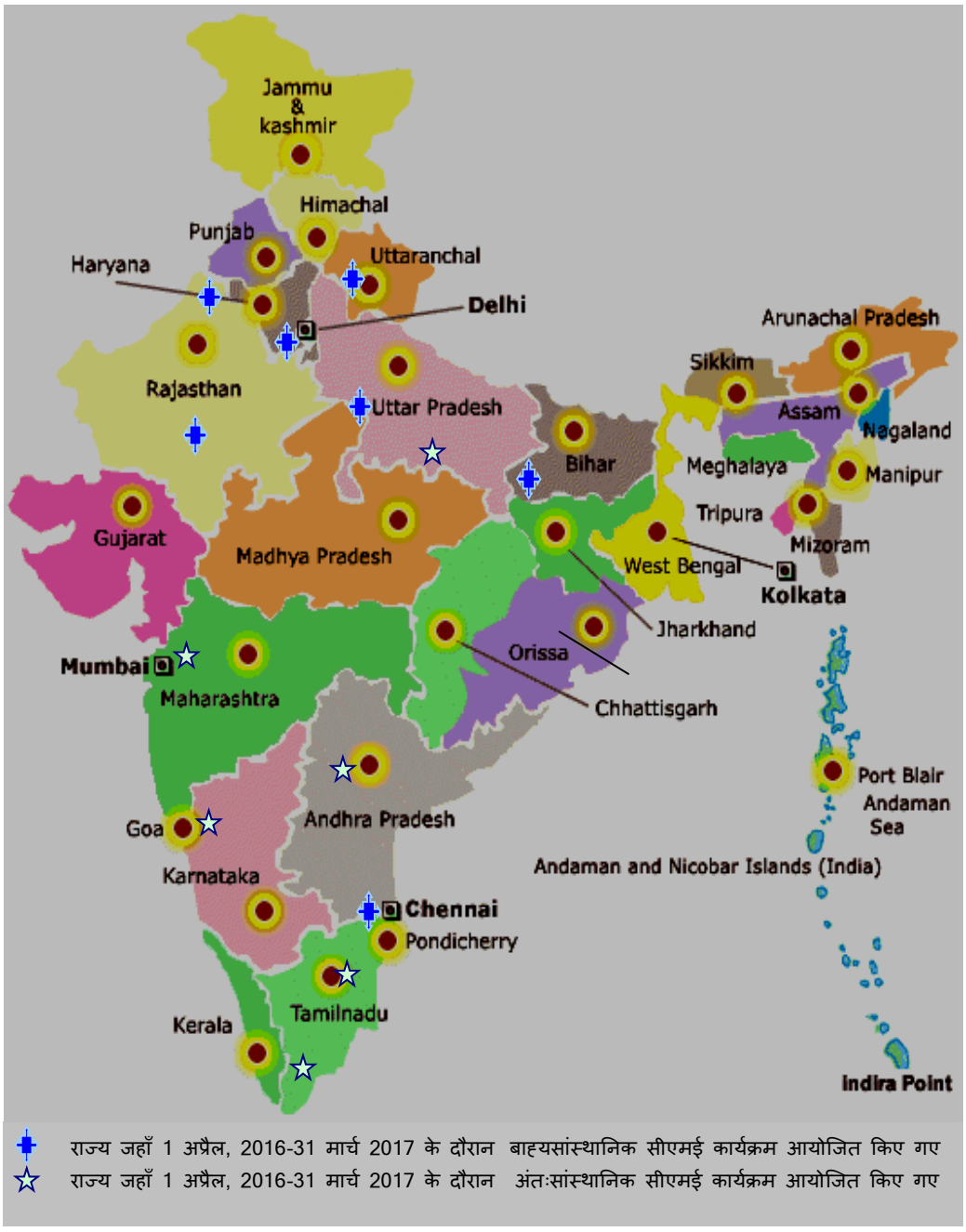

चित्र 2. राज्य चैप्टर-वार वर्ष 2016-17 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का प्रदर्शन

वर्ष 2016-17 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार विवरण चित्र 3 में दर्शाया गया है।

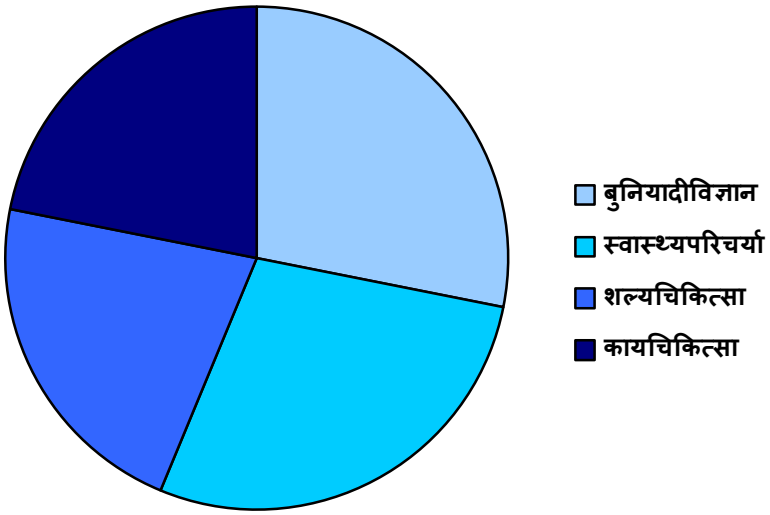

चित्र-3. वर्ष 2016-17 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार वितरण

पिछले 3 वर्षों, अर्थात् 2014-15 से 2016-17 में स्वीकृत बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का राज्य-वार वितरण

बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का वर्ष 2013-16 से प्रति वर्ष राज्य-वार वितरण नीचे सारणी में दिया गया है

राज्य	2014-15	2015-16	2016-17	वर्ष 2016-17 के दौरान किया गया व्यय (रुपए)
आंध्र प्रदेश	1	-	-	-
बिहार	-	-	1	75,000
चंडीगढ़	-	2	3	2,19,500
छत्तीसगढ़	-	-	1	75,000
दिल्ली	-	-	1	75,000
गोवा	-	-	-	-
गुजरात	-	1	-	-
हरियाणा	-	1	1	75,000
हिमाचल प्रदेश	-	1	-	-
जम्मू और कश्मीर	-	-	-	-
झारखंड	-	-	-	
कर्नाटक	2	1	1	36,000
महाराष्ट्र	3	1	-	-
पुडुचेरी	2	1	-	-
राजस्थान	-	-	1	75,000
तमिलनाडु	1	-	-	-
उत्तर प्रदेश	2	1	-	-
जोड़	**11**	**9**	**9**	**6,30,500**

राज्य चैप्टर के अधीन सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत समर्थित गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे अनुबंध-III में दिया गया है।

अनुबंध-III

एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

अकादमी की वैज्ञानिक गतिविधियों में उसके राज्य चैप्टरों की शैक्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट नीचे दी गई हैः

बिहार

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बिहार चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (पटना में) आयोजित किया है।

चंडीगढ़

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चंडीगढ़ चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से तीन बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (चंडीगढ़ में) आयोजित किए हैं।

छत्तीसगढ़

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान छत्तीसगढ़ चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (रायगढ़ में) आयोजित किया है।

दिल्ली

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दिल्ली चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (दिल्ली में) आयोजित किया है।

हरियाणा

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हरियाणा चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (रोहतक में) आयोजित किया है।

कर्नाटक

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्नाटक चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (बेंगलुरु में) आयोजित किया है।

राजस्थान

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राजस्थान ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (जोधपुर में) आयोजित किया है।

अनुबंध-IV

दिनांक 01.04.2016 से 31.03.2017 तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. **16-17 मई, 2016 को लोक स्वास्थ्य विद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित "लोक स्वास्थ्य प्रबंधन के सिद्धांतों के अनुप्रयोग से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. सोनू गोयल, सह आचार्य, लोक स्वास्थ्य विद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को प्राप्त करने के लिए प्रतिभागियों को स्वास्थ्य प्रबंधन के अवधारणाओं और सिद्धांतों को समझने में सक्षम बनाना।
- प्रासंगिक मामलों के अध्ययनों के साथ वर्णन करना कि कैसे स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त किया जा सकता है।
- स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए स्वास्थ्य में मानव संसाधन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए मध्यम और वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों की क्षमता का निर्माण करना।
- वर्तमान परिदृश्य में अंतराल की विवेचना करने के लिए प्रतिभागियों को लैस करना और प्रभावी निर्णय लेने के लिए स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में भविष्य के रुझानों की कल्पना करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. राजेश कुमार, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यक्रम का माहौल बहुत अच्छा था, प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे और अधिकांश सत्र इंटरैक्टिव थे। सभी सत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने वाले अभ्यास थे।

2. 11-12 जुलाई 2016 को सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान, सेंट जॉन राष्ट्रीय स्वास्थय विज्ञान अकादमी, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बंगलौर में आयोजित "महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी और स्वास्थ्य अनुसंधान कार्यप्रणाली" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. प्रेम के. मौनी, अध्यक्ष, महामारी विज्ञान प्रभाग, जैव सांख्यिकी और जनसंख्या स्वास्थ्य, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान एवं सह आचार्य, सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बंगलौर।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. न्यूनतम 30 जूनियर चिकित्सा संकाय / स्नातकोत्तर छात्रों को प्रतिवर्ष महामारी विज्ञान की पद्धतियों और जैव सांख्यिकीय पद्धतियों में प्रशिक्षित करना जिनका प्रयोग विभिन्न महामारी विज्ञान अध्ययन डिजाइन से उत्पादित डेटा पर किया जा सकता है।
2. पर्याप्त व्यावहारिक अभ्यास के साथ महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी का व्यावहारिक कार्य ज्ञान प्रदान करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. एन. श्रीनिवास मूर्ति, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

इस कार्यक्रम के लिए प्रतिभागियों की संख्या कार्यक्रम के लिए सोचे गए 30 प्रतिभागियों से ज्यादा थी। कार्यप्रणाली में अत्यधिक इंटरैक्टिव सत्रों के साथ व्याख्यान और प्रदर्शन सम्मिलित थे। प्रतिभागियों को बहुत सीमा तक सम्मिलित किया गया और प्रत्येक सत्र के अंत में उन्हें अभ्यास दिए गए थे। उन्हें प्रत्येक सत्र के तुरंत बाद 5 अंकों के पैमाने पर इसका वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने के लिए कहा गया था। प्रतिभागियों द्वारा प्रदान किए गए मूल्यांकन और प्रतिसूचना ने संकेत दिया कि वे संतुष्ट थे और उन्हें सीखने का अच्छा अवसर मिला।

सम्मिलित विषय प्रासंगिक थे। संसाधन व्यक्तियों की पहचान काफी उपयुक्त थी और स्वास्थ्य अनुसंधान पद्धति, महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी में अनुभव पर आधारित थी। यह एक अच्छी तरह से आयोजित सीएमई कार्यक्रम था और पहले से निर्धारित अनुसूची के अनुसार किया गया था। हालांकि विषय के बहु-पार्श्व दृष्टिकोण के लिए अन्य संस्थानों से कुछ संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया जा सकता था।

वर्तमान सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम में कई अभिनव प्रक्रियाएं शामिल थीं: (क) व्याख्यान प्रारंभ होने से पहले प्रत्येक प्रतिभागी के लैपटॉप पर अधिगम संसाधन सामग्री (एलआरएम) का ऑनलाइन प्रसार, (ख) संकाय द्वारा प्रस्तुतिकरण के तुरंत बाद सत्रों का फ़ीड-बैक और एक ऑन लाइन मूल्यांकन, (ग) एक खुले समापन प्रश्न के रूप में फ़ीड-बैक, (घ) संकाय द्वारा दिए गए व्याख्यान की निरंतर वीडियो रिकॉर्डिंग, और (ड़) प्रायोगिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक सत्र। व्याख्यान निदर्शी और प्रतिभागियों के साथ इंटरैक्टिव थे। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि सीएमई कार्यक्रम पूर्व परिभाषित विशिष्ट अधिगम उद्देश्यों को प्राप्त करने के मामले में काफी प्रभावी था।

3. 11 सितम्बर, 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित "निवारक मनोचिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिवः डॉ. राकेश के. चड्डा, एफएएमएस, आचार्य, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- निवारक मनोचिकित्सा के सिद्धांतों पर स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं का संवेदीकरण
- निवारक मनोचिकित्सा के बारे में उनके ज्ञान का आकलन करना और ज्ञान को अद्यतन करना
- निवारक मनोचिकित्सा के प्रति उनके कौशल और व्यवहार को बढ़ाना
- दैनिक अभ्यास और समुदाय में मानसिक समस्याओं को दूर करने के लिए निवारक रणनीतियों के विकास और उनका उपयोग करने के लिए उन्हें तैयार करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. श्रीधर शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी का आयोजन अच्छी तरह से किया गया था। एक संक्षिप्त उद्घाटन था। वैज्ञानिक कार्यक्रम 9.15 बजे आरंभ हुआ। हॉल आम तौर पर कार्यक्रम के दौरान भरा हुआ था। दर्शकों की सक्रिय भागीदारी थी। श्रव्य दृश्य व्यवस्था अच्छी गुणवत्ता की थी। सभी प्रस्तुतियां प्रासंगिक थीं। कार्यक्रम के लिए संकाय अच्छी तरह से चुना गया था और एम्स, नई दिल्ली, पीजीआईएमआर, चंडीगढ़, जीएमसीएच, चंडीगढ़, पीजीआईएमएस, रोहतक, जामिया हमदर्द, आईएचबीएएस, दिल्ली और निमहंस, बेंगलुरु सहित देश के कई प्रमुख संस्थानों का प्रतिनिधित्व करता था। उद्देश्य; निवारक मनोचिकित्सा के सिद्धांतों पर

स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं का संवेदीकरण और अद्यतन करने के लिए, और उन्हें दिन-प्रतिदिन के व्यवहार में और समुदाय में निवारक रणनीतियों के विकास और उपयोग में लाना को सीएमई वैज्ञानिक कार्यक्रम का रूपरेखा और निष्पादन द्वारा पूरा किया गया।

4. 20 अक्तूबर, 2016 को गामा नाइफ केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित भारतीय भेषजगुण सोसाइटी (इप्सकॉन - 2016) के 49 वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "वैज्ञानिक चिकित्सीय लेखन" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला के रूप में सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. बिकाश मेधी, आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- अनुसंधान के सफलतापूर्वक क्रियान्वित होने के बाद चिकित्सीय लेखन की कला और विज्ञान में जूनियर संकाय सदस्यों और स्नात्कोत्तर छात्रों को परिचित और प्रशिक्षित करना
- नैदानिक अनुसंधान की योजना बनाने में नैदानिक जांचकर्ताओं को जानकारी प्रदान करना: प्रायोजित या अन्वेषक द्वारा आरंभ, अनुसंधान स्थल का प्रत्यायन, नैदानिक अनुसंधान की नियामक आवश्यकताएं, नैदानिक परीक्षण के दौरान फार्माकोविजेंस, नैदानिक डेटा का संग्रह और प्रबंधन, चिकित्सीय लेखन और नैदानिक अनुसंधान में कैरियर का विकास।

दो दिवसीय कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य उभरते चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को सिखाना था और उन्हें उचित नैदानिक अध्ययन के डिजाइन और निष्पादन के लिए कौशल में प्रशिक्षित करना था। इसके अतिरिक्त कार्यशाला ने नैदानिक अनुसंधान डेटा को इकट्ठा करने और प्रबंधित करने, और वैज्ञानिक समुदाय के लिए तर्कसंगत निष्कर्ष और प्रस्तुतियों के लिए इसके अन्वेषण पर बल दिया। इस कार्यशाला में सम्मिलित विषयों ने नैदानिक परिचालन, अन्वेषक-आरंभिक अनुसंधान, अन्वेषक के स्थान के प्रत्यायन, नैदानिक अनुसंधान की नैतिकता, विनियामक औषधसहसतर्कता, चिकित्सीय लेखन, और नैदानिक अनुसंधान में कैरियर के विकास के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की।

पर्यवेक्षक (डॉ. पी. एल. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कुल 48 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और आमतौर पर करीब 46 लोग वैज्ञानिक सत्रों के दौरान उपस्थित थे। संसाधन व्यक्ति ने साक्ष्य आधारित जानकारी प्रदान की जो अच्छी गुणवत्ता की थी और सभी सत्र इंटरैक्टिव थे। सत्र शुरू होने से पहले प्रतिभागियों को अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गयी थी।

सीएमई विषय को प्रस्तुत करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि चिकित्सा लेखन वैज्ञानिक लेखन का ही एक और अधिक विशिष्ट क्षेत्र है, जबकि वैज्ञानिक लेखन विज्ञान के बारे में लेखन है, भले ही यह औषध, रसायन विज्ञान या भौतिक विज्ञान आदि के बारे में हो। इसी प्रकार सभी चिकित्सा लेखक विज्ञान लेखक हैं, जबकि सभी वैज्ञानिक लेखक चिकित्सा लेखक नहीं हैं। चिकित्सीय लेखन एक व्यापक, विश्वसनीय, कुशल और ठोस तरीके से नैदानिक और वैज्ञानिक दस्तावेज के विकास से संबंधित है। चिकित्सीय लेखन एक विशेष सामग्री के बारे में अधिक कुशलता से और स्पष्ट रूप से लिखने की एक कला है जिसे लक्षित श्रोता आसानी से समझ सकते हैं और उसे आत्मसात कर सकते हैं। एक चिकित्सीय लेखक को विषय से हर मिनट की जानकारी को पकड़ने की क्षमता की आवश्यकता होती है और उनमें से प्रत्येक को समझने और उन पर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। चिकित्सीय लेखन एक अंतःविषय अभ्यास है और इसके लिए सामूहिक और उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण और आवश्यकतानुसार दस्तावेज़ / अध्याय को विकसित करने के प्रति एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता है। चिकित्सीय लेखन एक महत्वपूर्ण और अत्यंत आवश्यक कार्य है जो चिकित्सा / स्वास्थ्य पेशेवर के रूप में निर्मित / विकसित होने के हर स्तर पर आवश्यक है। विभिन्न विषयों पर इंटरैक्टिव वर्कशॉप के विभिन्न व्याख्यानों में विभिन्न वक्ताओं ने विचार-विमर्श किया: क्यों प्रकाशित करें? प्रकाशन के प्रकार; अपने अनुसंधान पत्र के प्रकाशन के लिए सही पत्रिका का चयन करना; एक मूल शोध पत्र की संरचना; शीर्षक लेखन, सार और परिचय जो कि पहला अच्छा प्रभाव डालते हैं; सामग्री और विधि: सफलता के लिए एक नुस्खा; रिपोर्टिंग परिणाम लेखन चर्चा - विश्लेषण और समीक्षात्मक विश्लेषण, साहित्य के संदर्भ और उद्धरण, प्रकाशन की नैतिकता और नैतिक कदाचार (नकल, लेखकीय मानदंड), आदि। विभिन्न प्रकार के चिकित्सीय वैज्ञानिक लेखन, जैसे चिकित्सा पत्रकारिता, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल के उत्पादों का चिकित्सा विपणन, प्रकाशन / प्रस्तुति,

शोध दस्तावेज, विनियामक दस्तावेज लेखन आदि सम्मिलित किए गए थे। यद्यपि कार्यशाला के दौरान वैज्ञानिक कार्यक्रम के संचालन ने अनुमानित उद्देश्यों को पूरा किया, परंतु वैज्ञानिक सत्रों का प्रबंधन और स्थानीय आतिथ्य की व्यवस्था को स्वयंसेवकों और आयोजकों द्वारा संभाला गया जो कि अपेक्षित स्तर का नहीं था और जिसमें इष्टतम मानकों का अभाव था। मुख्य कारण यह था कि संयोजक और उनका वरिष्ठ स्टाफ कुछ अन्य समन्वित कार्यशालाओं में तल्लीन थे और वैज्ञानिक कार्यक्रमों के साथ पूर्ण न्याय नहीं कर पाए थे। कार्यशाला के उचित संचालन के लिए यह वांछनीय है कि अन्य समान कार्यक्रमों को एक साथ आयोजित नहीं किया जाना चाहिए।

5. 21 नवंबर, 2016 को लोक स्वास्थ्य विद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित "स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. अरूण कुमार अग्रवाल, आचार्य, लोक स्वास्थ्य विद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- स्वास्थ्य प्रणाली से संबंधित डेटा के एक सेट को देखते हुए, प्रतिभागी मूल कारण विश्लेषण करने में उपयोग और व्याख्या करने और प्रणाली दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए बाधाओं की पहचान करने के लिए सक्षम हो जाएंगे।
- किसी भी स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए, प्रतिभागी कार्यान्वयन अनुसंधान प्रश्नों की पहचान करने और कार्यान्वयन अनुसंधान प्रस्तावों को विकसित करने में सक्षम होंगे।
- स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिभागी मृत्यु समीक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, टेलीमेडिसिन, सहायक पर्यवेक्षण, एचएमआईएस आदि जैसे कुछ मौजूदा तंत्रों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- प्रतिभागियों में संचार, प्रेरणा, नेतृत्व, संगठनात्मक प्रभावशीलता के लिए संघर्ष प्रबंधन की अवधारणाओं की समझ विकसित होगी।

पर्यवेक्षक (डॉ. राजेश कुमार, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कुल 28 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया जिसमें से 23 उपस्थित थे। लगभग 20 + विभिन्न सत्र थे। सीएमई कार्यक्रम पर्याप्त स्थान, संकाय / संसाधन व्यक्तियों से

सुसज्जित, श्रव्य - दृश्य उपकरणों से पूरी तरह समर्थित, वीडियोग्राफी की अत्याधिक श्रेष्ठ कार्यात्मक सुविधा और सुस्थापित ध्वनि मिक्सर प्रणाली सहित सुनियोजित एक सफल अकादमिक वैज्ञानिक कार्यक्रम था। इंटरैक्टिव चर्चाओं और स्पष्टीकरण के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया। कुछ सत्रों में समूह कार्य और भूमिका निभाने का आयोजन किया गया था।

सीएमई की पृष्ठभूमि प्रदान करते हुए, आयोजकों ने कहा कि स्वास्थ्य प्रणालियों से उचित मूल्य पर लोगों को गुणवत्ता सेवाएं प्रदान करने और इक्विटी सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, स्वास्थ्य प्रणाली में सभी संगठन, व्यक्ति और कार्य समाहित होते हैं, जिनका प्राथमिक हित स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, पुनर्स्थापना और रखरखाव करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 इससे भी आगे चली गयी है और इसमें सुरक्षित पानी और स्वच्छता, स्वच्छ भारत और हर एक के लिए शौचालय आदि शामिल हैं। कार्यान्वयन और उनका उचित क्रियाकलाप सुनिश्चित करना एक चुनौती है। हम प्रणाली को सुदढ़ किए बिना वांछनीय स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त नहीं कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य प्रणालियों के खंड बनाने की अवधारणा दी है: प्रशासन, वित्तपोषण, सेवा वितरण, स्वास्थ्य कार्यबल, सूचना, और दवाइयां / टीका / अन्य प्रौद्योगिकियां, पारस्परिक रूप से अग्रगामी विधि से स्वास्थ्य के परिणामों में सुधार, नागरिकों को बीमारी की वजह से विनाशकारी वित्तीय हानि और दुर्बलता से बचाने, और एक समान, कुशल और टिकाऊ तरीके से, उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करना।

पहले व्याख्यान में नवजात चिकित्सक डॉ. कृष्णा पिछले एक दशक में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर), नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) और पोस्ट एनएमआर के रुझान पर चर्चा की; उन्होंने उल्लेख किया कि आईएमआर में 34% की गिरावट आई है। हालांकि, एनएमआर में अधिक परिवर्तन नहीं आया है। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को साझा किया: 2030 तक 25 की 5 वर्ष से कम आयु की शिशु मृत्यु दर (एसडीजी), 2017 तक 25 की शिशु मृत्यु दर (एमएचएम) और 2030 तक 10 से कम नवजात मृत्यु दर (आईएनएपी)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की शुरूआत के साथ, पोस्ट-एनएमआर और बाद की-एनएमआर पर काफी प्रभाव पड़ा। हालांकि, शीघ्र-एनएमआर में गिरावट बहुत कम थी। पहले सप्ताह के भीतर भी, पहले 24 घंटों में 40% एनएमआर और 72 घंटों में लगभग 60% एनएमआर थी। इस प्रकार संभवतः जन्म के समय के आसपास काम करने वाले कार्यक्रम ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। नवजात मृत्यु के महत्वपूर्ण कारण हैं: समय से पूर्व होना (35%), जन्म श्वासावरोध (20%), पूति (15%), और निमोनिया (16%)। इस प्रकार, तीन सबसे महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य हत्यारे हैं:

समय से पूर्व जन्म, जटिलताएं, और नवजात संक्रमण। अगले व्याख्यान में डॉ. सुबोध ने स्वास्थ्य देखभाल में अंतर-क्षेत्रीय समन्वय (आईएससी) पर चर्चा की। इंटरैक्टिव के साथ आरंभ करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों से पूछा: "सोचें कि आप किस स्वास्थ्य स्थिति में हैं?" "सोचें कि इस स्वास्थ्य स्थिति के लिए कौन से कारक उत्तरदायी हैं?" उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतर-क्षेत्रीय समन्वय (आईएससी) की परिभाषा को प्रस्तुत किया। प्रभावी समूह कार्य के लिए उत्तरदायी कारकों पर उन्होंने विचार-विमर्श किया। ये कार्य कृत्य और प्रक्रिया कृत्य हैं। कार्य कृत्य इससे संबंधित है: समूह कार्य कैसे पूरा किया जाए और कार्य की तकनीकी प्रकृति उदाहरणतया आईसीडी की प्रतिरक्षण भूमिका के लिए गतिमान करना और सत्र प्रबंधन में स्वास्थ्य विभाग की भूमिका। मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा के विषय पर डॉ. प्रशांत ने चर्चा की थी। उन्होंने मृत्यु समीक्षा में शामिल मुद्दों के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान को जानने के लिए चर्चा की। उन्होंने "मृत्यु के कारणों" और "मृत्यु के लिए कारक और देरी" मे भिन्नता के बारे में समझाया और किस प्रकार यह जानकारी स्वास्थ्य प्रणाली के लिए उपयोगी होगी। प्रतिभागियों ने बताया कि मृत्यु समीक्षा बैठकें जिला स्तर और अस्पताल के स्तर पर होती हैं और कुछ भिन्नताओं को बताने में वे सक्षम हुए। डॉ. अमरजीत सिंह ने स्वास्थ्य में संचार के विषय पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वर (मौखिक) फोंट (लिखित) में उचित परिवर्तन के बिना मौखिक / बोला जाने वाला और लिखित संचार किसी भी प्रकार उपयोगी नहीं है। उनके द्वारा प्रभावी संचार के मुख्य सिद्धांत पर प्रकाश डाला गया था, जिसकी प्रतिभागियों ने काफी सराहना की थी।

6. 9 फरवरी, 2017 को स्वर्गीय श्री लखिराम अग्रवाल स्मारक शासकीय मेडिकल कॉलेज, रायगढ़, छत्तीसगढ़ में आयोजित "सूक्ष्म जीवाणु रोधी प्रतिरोध से मुकाबला" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. पूर्णिमा राज, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, स्वर्गीय श्री लखिराम अग्रवाल स्मारक शासकीय मेडिकल कॉलेज, रायगढ़ - 496001, छत्तीसगढ़।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- वर्णन करना कि सूक्ष्म जीवाणु रोधी प्रतिरोध (एएमआर) मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा क्यों है।
- एएमआर विकसित होने के विभिन्न तंत्रों में अंतर जानना।
- एएमआर के बहुसंख्यक जोखिम कारकों की "एकल स्वास्थ्य" अवधारणा का विश्लेषण करना।

- एएमआर से निपटने / मुकाबला करने के लिए भारत में लिए गए सकारात्मक कदमों की सराहना करना।
- 'एकल स्वास्थ्य' ढांचे का उपयोग करके एएमआर से निपटने के लिए रणनीतियों का निर्माण करना।
- क्लिनिकल सेटअप में नेटवर्किंग और एक दूसरे से सीखने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए और भारत में एएमआर के खतरों को कम करना।

सीएमई / कार्यशाला के प्रतिभागियों से अपेक्षित परिणाम उनके अभ्यास के लिए उपयुक्त नैदानिक ज्ञान, कौशल और व्यवहार की स्थापना और रखरखाव करना था:

- एएमआर से संबंधित नैदानिक, समाजशास्त्र, और मौलिक जैव चिकित्सा विज्ञान के ज्ञान को लागू करना।
- सूक्ष्म जीवाणु रोधी प्रतिरोध के तंत्र, ड्रग्स के प्रतिकूल प्रभाव आदि की जानकारी से एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कहीन उपयोग को रोकना।
- सीएमई में प्राप्त जानकारी को व्यवहार में लाना और 'एएमआर अभियान बंद करो' के लिए कार्रवाई योजना सुझाना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई सीएमई संकाय समन्वयक डॉ. शांतनु त्रिपाठी द्वारा सूक्ष्म जीवाणु रोधी प्रतिरोध (एएमआर) की समस्या पर स्नैपशॉट परिचयात्मक टिप्पणी के साथ आरंभ हुई जिन्होंने एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कहीन और बेतुके उपयोग और विश्व भर में इसकी समस्याओं पर बल दिया था। हालांकि, विशेष रूप से भारत में, यह अनियमित स्वास्थ्य देखभाल और सीमित वित्तीय संसाधनों के कारण चिंता का विषय है। एक अनुमान के अनुसार भारत विश्व में एंटीबायोटिक दवाओं का सबसे बड़ा उपभोक्ता था। इसके बहुत से कारण हैं, खराब सार्वजनिक स्वास्थ्य संकेतक, बढ़ती आय, बिना चिकित्सकों की पर्ची के सस्ती एंटीबायोटिक दवाओं की उपलब्धता, और चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं का अति प्रयोग और दुरुपयोग जिनमें से कई नीमहकीम हैं। एंटीबायोटिक दवाओं के अति प्रयोग से नाटकीय रूप से प्रतिरोध में वृद्धि होती है और इसके कारण मृत्यु दर में बढ़ोतरी, रोग और स्वास्थ्य देखभाल की लागत बढ़ जाती है। हम एक निराशाजनक स्थिति का सामना कर रहे हैं जब हमें ऐसे लाभों को उखाड़ फेंकना है जो "विगत वर्षों के एंटीबायोटिक-जादू बुलेट" द्वारा प्राप्त किए गए थे। नए सूक्ष्म जीवाणु रोधी के विकास की कमी के कारण इस संकट ने एक गंभीर आकार ग्रहण कर लिया है। यह एक ऐसा मामला है जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। समय की मांग है कि एंटीबायोटिक के उपयोग पर नज़र रखने के लिए एक समर्पित एजेंसी बनाने, सार्वजनिक, निजी और

अनौपचारिक स्वास्थ्य क्षेत्रों में एंटीबायोटिक दवाओं के लिए उचित और विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण नीतियां बनाने और संकट का प्रबंधन करने के लिए नए एंटीबायोटिक दवाओं को विकसित करने के अनुसंधान प्रयासों को नवीनीकृत करने के लिए सभी द्वारा ठोस और समन्वित प्रयास किए जाएं। इन सभी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए और अधिक मुद्दों के बारे में बात करने के लिए वर्तमान सीएमई में कई इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया और सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया कि वे न केवल गंभीर श्रोता बनें अपितु तर्क - वितर्क भी करें, विचार - विमर्श और समय समय पर अपनी बहुमूल्य राय और टिप्पणियां दें।

दूसरी प्रस्तुति में वक्ता ने सूक्ष्म जीवाणु रोधी विहित फार्माकोकाइनेटिक और फार्माकोडाइनेमिक पहलुओं पर प्रकाश डाला, जैस कि: (क) एकाग्रता - निर्भरता घातक एंटीबायोटिक दवाएं (एमिनोग्लीकोसाइड्स, एफक्यू, रिफामपिसिम, मेट्रोनिडाज़ोल और उसके जैसे), (ख) समय आधारित घातक एंटीबायोटिक दवाएं (बीटा लैक्टम्स - पेनिसिलिन सेफालोसपोरिंस कैराबिनीम्स और मोनोबैक्टमस, मैक्रोलाइड्स, क्लिंडामाइसिन) और (ग) अन्य समय आधारित घातक जो पश्च एंटीबायोटिक प्रभाव वाली (पीएई) एंटीबायोटिक दवाएं (अजीथ्रोमाइसिन, क्लेरीथ्रोमाइसिन, लंबे समय तक प्रभावकारी टेट्रासाइक्लीन, एफक्यू, रिफामपिसिम, और एक नई टीबी रोधी दवा, डेलामानिड)। इस बात पर बल दिया गया था कि पीके-पीडी और एएम प्रतिरोध के विकास के तंत्र की बेहतर समझ के साथ ही एंटीबायोटिक दवाओं का तर्कसंगत उपयोग संभव है।

बाद की प्रस्तुति में वक्ता ने एएमआर के विकास में शामिल कारकों पर चर्चा की। पर्यावरण और एकल-स्वास्थ्य दृष्टिकोण जहां उन्होंने जोर दिया कि हम पर्यावरण के जीवाणुओं के एंटीबायोटिक विरोध के बारे में थोड़ा ही जानते हैं और इसलिए पर्यावरण में एंटीबायोटिक प्रतिरोध जलाशयों को समझना और स्वास्थ्य पर उनके संभावित प्रभाव को समझना महत्वपूर्ण है। वर्तमान रणनीतियां और हस्तक्षेप मुख्य रूप से नैदानिक वातावरण में जोखिम मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करते हैं जबकि गैर-नैदानिक वातावरणों को बड़े पैमाने पर नजरअंदाज किया जाता है। पर्यावरण में एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीवाणु और जीन में वैश्विक वृद्धि के संदर्भ में और संबंधित हितधारकों की समझ, ज्ञान और समस्या के बारे में विश्वासों को समझने आवश्यक है। अगले दो विचार-विमर्श में, वक्ताओं ने एएम पदच्युती में गुणात्मक शोध के महत्व पर चर्चा की। यह बल दिया गया था कि पिछले गुणात्मक निष्कर्षों के अनुसार तीन प्रमुख कारकों को मान्यता दी गई - रोगियों, स्वास्थ्य प्रणालियों और पेशेवरों, और नीति और विनियामक मुद्दों।

अध्ययनों से पता चलता है कि चिकित्सकों के निर्देशों का रोगियों द्वारा गैर-अनुपालन, आत्म-दवाइयां, एंटीबायोटिक उपयोग के बारे में अज्ञान और प्रतिरोध के बारे में जागरूकता की कमी प्रतिरोध विकास के लिए संभव योगदान थे। 2013 में सीडीसी ने शीर्ष 18 दवा प्रतिरोधी बैक्टीरियल वनस्पतियों पर रिपोर्ट प्रकाशित की और चिंताओं को तीन श्रेणियों में बांट दिया गया - आवश्यक, गंभीर और चिंतनीय और प्रत्येक वर्ग में विभिन्न श्रेणियों में विभिन्न बैक्टीरिया को वर्गीकृत किया गया। सीडीसी ने हॉस्पिटल एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम के सात मुख्य तत्व भी तैयार किए, जिन पर विस्तार से चर्चा हुई। यदि एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम को इसकी पूर्णता और आत्मा में पालन किया जाता है तो इसके परिणामस्वरूप एएम प्रतिरोध से संबंधित कई समस्याएं को रोका जा सकता है।

व्याख्यान के अंत में विचार विमर्श में शामिल विभिन्न पहलुओं पर, प्रतिभागियों के चार अलग-अलग समूहों को चार प्रायोगिक अभ्यास दिए गए थे। प्रत्येक समूह को कार्य पूरा करने के लिए 20 मिनट दिए गए थे। समूह के एक प्रतिनिधि ने निष्कर्ष और दिए गए कार्य का हल प्रस्तुत किया जिसे सीएमई कार्यक्रम संयोजक द्वारा समन्वित किया गया।

7. **13 फरवरी, 2017 को भेषजगुण विज्ञान विभाग, पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पटना, (बिहार) में आयोजित "अनुसंधान पद्धति: जैव चिकित्सा अनुसंधान के आधार - सिद्धांत और विधि" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. एन. आर. बिस्वास, आयोजन सचिव, एआईजीजेकोनिप्स2017, निदेशक सह उप-कुलपति, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपुरा, पटना - 800014, बिहार।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- जैव चिकित्सा अनुसंधान की आवश्यकता और प्रयोजन की सराहना करना
- जैव चिकित्सा अनुसंधान के आयामों और विधियों के बारे में जानकारियों से अवगत होना
- एक शोध प्रोटोकॉल के घटकों को जानना और समझना कि कैसे एक अच्छा शोध प्रोटोकॉल / प्रस्ताव लिखा जाता है
- डेटा प्रबंधन की बुनियादी जानकारी और शोध में आंकड़ों के उपयोग को समझना
- अनुसंधान रिपोर्टिंग के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को समझना
- अनुसंधान अनुवाद और अनुवादकारी अनुसंधान की बारीकियों से अवगत होना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यशाला का समग्र वातावरण बहुत अच्छा था। सीएमई का स्थल वही व्याख्यान थियेटर था, जहां भारत के महान चिकित्सक डॉ. बी. सी. रॉय ने पटना मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कक्षाओं में भाग लिया था। इस तथ्य ने प्रतिभागियों को बहुत व्यस्त और उत्साहित मूड में रखा। सीएमई विषय में रुचि और सीएमई के अन्य प्रतिनिधियों और प्रसिद्ध संकाय के साथ सभा के दौरान और उसके बाद उपयोगी वैज्ञानिक चर्चाओं के परिणामस्वरूप प्रतिभागी कार्यशाला की कार्यवाही में उनकी भागीदारी में बहुत उत्साही, गंभीर और इंटरैक्टिव थे। प्रतिभागियों में 5-6 पटना मेडिकल कॉलेज के भेषजगुण विज्ञान विभाग और काय चिकित्सा विभाग से वरिष्ठ संकाय सदस्य और बाकी देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और फार्मेसी संस्थानों के पीजी और जूनियर स्तर के संकाय शामिल थे।

जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान पर पहले व्याख्यान में अध्यक्ष ने आरंभ करते हुए डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य अनुसंधान को परिभाषित किया और बल देकर कहा कि जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान को स्वास्थ्य देखभाल के सभी क्षेत्रों में मौजूद ज्ञान की खाई पाटने की आवश्यकता है। इस तरह का अंतर रोगों को समझने में, उनके जोखिम कारकों, एटिओपैथोजेनेसिस, नैदानिक प्रस्तुति, निदान, रोग का निदान, और उनके उपचार, उच्छेदन। इलाज या रोकथाम के संदर्भ में हैं। अधिकतर यह अंतर मौजूदा ज्ञान को स्वास्थ्य देखभाल अभ्यास में परिवर्तित करने में है। इसलिए, स्वास्थ्य देखभाल के अनुकूलन के लिए, जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान अनिवार्य है। इसे पूरा करने के लिए, कार्यों के लिए प्राथमिकताओं को निर्धारित करने की आवश्यकता है।

अगले वक्ता ने अनुसंधान के संचालन और वित्त पोषण एजेंसियों से अनुदान प्राप्त करने के लिए अनुसंधान प्रोटोकॉल लिखने के लिए आवश्यक बुनियादी अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की। विभिन्न डोमेन - प्रोटोकॉल सामग्रियों, अध्ययन विधियों, नैदानिक जांचों के प्रकार और नैदानिक अभ्यासों में सुधार, आरसीटी, अवलोकनात्मक अध्ययन, आंकड़े, स्रोत डेटा की उपलब्धता, प्रोटोकॉल विचलन और उल्लंघन आदि के बारे में चर्चा हुई थी। नैदानिक शोध के नैतिक मुद्दों को भी शामिल किया गया - नैदानिक अनुसंधान/ नैदानिक जांचों में नमूने के आकार / समूह आकार की गणना, अल्फा और बीटा त्रुटियां और नमूने के आकार की गणना में उनकी भूमिका, जांच विषयों की भर्ती, कमजोर शोध विषय, आईईएस, पीआईएस, नैतिक दुविधाएं - गोपनीयता, वफादारी, शोध प्रोटोकॉल के समीक्षा के तत्व आदि पर चर्चा हुई।

साक्ष्य-आधारित नैदानिक अभ्यास पर व्याख्यान में, साक्ष्य के पदानुक्रम और उनके 8 स्तरों पर विभिन्न प्रकार के साक्ष्य प्राप्त करने में शामिल नैतिक मुद्दों के साथ चर्चा की गई। बाद के व्याख्यान में विभिन्न वक्ताओं ने जैव चिकित्सा अनुसंधान के आयामों और विधियों को शामिल किया - प्राथमिक और द्वितीयक अनुसंधान, वर्णनात्मक अध्ययन, विश्लेषणात्मक अध्ययन, अवलोकनात्मक अध्ययन, अंतर अनुभागीय, कोहार्ट - मामले नियंत्रण अध्ययन, हस्तक्षेप संबंधी अध्ययन डिज़ाइन, वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन, पांडुलिपि की तैयारी, अनुसंधान आंकड़ों के विश्लेषण में चिकित्सा के आंकड़ों की भूमिका, अनुसंधान आंकड़ों के प्रकार और संदर्भ निकालने पर चर्चा की गई। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों को प्रश्न पूछने और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था।

व्याख्यान के अंत में विचार विमर्श में शामिल विभिन्न पहलुओं पर, प्रतिभागियों के चार अलग-अलग समूहों को चार प्रायोगिक अभ्यास दिए गए थे। प्रत्येक समूह को कार्य पूरा करने के लिए 20 मिनट दिए गए थे। समूह के एक प्रतिनिधि ने निष्कर्ष और दिए गए कार्य का हल प्रस्तुत किया जिसे सीएमई कार्यक्रम संयोजक द्वारा समन्वित किया गया।

8. 23 फरवरी, 2017 को सामुदायिक चिकित्सा एवं परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर, राजस्थान में आयोजित "स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: आचार्य पंकजा रवि राघव, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक विभाग और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर, राजस्थान - 342005।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व कौशल के बारे में अद्यतन करना
- प्रतिभागियों के बीच नेतृत्व कौशल को विकसित करना, टीम के महत्व को समझाना, प्रशिक्षक के रूप में उनकी भूमिका में सुधार करना और काम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रदर्शन करना।
- अपने कार्यस्थल पर स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए प्रतिभागियों को उचित जीवन कौशल और नेतृत्व शैली को चुनने के लिए प्रोत्साहित करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. संजय चतुर्वेदी, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था कई पेशेवर समूहों, विभागों और विशिष्टताओं तथा उनके मध्य जटिल, गैर-अक्षीय परिचर्चा से बनी है; इस तरह की प्रणाली की जटिलता अक्सर विभिन्न रोग क्षेत्रों, बहुदिशा लक्ष्यों और बहुआयामी स्टाफ से संबंधित बाधाओं के परिणामस्वरूप अद्‌वितीय है। स्वास्थ्य संगठनों जैसे बड़े संगठनों के भीतर, संबद्ध उप-संस्कृतियों के कई समूह एक दूसरे का समर्थन या एक दूसरे के साथ संघर्ष कर सकते हैं। नेतृत्व को समग्र रूप में संगठन की भीतरी विविधताओं का उपयोग, संगठन की प्रबंधन प्रक्रियाओं को डिजाइन करते हुए, साझे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए काम करने के लिए व्यक्तियों को प्रोत्साहित करते हुए संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। इस अत्यधिक जटिल परिवेश में प्रबंधन को अनुकूलित करने के लिए कई तरह के नेतृत्व दृष्टिकोण स्वास्थ्य सेवा की परिस्थितियों में अनुकूलित किए जा सकते हैं। नेतृत्व सिद्धांत गतिशील है और समय के साथ परिवर्तित होता रहता है।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न संसाधन व्यक्तियों की परिचर्चाओं और इंटरैक्टिव प्रायोगिक और भूमिका -निर्वहन सत्रों ने प्रतिभागियों में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नेतृत्व कौशल विकसित किया। यह प्रतिभागियों से प्राप्त फ़ीडबैक के द्‌वारा स्पष्ट था और यह आशा है कि कार्यशाला के दौरान कवर किए गए विषयों की समझ का अनुवर्ती पालन उनके लिए उपयोगी होगा ताकि वे अपने विभिन्न स्वास्थ्य डोमेन में उच्च दक्षता प्राप्त कर सकें।

9. 23 फरवरी, 2017 को पंडित बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक, हरियाणा में आयोजित "आघात प्रबंधन में सिद्धांत" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. आर. सी. सिवाच, वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थि रोग विभाग, स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

- आघात के रोगी को कैसे संभालना है
- आघात के तुरंत बाद कौन से रुधिर विज्ञान और विकिरण विज्ञान जांच आवश्यक है?
- आघात सर्जन से अपेक्षित त्वरित हस्तक्षेप?

- आंत और सिर की चोट से कैसे निपटा जाए - कब और क्या किया जाए**?**
- एक आघात रोगी के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण**?**
- आईसीयू आवश्यकता के लिए तत्काल या बाद के संकेत क्या हैं**?**

पर्यवेक्षक (**डॉ. अनिल के. जैन, एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

ट्राइज, आघात प्रबंधन का कखघ से लेकर, श्रोणि चोट की जटिलताएं और बहुआघात मामलों के प्रबंधन जैसे अलग-अलग विषयों के साथ आघात प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को सीखने के लिए 58 अस्थि रोग शल्य चिकित्सक, निजी प्रैक्टिशनर और 96 जूनियर रेजिडेंट अस्थि रोग विज्ञानी और 2 एमबीबीएस छात्र (कुल 156) ने एक दिवसीय पाठ्यक्रम में भाग लिया। मुख्य रूप से भारत के उत्तरी क्षेत्र सहित भारत के सभी क्षेत्रों के 30 शिक्षक (वरिष्ठ आचार्य और विशेषज्ञ) संकाय में शामिल थे।

व्याख्यान कक्ष की सुविधाएं और श्रव्य दृश्य उपकरण उच्च कोटि के थे। संगोष्ठी के लिए चुने गए विषय प्रशिक्षुओं के केंद्रित समूह के अनुकूल थे। हर व्याख्यान के अंत में और सत्र के अंत में मुख्य संदेश दिए गए थे।

कुल मिलाकर, यह अस्थि रोग शल्य चिकित्सक / रेजिडेंट और मेडिकल छात्रों के लिए एक महान अकादमिक सह वैज्ञानिक कार्यक्रम था जिसने आघात प्रबंधन में उनके ज्ञान को अद्यतन किया जो कि वे अपने दिन-प्रतिदिन अभ्यास में अनुभव करते हैं और अस्थि-विकृतियों में दुर्लभ मामलों का अनुभव प्राप्त करवाया। प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम के प्रख्यात संकाय के अनुभव से लाभ मिला, जो प्रोत्साहित चर्चा के वातावरण में शिक्षार्थियों के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध था। उम्मीदवार सीएमई से संतुष्ट थे और उनके लिए यह बहुत ही शिक्षाप्रद अनुभव था। अंत में, मैं सीएमई के सभी संकायों और प्रतिनिधियों का बहुत ही ऋणी हूं जिन्होंने इस सीएमई को बहुत सफल बनाया जो सम्यक वैज्ञानिक भावना और उत्साह से अपने सभी उद्देश्यों को पूरा कर सकी।

दिनांक **01.04.2016** से **31.03.2017** तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के तहत अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	**विषय**	**स्वीकृत राशि (रुपए)**
1.	**"लोक स्वास्थ्य प्रबंधन के सिद्धांतों के अनुप्रयोग से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना"** पर सीएमई कार्यक्रम चंडीगढ़: 16 - 17 मई, 2016	74,500/-
2.	**"महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी और स्वास्थ्य अनुसंधान कार्यप्रणाली"** पर सीएमई कार्यक्रम बंगलौर (कर्नाटक): 11 - 12 जुलाई 2016	36,000/-
3.	**"निवारक मनोचिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी"** पर सीएमई कार्यक्रम दिल्ली: 11 सितम्बर, 2016	75,000/-
4.	**"वैज्ञानिक चिकित्सीय लेखन"** पर सीएमई कार्यक्रम चंडीगढ़: 20 अक्तूबर, 2016	75,000/-
5.	**"स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण"** पर सीएमई कार्यक्रम चंडीगढ़: 21 नवंबर, 2016	70,000/-
6.	**"सूक्ष्म जीवाणु रोधी प्रतिरोध से मुकाबला"** पर सीएमई कार्यक्रम रायगढ़ (छत्तीसगढ़): 9 फरवरी, 2017	75,000/-

7. **"अनुसंधान पद्धति: जैव चिकित्सा अनुसंधान के आधार - सिद्धांत और विधि"** पर सीएमई कार्यक्रम — 75,000/-

पटना (बिहार): 13 फरवरी, 2017

8. **"स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व"** पर सीएमई कार्यक्रम — 75,000/-

जोधपुर (राजस्थान): 23 फरवरी, 2017

9. **"आघात प्रबंधन में सिद्धांत"** पर सीएमई कार्यक्रम — 75,000/-

रोहतक (हरियाणा): 23 फरवरी, 2017

शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट

21 मार्च, 2017 को आयोजित विशेष परिषद बैठक में सीएमई के बारे में विचार विमर्श किए गए मुद्दों पर विचार करने हेतु

21 मार्च, 2017 को आयोजित विशेष परिषद की बैठक के कार्यवृत्त की प्रतिलिपि चर्चा के लिए शैक्षणिक समिति के सदस्यों को प्रदान की गई थी। सीएमई और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस चर्चा का परिणाम निम्नानुसार था:

- सदस्यों का मानना था कि और अधिक सीएमई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।
- अगर अकादमिक कार्यक्रम का प्रसारण विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में किया जा रहा है, तो सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण आवश्यक होना चाहिए। जुड़े हुए संस्थानों को भी वक्ता के साथ संपर्क करने की सुविधा होनी चाहिए।
- मंत्रालय के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि यदि एनएएमएस नर्सों को प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। इसके लिए डॉ. एस. एस. देशमुख ने शीघ्रातिशीघ्र मुंबई में नर्सिंग प्रशिक्षण पर सीएमई कार्यक्रम के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए सहमति व्यक्त की।
- सदस्यों का यह विचार था कि कुछ भी नया करते समय नैम्स को बहुत सावधान और कोई भी कदम उठाने के दौरान निवारक रहना चाहिए।
- नैम्स अध्याय को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। जहां संयोजक बहुत सक्रिय नहीं हैं वहां भी एक सह-संयोजक होने का सुझाव दिया गया था। आखिरकार यह निर्णय लिया गया कि शीघ्रातिशीघ्र डॉ. के. के. शर्मा द्वारा राज्य अध्याय संयोजकों की सूची का पुनरीक्षण / संशोधन किया जाए।

सीएमई कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता के लिए दिशानिर्देशों में संशोधन पर विचार करने हेतु

परिषद ने सिद्धांत रूप में बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के लिए अधिकतम 2 लाख तक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के लिए अधिकतम 2.5 लाख रुपये तक के अनुदान की स्वीकृति देने के लिए सहमति दी। विभिन्न मदों में धन का वितरण करने की आवश्यकता है।

समिति ने डॉ. के. के. शर्मा, सीएमई समन्वयक, को लचीलेपन के साथ वितरण करने के लिए अधिकृत किया जिससे नैम्स को और अधिक प्रस्ताव मिलें।

वर्ष 2017 के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार पर विचार करने और सलाह देने हेतु

12 जुलाई 2008 को आयोजित परिषद की 122वीं बैठक में, सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नैम्स आजीवन उपलब्धि पुरस्कार के लिए नामांकन अकादमिक परिषद के सदस्यों द्वारा किया जाएगा, जिस पर बाद में व्याख्यान एवं पुरस्कार समिति द्वारा विचार किया जाएगा और व्याख्यान एवं पुरस्कार समिति की सिफारिश को मंजूरी के लिए परिषद के समक्ष रखा जाएगा।

वर्ष 2017 के आजीवन उपलब्धि पुरस्कार के लिए शैक्षणिक समिति ने डॉ. पी. के. दवे, पूर्व निदेशक एवं विभागाध्यक्ष एम्स और प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स का नाम प्रस्तावित किया। डॉ. पी. के. दवे का जीवनवृत्त सचिव द्वारा पढ़ा गया और डॉ. एस. एस. देशमुख द्वारा प्रस्तावित और डॉ. सरोज सी. गोपाल द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव को यथास्वरूप सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

नैम्स की सदस्यता के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा पात्रता मानदंड के रूप में एफएनबी परीक्षा को शामिल करने संबंधित डॉ. अनिल कुमार सिंघी से प्राप्त पत्र पर विचार करने हेतु

डॉ. अनिल कुमार सिंघी, एमडी, एफएनबी (बालरोग, कार्ड), हिलंड पार्ट , टॉवर ग्लेन, फ्लैट 10ए1, 1925 चकगरिया, पंचासयार, ईएम बायपास मेट्रोपोलिस मॉल के पीछे, कोलकाता - 700094 से 23 अगस्त को एक ई-मेल और पत्र भी प्राप्त हुआ जिसमें उन्होंने एफएएनबी के आधार पर नैम्स की प्रतिष्ठित सदस्यता के लिए नामांकित किए जाने का अनुरोध किया।

विनियमन- V के अंतर्गत **"राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की सदस्यता प्राप्त करने के लिए आवेदन**: के अनुसार वे उम्मीदवार, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उनका नाम अकादमी के कम से कम एक अध्येता द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया हो तथा उम्मीदवार के चरित्र एवं आचरण को सत्यापित किया गया हो। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की परिषद् के अनुमोदन के आधार पर उम्मीदवार को एककालिक 7000/- रुपये के आजीवन सदस्यता शुल्क (1000/- रुपये के प्रवेश शुल्क सहित) अथवा समय-समय पर यथा-प्रभारित शुल्क तथा दायित्व

बंधयपत्र के निष्पादन के बाद अकादमी के सदस्य के रुप में भर्ती किया जाएगा। *(यह नवंबर 1992 और उसके पश्चात आयोजित राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले बैच से प्रभावी होगा)*"

विस्तारपूर्वक चर्चा के बाद समिति ने एफएनबी छात्रों के एमएनएएमएस के रूप में नामांकन को स्वीकृति नहीं दी और इस विषय पर और आगे चर्चा नहीं करने का निर्णय किया।

प्रायोगिक परियोजना - जिस प्रकार अंतःसांस्थानिक और बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के लिए स्वीकृत राशि में वृद्धि की गई उसी प्रकार प्रायोगिक परियोजनाओं की राशि में भी वृद्धि की जा सकती है।

समिति के सदस्यों ने प्रायोगिक परियोजना की राशि को सत्तर हजार रूपये से बढ़ाकर एक लाख पचास हजार रूपये करने के लिए स्वीकृति दी।

डॉ. एस. कामेस्वरन का आजीवन उपलब्धि पुरस्कार अलमारी में पड़ा है - इस पुरस्कार को सौंपने के संबंध में निर्णय लिया जाना चाहिए।

अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि जैसे कि विगत कुछ वर्षों में आजीवन उपलब्धि पुरस्कार को पुरस्कार प्राप्तकर्ता के निवास स्थल पर प्रदान किया गया है उसी प्रकार डॉ. एस. कामेस्वरन को आजीवन उपलब्धि पुरस्कार उनके आवास पर ही प्रदान किया जा सकता है। यह निर्णय लिया गया कि डॉ. एस. कामेस्वरन की आयु और स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें आजीवन उपलब्धि पुरस्कार देने के लिए अध्यक्ष नैम्स के सचिव के साथ चेन्नई जाएंगे।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अधीन स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास के क्षेत्र में अकादमी द्वारा संवर्धित कार्यकलापों में से एक है-कनिष्ठ स्तरों और मध्यम स्तरों पर "चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान"।

अकादमी कनिष्ठ और मध्यम स्तर के विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों को सुस्थापित उत्कृष्टता केंद्र पर जाने के लिए और नए कौशल प्राप्त करने के लिए निधि उपलब्ध कराता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित नामिती यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति (वास्तविक द्वितीय श्रेणी एसी टू-टियर रेल किराया तक सीमित) और 5000/- रुपए की अधिकतम सीमा के अधीन प्रशिक्षण अवधि के दौरान 300/- रुपए प्रतिदिन की दर पर दैनिक भत्ता के पात्र हैं।

वर्ष 2017 तक दो सौ (200) चिकित्सा वैज्ञानिकों/ शिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है और नैम्स से अनुदान सहायता प्राप्त कर उन्होंने अपना प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

अनुबंध- V

01.04.2016 से 31.03.2017 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. 23 अप्रैल 2016 को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में आयोजित "**ऑस्टियोपोरोसिस**" पर नैम्स - पीजीआई संगोष्ठी।

संचालन अधिकारी: डॉ. संजय के. भदादा, अपर आचार्य, अंतःस्त्राविकी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के उद्देश्य थेः

ऑस्टियोपोरोसिस के प्रसार, चिकित्सा, स्पेक्ट्रम, रोगजनन, निदान और उपचार के बारे में जागरूकता का प्रसार करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. आर. एल. मित्तल) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य थे - ऑस्टियोपोरोसिस के प्रसार, चिकित्सा, स्पेक्ट्रम, रोगजनन, निदान और उपचार के बारे में जागरूकता का प्रसार करना। अंत में, प्रतिभागी ऑस्टियोपोरोसिस के रोगियों का निदान और प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। संगोष्ठी के उद्देश्यों को पूरा किया गया था लेकिन पूरी तरह से नहीं। चुना गया विषय बहुत अच्छा था, जो हमारे देश में बढ़ती हुई जीवन प्रत्याशा और अति वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती आबादी और अन्य कई कारकों को देखते हुए बहुत महत्वपूर्ण है। आयोजक ने कड़ी मेहनत की और संगोष्ठी के उन उद्देश्यों को प्राप्त करने में बहुत अच्छा काम किया, जिसके लिए इसका आयोजन किया गया था, परंतु सुधार के लिए संभावनाएं सदा विद्यमान हैं। यह और अधिक बेहतर हो सकता था यदिः (क) अस्थि रोग शल्य चिकित्सक, अंतःस्त्राविकी विज्ञानी, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, भेषज गुण विज्ञानी, भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विशेषज्ञ, जरायात्री आदि की भागीदारी के रूप में आश्वासन दिया जाता कि ऑस्टियोपोरोसिस एक बहुआयामी रोग है और उद्देश्य के बेहतर वितरण के लिए सभी स्थानीय विशेषज्ञों से परामर्श के बाद ही व्याख्यान तैयार किया जाना चाहिए;

(ख) यदि व्याख्यान केवल विषय से संबंधित होते। ऑस्टियोपोरोसिस में अस्थि रोग शल्य चिकित्सक की प्राथमिक भूमिका होती है। प्रत्येक ऑस्टियोपोरोसिस रोगी ने एक अंतःस्त्राविकी विज्ञानी से परामर्श लेने से पूर्व अस्थि रोग शल्य चिकित्सक से परामर्श किया होता है वास्तव में, अधिकतर यह अस्थि रोग शल्य चिकित्सक से अंतःस्त्राविकी विज्ञानी को भेजा गया मामला होता है। अस्पताल के रोगियों के कुल प्रतिशत में आघात ने एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और हर ऐसे रोगी को स्थानीय या सामान्य ऑस्टियोपोरोसिस का सामना करना पड़ रहा है। न केवल आघात, अपितु सभी प्रकार की विशिष्टताओं में 50 या उससे अधिक आयु के सभी शय्याग्रस्त रोगियों को ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है और आर्थोपेडिक परामर्श की आवश्यकता हो सकती है; (ग) यदि प्रतिभागी अधिक होते - लगभग 150 पंजीकरण की आशा थी लेकिन केवल 47 प्रतिभागियों का पंजीकरण किया गया। आपातकालीन ड्यूटी पर छोड़कर विभिन्न विशिष्टताओं के सभी रेजिडेंट भाग ले सकते थे (ऑस्टियोपोरोसिस ऊपर बताई गई सभी विशिष्टताओं से संबंधित है) जिससे इस उद्देश्य को बेहतर तरीके से प्राप्त किया जा सकता था। सभी विभागों के अध्यक्षों की भागीदारी उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकती थी। (घ) कक्ष में श्रव्य - दृश्य और ध्वनिकी बहुत उत्कृष्ट थे। हालांकि बेहतर विचार विमर्श के लिए दूसरे सिरे पर प्रतिभागियों की संख्या, श्रव्य - दृश्य और संचार प्रणाली को देखते हुए टेलि-मेडिसिन में सुधार किया जाना चाहिए जैसे कि हम टी.वी. पर देखते हैं। (ड़) विषय के महत्व को देखते हुए मेरे द्वारा निकाली गई कमियों में सुधार करते हुए ऑस्टियोपोरोसिस पर इस तरह के कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किया जाना चाहिए। सभी व्याख्यानों के साथ पुस्तिका सभी को दी गई थी। प्रत्येक व्याख्यान के बाद अच्छी चर्चा हुई थी।

2. 21 अक्टूबर, 2016 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में आयोजित **"तम्बाकू या स्वास्थ्य: बेहतर विकल्प चुनिए"** पर नैम्स संगोष्ठी

संचालन अधिकारीः डॉ. आलोक सी. अग्रवाल, सह आयोजन सचिव, नैम्सकॉन - 2016, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़।

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्यः

संगोष्ठी के उद्देश्य थेः

बड़े पैमाने पर प्रतिभागियों और जनता को इनसे परिचित कराने के लिए -

(क) तंबाकू के उपयोग के खतरे;

(ख) इस समस्या का विस्तार;

(ग) तम्बाकू उपयोग के संबंध में रोकथाम रणनीतियां;

(घ) तम्बाकू निर्भरता के निदान और प्रबंधन में मापदंड;

(च) तंबाकू के उपयोग के खतरों की उपचार रूपरेखा;

(घां) समाज में तम्बाकू के उपयोग को हतोत्साहित करने वाले उपाय।

पर्यवेक्षक (**डॉ. सरोज चूढ़ामणि गोपाल**, **एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

संगोष्ठी एआईआईआईएस रायपुर के एक सभागार में आयोजित की गई थी। हॉल में लगभग 200 व्यक्तियों को समायोजित करने की क्षमता थी। सभी लैपटॉप कंप्यूटर**,** एलईडी प्रोजेक्टर और प्रदान की गई श्रव्य व्यवस्था उत्कृष्ट थी। कुल मिलाकर माहौल उत्कृष्ट था। संगोष्ठी के उद्देश्यों को पूरा किया गया। सभी प्रतिभागियों को अधिगम संसाधन सामग्री (एलआरएम) प्रदान की गई थी। 91 पंजीकृत प्रतिनिधि और 50 स्नातक चिकित्सा छात्र और नर्सिंग छात्र थे। कार्यक्रम में शिक्षाप्रद व्याख्यान थे और प्रत्येक व्याख्यान के बाद एक इंटरैक्टिव सत्र था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट गुणवत्ता की थी। यदि क्षेत्रीय भाषाओं में टेलीविजन पर ऐसी विशेषज्ञ पैनल की चर्चा प्रदान की जा सकती तो सामुदायिक शिक्षा के लिए संगोष्ठी का प्रभाव बढ़ाया जा सकता था।

3. 30 नवंबर, 2016 को कमला रहेजा सभागार जे.एस.बी. बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "**भारत में पोषण और स्वास्थ्य संक्रमण: राष्ट्रीय सर्वेक्षण से निष्कर्ष**" पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संचालन अधिकारीः डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण फाउंडेशन, नई दिल्ली।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

(क) विभिन्न राज्यों में आबादी के आहार के वर्तमान आंकड़े, वर्तमान पोषण संबंधी स्थिति और स्वास्थ्य स्थिति के प्रति प्रतिभागियों के ज्ञान को अद्यतन करना;

(ख) पोषण संबंधी स्थिति और स्वास्थ्य स्थिति में अंतर-जिला मतभेदों के बारे में जानकारी प्रदान करना;

(ग) नीति कार्यक्रम और इन निष्कर्षों के शोध प्रभाव से प्रतिभागियों को अवगत कराना;

(घ) प्रतिभागियों को अवगत कराना कि कैसे इन आंकड़ों का उपयोग हस्तक्षेपों की विकेन्द्रीकृत जिला आधारित योजना के लिए और चल रहे हस्तक्षेपों के प्रभाव की निगरानी के लिए किया जा सकता है।

पर्यवेक्षक (**डॉ. रवींद्र मोहन पांडे**, **एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

संगोष्ठी के वक्ता अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ थे। दर्शकों और मंच के माध्यम से प्रतिभागी बहुत उत्साहित थे और इंटरैक्टिव सत्र के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया गया था। संगोष्ठी के उद्देश्यों को पूरी तरह से पूरा किया गया था। कोई कमी नहीं थी, लेकिन इस तरह की संगोष्ठी को व्यापक प्रचार दिया जाना चाहिए जिससे अधिक लोगों को लाभ हो सके। सभी प्रतिभागियों को सीडी के एक रूप में अधिगम संसाधन सामग्री (एलआरएम) प्रदान की गई थी। वहां 50 व्यक्ति पंजीकृत थे और 20 (एम्स, जोधपुर) से टेली-लिंक के माध्यम से उपस्थित थे। कार्यक्रम में शिक्षाप्रद व्याख्यान थे। पाठ्यक्रम संकाय की प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

01.04.2016 से 31.03.2017 तक अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
1.	**"ऑस्टियोपोरोसिस"** पर नैम्स - पीजीआई संगोष्ठी स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ः 23 अप्रैल, 2016	1,30,000/-
2.	**"तम्बाकू या स्वास्थ्य: बेहतर विकल्प चुनिए"** पर नैम्स संगोष्ठी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ः 21 अक्तूबर, 2016	87,968/-
3.	**"भारत में पोषण और स्वास्थ्य संक्रमण: राष्ट्रीय सर्वेक्षण से निष्कर्ष"** पर नैम्स - एनएफआई राष्ट्रीय संगोष्ठी कमला रहेजा सभागार जे.एस.बी. बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्लीः 30 नवंबर, 2016	1,16,345/-

प्रायोगिक परियोजना

नैम्स के अध्यक्ष के अनुरोध पर सभागार के संचालन के संबंध में एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए परिषद की बैठक 29 अक्टूबर, 2015 को आयोजित की गई थी। "स्ट्रोक में निवारक प्रबंधन एवं पुनर्वास - एक बहु-पेशेवर टीम दृष्टिकोण" पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए 'विशेषज्ञ समूह बैठक' के आरंभ के साथ अध्यक्ष का विचार क्रियाशील हुआ, यह बैठक विश्व स्ट्रोक दिवस पर प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र में कमला रहेजा सभागार में आरंभ हुई थी। दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक को नैम्स के उपाध्यक्ष डॉ. संजय वधवा द्वारा संचालित किया गया था। इस कार्यक्रम के लिए कोई धन नहीं दिया गया था।

सीएमई की संख्या बढ़ाने पर और सभागार का पूरा उपयोग करने के लिए 17 सितंबर, 2016 को आयोजित परिषद बैठक में नैम्स के अध्यक्ष ने डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस की अध्यक्षता में 'सभागार में सीएमई के आयोजन में संवर्धन' के लिए एक उप-समिति का गठन करने का सुझाव दिया। उसी बैठक में डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव ने मुद्दा उठाया कि नैम्स सभागार में आयोजित होने वाले सीएमई कार्यक्रम की निधि को नैम्स कार्यालय द्वारा वितरित किया जाए। विस्तृत चर्चा के बाद मामला विचार हेतु शैक्षणिक समिति / सीएमई कार्यक्रम समिति को भेज दिया गया।

16 दिसंबर, 2016 को आयोजित वित्त समिति का कार्यवृत्त की मद सं. 6 "अध्यक्ष की अनुमति के साथ अन्य कोई भी मद" के माध्यम से श्रीमती कमला रहेजा सभागार और प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र में शैक्षिक गतिविधियों के संचालन के लिए 'प्रायोगिक अध्ययन के रूप में सभागार का प्रयोग बढ़ाना' के नाम से प्रायोगिक परियोजना की संभावना तलाश करने के लिए प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में प्रस्ताव पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और 6 जुलाई, 2017 को आयोजित बैठक में परिषद् द्वारा निम्नानुसार अनुमोदित किया गया:

"... .इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि आवेदन नैम्स के दिल्ली संचालक के माध्यम से भेजा जाए और सभागार में आयोजित इन कार्यक्रमों के लिए निधि नैम्स के पास रखी जा सकती है और इन कार्यक्रमों के स्वीकृत निधि में से नैम्स के कर्मचारियों द्वारा व्यय बिलों का भुगतान / प्रबंधन किया जाना चाहिए।

आवेदन नैम्स सीएमई प्रारूप में भेजे जाएंगे। पूर्व और पश्च मूल्यांकन के लिए प्रश्नावली आवेदन के साथ भेजी जाएगी। आयोजन सचिव दायित्व लेंगे कि आयोजन सचिव द्वारा रिपोर्ट जमा करवाई जाएगी और आय उपयोगिता प्रमाणपत्र पर आयोजन सचिव, नैम्स के प्रशासनिक अधिकारी और लेखा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस प्रस्ताव को संयोजक द्वारा अग्रेषित किया जाएगा। प्रस्ताव को सहकर्मी समीक्षा के लिए भेजा जाएगा और इस पर नैम्स में कार्रवाई की जाएगी। अध्यक्ष द्वारा निधि के अनुमोदन के बाद निधि को नैम्स के पास रखा जाएगा और नैम्स द्वारा लेखांकन किया जाएगा।"

01-04-2016 से 31-03-2017 की अवधि के दौरान आयोजित प्रायोगिक परियोजना पर रिपोर्ट

1. 5 फरवरी, 2017 को कमला रहेजा सभागार और जे. एस. बजाज बहु-व्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "हस्तक्षेप संबंधी विकिरण विज्ञान" पर सीएमई और कार्यशाला

आयोजन अधिकारी: डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, सचिव - नैम्स एवं आचार्य, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

सीएमई और कार्यशाला के उद्देश्य के लिए औचित्य थे:

हस्तक्षेप संबंधी विकिरण विज्ञान (आईआर) बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उपयोग शरीर के सभी भागों में किया जाता है। इसलिए सभी रेजिडेंट के लिए इस विषय का पूरा ज्ञान होना महत्वपूर्ण है और यह केवल सीएमई द्वारा ही संभव है। चूंकि यह सभी मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्रशिक्षण अनिवार्य भाग बन जाता है। फिल्म पढ़ने के सत्र और आईआर में प्रयुक्त सामग्री की अच्छी कवरेज सहित विभिन्न व्याख्यानों के माध्यम से वर्तमान सीएमई इस उद्देश्य को पूरा करेगी।

क) चिकित्सा स्नातकों, स्नातकोत्तरों और अभ्यासरत विकिरण विज्ञानियों के लिए इन हस्तक्षेप प्रक्रियाओं के बारे में अभिनव प्रगति पर व्याख्यान

ख) तकनीकों के संबंध में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला

ग) अन्य अस्पतालों के विकिरण विज्ञानियों विशेषकर एम्स दिल्ली, ऋषिकेश, जोधपुर और पीजीआई चंडीगढ़ आदि के साथ ज्ञान बांटने और प्रशिक्षण देने के लिए एनकेएन / टेलीमेडिसिन सुविधा का प्रयोग

घ) सार्वजनिक जागरूकता बनाने के लिए कार्यक्रम में एक सार्वजनिक व्याख्यान शामिल किया गया है।

पर्यवेक्षक (डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई का उद्देश्य पूर्ण किया गया। सीडी के रूप में सभी प्रतिभागियों को अधिगम संसाधन सामग्री (एलआरएम) प्रदान की गई थी। 250 व्यक्ति पंजीकृत थे और कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागी उपस्थित थे। शिक्षाप्रद व्याख्यानों के एक भाग के रूप में इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए। समय की कमी के कारण प्रायोगिक प्रशिक्षण नहीं दिया जा सका। हालांकि, रेजिडेंट के लिए फिल्म पढ़ने का सत्र आयोजित किया गया था और वह बहुत जानकारीपूर्ण और उत्कृष्ट था। जिसमें रेजिडेंट ने भली प्रकार से भाग लिया। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति बहुत अच्छी थी। जानकारी साक्ष्य आधारित

थी और सीएमई कार्यक्रम के दौरान अच्छी गुणवत्ता के श्रव्य दृश्य उपकरणों का प्रयोग किया गया था।

क्रमांक	विषय	दिनांक	व्यय की गई राशि
1.	हस्तक्षेप संबंधी विकिरण विज्ञान डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव द्वारा आयोजित	5 फरवरी, 2017	रु.60,786/ -

निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और एक पाइपलाइन में है।

क्रमांक	विषय	दिनांक	व्यय की गई राशि
1.	पदार्थ प्रयोग विकारों में उदय हो रहे मुद्दों पर डॉ. राकेश चड्डा द्वारा आयोजित सीएमई	22 जुलाई, 2017	रु.1,94,400/-
2.	पेशीकंकालीय रीढ़ की हड्डी दर्द प्रबंधन पर डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव द्वारा आयोजित हस्तक्षेप संबंधी विकिरण विज्ञान कार्यशाला	24 अगस्त, 2017	रु.19,600/-
3.	मनोभ्रंशः स्मृति लोप एवं परे पर डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव द्वारा आयोजित सीएमई	12 दिसंबर, 2017	स्वीकृत

एनएएमएस अध्याय

उत्तरी क्षेत्र

जम्मू और कश्मीर	डॉ. आर. मदान पूर्व सदस्य, लोक सेवा आयोग जम्मू एवं कश्मीर सरकार	निदेशक, मदान अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, 37 ए/सी, गांधी नगर, जम्मू-180004
चंडीगढ़ हिमाचल प्रदेश	डॉ. योगेश चावला निदेशक, पीजीआईएमईआर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012	निदेशक, पीजीआईएमईआर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़-160012
दिल्ली	डॉ. जे. एन. पांडे पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, अ.भा.आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-110029	वरिष्ठ परामर्शदाता (कायचिकित्सा), सीताराम भारतीया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, बी-16, महरौली संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
हरियाणा	एयर मार्शल डॉ. एम. एस. बोपाराय पूर्व निदेशक, एएफएमसी, पुणे, और पूर्व महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा, नई दिल्ली	915, डिफेंस कालोनी, सेक्टर-17बी, गुड़गांव- 122001
पंजाब	डॉ. एच. एस. संधू पूर्व प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, अमृतसर	मकान सं. 883, सर्कुलर रोड, नर्स होस्टल के सामने अमृतसर- 143001

उत्तर प्रदेश	डॉ. (श्रीमती) पी. के. मिश्रा, पूर्व प्रधानाचार्या एवं संकायाध्यक्ष, काय चिकित्सा संकाय एवं आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बाल रोग विज्ञान विभाग किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश।	122, फैजाबाद रोड, इंदिरा पुल के पास, लखनऊ-226007, उत्तर प्रदेश।
मध्य क्षेत्र		
राजस्थान	डॉ. संजीव मिश्रा निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर।
मध्य प्रदेश	डॉ. जी. पी. पाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शरीर रचना विभाग माडर्न दंत कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, गांधी नगर, हवाई अड्डा मार्ग, इंदौर - 453112	74, पद्मावती कॉलोनी, सेंट पॉल विद्यालय के पीछे, इंदौर - 452001 (मध्य प्रदेश)।
पश्चिम क्षेत्र		
महाराष्ट्र	डॉ. एस.एस. देशमुख पूर्व कुलपति, बंबई विश्वविद्यालय, मुम्बई	समर्थ कृपा, राम मंदिर मार्ग, विले-पार्ले (ईस्ट), मुम्बई-400057
गुजरात	डॉ. हरिभाई एल. पटेल	50/322, सरस्वती नगर, वस्त्रपुर, अहमदाबाद-380015
दक्षिण क्षेत्र		
तमिलनाडु	डॉ. मोहन कामेस्वरन निदेशक, मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, चेन्नई	मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, 1 क्रॉस स्ट्रीट, ऑफ मुख्य मार्ग, राजा अन्नामलाईपुरम चेन्नई-600028

केरल	डॉ. वी. मोहन कुमार	8-ए, हीरा गेट अपार्टमेंट डीपीआई जंक्शन, जगथी तिरुवनंतपुरम-695014
आंध्र प्रदेश	डॉ. अल्लादि मोहन अध्यक्ष, पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एवं निद्रा मेडिसिन प्रभाग, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, श्री वेंकेटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति - 517507।	19-12-501 (ऊपर) बैरागीपट्टेड़ा तिरुपति - 517501।
कर्नाटक	डॉ. अनुरा विश्वनाथ कुरपद संकायाध्यक्ष, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बंगलौर	सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बीडीए कॉम्पलैक्स कोरामंगला, बंगलौर-560034
पूर्व क्षेत्र		
पश्चिम बंगाल	डॉ. डी. बक्सी पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोगविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, कोलकाता	डीए-3, सेक्टर-1, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700064
उड़ीसा	डॉ. सुरेश्वर मोहंती तंत्रिकाशल्यचिकित्सा आचार्य एवं प्रधानाचार्य, आयुर्विज्ञान संस्थान, सेक्टर-8 कलिंग नगर, भुवनेश्वर	206 डुप्लेक्स, मनोरमा एस्टेट, रसूलगढ़, भुवनेश्वर-751010

बिहार	डॉ. एस. पी. श्रीवास्तव पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बालचिकित्सा विभाग, पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, पटना	एस-104, उदयगिरी भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800001, बिहार
झारखंड	डॉ. सुरेश्वर पांडे	आरजेएसआईओआर, रामेश्वरम, बरियातु रोड, रांची-834009, झारखंड
असम	डॉ. देबी चरण चौधरी	ऊषा किरण यू. एन., बेजबरुआ रोड, सिलपुखेरी, गुवाहाटी-781003

एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य

नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा 2016-17 में दिए गए व्याख्यान/ सारांश की रिपोर्ट

1. **डॉ. टी. डी. चुग, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) सितम्बर 2016 में जोधपुर में उष्णकटिबंधीय बुखारः एक अवलोकन।

उष्णकटिबंधीय बुखार उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में होता है, पसु जनित अथवा वेक्टर जनित होता है, विशेष रूप से वर्षा के मौसम के दौरान या वर्षा के बाद होता है जब कीट की आबादी अधिक होती है, जिसमें अतिव्यापी चिकित्सीय प्रस्तुतियां होती हैं और अक्सर उच्च रोग और मृत्यु दर होती है। उनके निदान के लिए एक विस्तृत प्रयोगशाला कार्यक्रम की आवश्यकता होती है और उपचार के लिए लक्षणीय दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यह बिना स्थानीयकरण संकेत के बुखार या लाल चकत्ते के साथ बुखार, एआरडीएस, मस्तिष्क विकृति, गंभीर वृक्क विफलता, पीलिया या बहु-अंग विफलता के रूप में हो सकता है। हेतुविज्ञान का विस्तार एक भौगोलिक भिन्नता है और यह प्रयोगशाला अध्ययनों की सीमा पर निर्भर करता है।

उष्णकटिबंधीय बुखार जिसे तीव्र निदानरहित अभिन्न बुखार (एयूएफ) के रूप में जाना जाता है, अज्ञात मूल के बुखार या पायरेक्सिया (एफयूओ या पीयूओ) से भिन्न है क्योंकि इसकी अवधि 21 दिन या उससे कम है जबकि पीयूओ 21 दिनों से अधिक अवधि का है।

एयूएफ विषाणु के कारण हो सकता है (डेंगू, इन्फ्लूएंजा, आरएसवी, चिकनगुनिया, ईबी, एंटरोवायरस, एसएआरएस, जापानी बी, एचएसवी); बैक्टीरिया के कारण हो सकता है (रिक्टेटिया, मिलिअरी क्षय रोग, लेप्टोस्पाइरा, लेजिओनेसा, न्यूमोकोकस) एक परजीवी के कारण हो सकता है (प्लास्मोडिया, लेशमैनियल, अमीबाय यकृत घाव, तीव्र शिस्टोसोमासिस) या मिश्रित संक्रमण हो सकते हैं। मेटैजिनॉमिक्स और अगली पीढ़ी के अनुक्रमण ने गुप्त और पहले अज्ञात रोगजनकों की पहचान की है।

एक महामारी विज्ञान डेटाबेस होना जरूरी है ताकि साक्ष्य आधारित नैदानिक और प्रबंधन एल्गोरिदम विकसित किए जा सकें। इसके अलावा, रोग तंत्र और सक्रिय तंत्र की

प्रतिरक्षाविज्ञान की समझ में अंतर्दृष्टि आवश्यक है। भारत में हमें कुछ तृतीयक देखभाल केंद्र इनके बारे में केवल संक्षिप्त आंकड़े उपलब्ध कराते हैं। हमें उष्णकटिबंधीय बुखार के अधिक जनसंख्या आधारित आंकड़ों की आवश्यकता है।

ख) 30 सितंबर, 2016 को केयर अस्पताल, हैदराबाद में तपेदिक का अस्पतालीय संचरण।

अस्पतालीय तपेदिक (एनटी) का वर्णन सर्वप्रथम देवोतो द्वारा किया गया था जब उन्होंने गिनी सूअरों को अस्पताल की धूल से संक्रमित किया था। तब से, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के कई अध्ययनों में एचआईवी और एमडीआर-एमटीबी वार्ड सहित अस्पताल के कई वार्डों में रोग का अस्पतालीय संचरण दिखाया गया है। सीडीसी ने अस्पतालीय तपेदिक की रोकथाम के लिए पहले 1994 में दिशानिर्देश बनाए और फिर 2005 में उन्हें संशोधित किया गया। 1999 में विश्व स्वास्थय संगठन ने संसाधन-सीमित देशों के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए। भारत में दोनों अव्यक्त और नैदानिक मामलों और एमडीआर-एमटीबी के रूप में तपेदिक का एक बड़ा बोझ है। हालांकि, कोई स्पष्ट आंकड़े या दिशानिर्देश उपलब्ध नहीं हैं। भारत से 2004 तक कोई अध्ययन नहीं हुआ था जब सीएमसी वेल्लोर में 125 स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं (एचसीडब्ल्यूएस) का सक्रिय तपेदिक के लिए इलाज किया गया था (1992 - 2001), 43 में एक्स्ट्रापल्मोनरी और 5% में एमडीआर तपेदिक रिपोर्ट की गई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि यह केवल एक अनुमान है। उसके बाद से चंडीगढ़, सेवाग्राम, पुणे और दिल्ली से भी रिपोर्ट प्रकाशित की गई हैं। ये अध्ययन स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि भारत में अस्पतालों में नर्सों, प्रशिक्षुओं और रेजिडेंट में सक्रिय तपेदिक 10 गुना अधिक है। अक्सर यह हालिया होता है क्योंकि यह रोग अधिकतर एक्सट्रापल्मोनरी होता है।

भारत को तपेदिक के विरुद्ध हमारे युद्ध में आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सरकारी और संस्थागत स्तर पर निदान, उपचार और रोकथाम के लिए जागरूकता दिशानिर्देशों की आवश्यकता है।

1. **डॉ. श्रीधर शर्मा, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

क) 21 जुलाई 2016 को एम्स, नई दिल्ली में निवारक मनोचिकित्सा: एक अवलोकन।

मनोचिकित्सा में निवारण की अवधारणा विकसित हो रही है लेकिन इसकी सीमा कम परिभाषित है। निवारक मनोचिकित्सा का उद्देश्य जोखिम, सुरक्षात्मक कारकों को पहचान कर मानसिक विकारों और व्यवहार संबंधी समस्याओं को कम करना और प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक निवारण ढांचे में साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों को लागू करना है। एक सार्वजनिक मानसिक स्वास्थ्य ढांचे के भीतर स्थित निवारक मनोचिकित्सा, मौजूदा मनोरोग अभ्यास में महत्वपूर्ण निवारक तत्वों को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। निवारण के क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा सकते हैं। इनमें मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार, तकनीकी सलाहकार, कार्यक्रम नेता, शोधकर्ताओं और निवारक देखभाल प्रदाताओं की उनकी भूमिका शामिल है।

(ख) 30 नवंबर से 4 दिसंबर, 2016 तक विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ (डब्लयुएएसपी) में वैश्वीकरण और विविधता: मानसिक क्षेत्र में उभरती चुनौतियां और अवसर।

हाल ही के समय में, वैश्वीकरण के घटनाक्रम ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है और स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य सहित समकालीन मानव अस्तित्व के अन्य सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण फैलाव के साथ अर्थशास्त्र की वैश्विक प्रणाली में सबसे प्रभावशाली शक्ति बन कर उभरा है।

वैश्वीकरण विश्व के सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से पृथक सुदूर भागों को कार्यात्मक रूप से समीप लाता है। यह एक राजनीतिक एकध्रुवीय दुनिया में प्रौद्योगिकी और वैश्विक अर्थशास्त्र के तेजी से विकास के कारण संभव हो पाया है। वैश्वीकरण ने विश्व परिदृश्य को बदल दिया है और इसे स्थूल और सूक्ष्म दोनों स्तरों पर देखा जाना चाहिए। स्थूल स्तर पर, वैश्वीकरण स्वास्थ्य नीति में कुछ परिवर्तनों को जन्म देता है और सूक्ष्म स्तर पर उपभोक्ताओं और स्थानीय विकास के लिए निहितार्थ हैं। उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच और इन देशों के भीतर भी परस्पर पूरक और परस्पर विरोधी हित हैं। इसके परिणामस्वरूप हो रहे संकट की जड़ें बाजार की अर्थव्यवस्था में हैं। वैश्वीकरण ने निश्चित रूप से चिकित्सकों को नया अवसर और रोगियों को लाभ प्रदान किया है परंतु विकासशील देशों के उपभोक्ताओं के लिए कुछ कठिनाईयां भी हुई हैं।

समकालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और स्वास्थ्य क्षेत्रों में वैश्वीकरण के संभावित प्रभाव देखे जाते हैं। वैश्वीकरण की बहुमुखी प्रकृति के कारण स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को समझना आवश्यक है और इसके प्रभाव को देखने के लिए भिन्न - भिन्न तरीकों को भी पहचानना आवश्यक है। यह अब एक अधिक व्यापक घटनाक्रम के रूप में विकसित हो रहा है जो कई कारकों और घटनाओं से आकार लेता है जो हमारे समाज को प्रभावित कर रहे हैं। यह लेख मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को चित्रित करेगा।

ग) एशिया में विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ का इतिहास

सामाजिक मनोचिकित्सा शब्दावली की लंबी परंपरा है। 1803 में रील ने "मनोचिकित्सा" शब्द प्रस्तुत किया। 1903 में पहली बार 'सामाजिक' शब्द को मनोचिकित्सा से जोड़ा गया था, जब सक्सोनी में ग्रॉब-स्च्विदनिट्ज़ पागलखाने के जार्ज इल्बर्ग ने "सोज़ियाले साइकियाट्री" नामक लेख लिखा था। इल्बर्ग ने सामाजिक मनोचिकित्सा को उन हानिकारक प्रभावों के सिद्धांत के रूप में परिभाषित किया है जो आबादी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और उनके निवारण के लिए उपयोगी साधन हैं।

कुल मिलाकर सामाजिक मनोचिकित्सा मन के विकार और मानव पर्यावरण के मध्य संबंधों से संबद्ध है। यह उन शक्तियों का अध्ययन करता है जो व्यक्तियों और उनके आस-पास के बीच के अंतरफलक पर कार्य करते हैं और जिनका मानसिक विकारों के आरंभ, विकास और परिणाम में योगदान हो सकता है।

1964 में, जोशना बीरर ने सामाजिक मनोचिकित्सा की पहली कांग्रेस का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक मनोचिकित्सा संघ बाद में विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ बन गया। पहले दशक के दौरान विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ की गतिविधियां और कांग्रेस अधिकतर यूरोपीय देशों में ही केंद्रित थी। 1984 में रांची में भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी की वार्षिक बैठक के दौरान भारतीय सामाजिक मनोचिकित्सा संघ (आईएएसपी) की एक कोर समिति का गठन किया गया और पहली कांग्रेस तमिलनाडु में कोडाईकनाल में आयोजित की गई थी। तब से भारतीय संघ बहुत शक्तिशाली हो गया है और विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ के विकास में महत्तवपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारतीय सामाजिक मनोचिकित्सा संघ ने सामाजिक मनोचिकित्सा की तीन विश्व कांग्रेस का आयोजन किया है और विश्व सामाजिक

मनोचिकित्सा संघ को दो अध्यक्ष दिए हैं। भारत के अतिरिक्त जापान ने भी विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ के कारणों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस प्रकार आज एशिया में सामाजिक मनोचिकित्सा की एक बड़ी प्रासंगिकता है और एक उज्जवल भविष्य है। लेख अन्य एशियाई देशों में सामाजिक मनोचिकित्सा की वृद्धि को उजागर करेगा।

एनएएमएस वेबसाइट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की अपनी वेबसाइट है, जिसका पता **http://nams-india.in** है, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ विश्व के किसी भी हिस्से से पहुंची जा सकती है। अकादमी और इसकी गतिविधियों के बारे में लगभग सभी महत्वपूर्ण जानकारी, अधिगम संसाधन सामग्री, सीएमई कार्यक्रमों का ब्यौरा, वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों के अभिभाषण और वर्तमान प्रौद्योगिकी की अन्य उपयोगी सामग्री आसानी से इस वेबसाइट पर जाकर प्राप्त की जा सकती है। मुख्य पृष्ठ पर निम्नलिखित के बारे में जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है:

एनएएमएस नियम और विनियम, पदाधिकारी, परिषद् के सदस्य, अध्येता और सदस्य (वर्ष-वार), सीएमई कार्यक्रम के वित्तपोषण के लिए आवेदन प्रस्तुत करने हेतु दिशानिर्देश, शैक्षणिक कैलेंडर, व्याख्यान और पुरस्कार, एनएएमएस के वर्ष वृत्तांत (प्रकाशित लेखों के सार), एनएएमएस प्रकाशित मोनोग्राफ, एनएएमएस राष्ट्रीय सम्मेलन 2016 (संपूर्ण कवरेज), डाउनलोड (संगोष्ठियों, सेमिनार, कार्यशालाओं, सीएमई कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रारूप और लेखकों के लिए एनएएमएस वर्ष वृत्तांत के लिए लेख भेजने के लिए निर्देश) और एनएएमएस के आगामी वार्षिक सम्मेलन के बारे में जानकारी आदि।

वर्तमान में नैम्स में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) कनेक्टिविटी उत्कृष्ट है और सभागार से संचालित की जाने वाली कई सीएमई / कार्यशालाएं पाइपलाइन में हैं जिससे नैम्स वैज्ञानिक कार्यक्रम की आभासी उपस्थिति में भी वृद्धि हो जाए। हमारा उद्देश्य अकादमी की सतत सफलता के लिए है और अकादमी सरकार के चिकित्सा और सामाजिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उपलब्धियों को प्रोत्साहित, वृद्धि और संवर्धित करेगी। व्यापक दर्शकों के लिए आभासी नेटवर्क पर विभिन्न संस्थानों को जोड़ने के द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) कनेक्टिविटी का उपयोग करके प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि की जा सकती है। 1500 से अधिक संस्थान पहले से ही राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ संबद्ध हैं, जो सीमा रहित एक ज्ञान-आधारित समाज बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह ज्ञान, समुदाय और बड़े पैमाने पर इच्छुक मानव जाति के लिए अद्वितीय लाभ प्रदान करेगा। शैक्षणिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले और स्वास्थ्य और चिकित्सा धारा के अंतर्गत पेशेवर संस्थानों सहित सभी जीवंत संस्थान राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क का उपयोग करके जानकारी और ज्ञान तक पहुंचने के लिए और अपने को और

समाज को संबद्ध लाभ प्राप्त करने में अंतरिक्ष और समय की सीमाएं पार करने में सक्षम होंगे। सभी एम्स जैसे संस्थान और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क का भाग हैं। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क पर सीएमई गतिविधियों का प्रसार निश्चित रूप से इन सीएमई गतिविधियों से लाभ प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि करता है।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

वित्तीय रिपोर्ट

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

सरकारी अनुदान

योजना

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अकादमी को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 'योजना' के तहत स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और उसके विरुद्ध गत 3 वर्षों (2014-15 से 2016-17) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय (खरीदी गई परिसंपत्तियों सहित)
2014-15	110.00	60.00	67.22
2015-16	100.00	65.41	72.23
2016-17	110.00	73.97	101.88

'योजना' के अंतर्गत वर्ष 2014-15 और 2016-17 के दौरान व्यय का आधिक्य पूर्व वर्षों में व्यय नहीं किए गए अनुदान से पूरा किया गया था।

गैर-योजना

मंत्रालय द्वारा स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और 'गैर-योजना' के तहत गत 3 वर्षों (2014-15 से 2016-17) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय	अभ्युक्तियां
2014-15	55.00	55.00	73.99	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।
2015-16	55.00	53.00	66.70	व्यय का आधिक्य अकादमी द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।
2016-17	55.00	55.00	66.54	व्यय का आधिक्य अकादमी

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय	अभ्युक्तियां
				द्वारा सृजित राजस्व से पूरा किया गया है।

वित्त

वर्ष 2016-17 के दौरान अध्येताओं और सदस्यों से आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में 45,58,000/- रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त 45,30,971/- रुपए की राशि सावधि जमा पर ब्याज के कारण प्राप्त हुई।

लेखा

वर्ष 2016-17 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड लेखाकार द्वारा पूरी कर ली गई है। परिषद ने 23 सितम्बर, 2015 को आयोजित अपनी बैठक में लेखा विवरण भी अनुमोदित किया है। अब इनको आम सभा द्वारा अपनाए जाने के लिए सिफारिश की जाती है।

लेखा

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली।

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ("अकादमी") के संलग्न वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन-पत्र और समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा, तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकारक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी है जो, अकादमी के धर्मार्थ संस्था होने के कारण उस पर लागू, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार अकादमी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन का सही और निष्पक्ष रूप प्रस्तुत करें। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुरक्षण निहित है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार दे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री के ग़लत बयान से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में, कि क्या वित्तीय विवरण गलत विवरण से मुक्त हैं, उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें।

लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त के लिए प्रक्रियाएँ शामिल होती है। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन निहित है, पर निर्भर करती हैं । इस जोखिम का आकलन करते हुए लेखा परीक्षक अकादमी द्वारा

वित्तीय विवरणों की तैयारी और सही प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितयों के अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा बनाता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों की उपयुक्तता का आकलन और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण लेखा अनुमानों का औचित्य तथा साथ ही समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

i. तुलन-पत्र के मामले में अकादमी की 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति कार्यकरण

ii. आय-व्यय लेखा के मामले में उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए व्यय की अपेक्षा आय का आधिक्य।

विषय का महत्व

अपनी राय को योग्य ठहराए बिना, हम निम्नलिखित की ओर ध्यान आकर्षित करते हैः

- अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और बहियों से उसका समंजन लंबित है।
- सावधि जमा राशि की परिपक्वता पर ब्याज जमाखाते हुआ।

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

हस्ताक्षर
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

आय और व्यय लेखा (समेकित)

(राशि रुपए)

आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसंधान कार्य		
अनुदान	83,97,000.00	65,41,000.00
अर्जित ब्याज	54,909.00	40,373.00
अकादमी		
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	4,29,210.00	2,17,000.00
अनुदान	55,00,000.00	53,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	7,63,000.00	6,19,000.00
अर्जित ब्याज	45,30,971.00	30,88,511.00
अन्य आय	2,100.00	30,33,072.24
जोड़ (क)	**1,96,77,190.00**	**1,88,38,956.24**
व्यय		
अनुसंधान कार्य		
स्थापना व्यय	35,98,406.00	28,48,415.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	40,94,756.00	27,64,646.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	15,82,741.00	11,46,694.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	3,01,851.00	2,03,551.00
पूंजीगत व्यय	6,101,127.00	2,59,798.00
अकादमी		
स्थापना व्यय	27,94,381.50	41,52,343.00
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	38,59,348.00	25,17,896.50
जोड़ (ख)	**1,68,41,610.50**	**1,38,93,343.50**
कुल जोड़ (क - ख)	**28,35,579.50**	**49,45,612.74**

ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह./-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह./-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12 सितम्बर, 2017

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को यथास्थिति तुलन-पत्र

(राशि रुपए)

संचित निधि/पूंजी निधि और देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संचित/पूंजी निधि	1	4,81,76,859.64	3,90,47,298.14
प्रारक्षित निधि और अधिशेष	2	6,26,519.58	6,26,519.58
पूंजी परिसंपत्ति निधि	3	1,96,00,329.25	1,93,94,647.25
निर्धारित/धर्मादा निधि (सरकारी)	4	-19,18,668.00	-1,82,696.00
निर्धारित/धर्मादा निधि (गैर-सरकारी)	5	74,57,369.48	54,32,645.48
चालू देयताएं और प्रावधान	6	98,017.00	48,017.00
जोड़		**7,40,40,416.95**	**6,43,66,431.45**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां	7	1,96,00,329.25	1,98,55,951.41
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम	8	5,44,40,087.700	4,49,71,784.20
जोड़		**7,40,40,40,416.95**	**6,48,27,735.60**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अनुसंधान कार्य के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय			
अनुदान	4	83,97,000.00	65,41,000.00
शुल्क/ अभिदान		-	-
अर्जित ब्याज	4	54,909.00	40,373.00
अन्य आय		-	-
जोड़ (क)		**84,51,909.00**	**65,81,373.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	4	35,98,406.00	28,48,415.00
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	4	40,94,756.00	27,64,646.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	4	15,82,741.00	11,46,694.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	4	3,01,851.00	2,03,551.00
पूंजीगत व्यय	4	6,10,127.00	2,59,798.00
जोड़ (ख)		**1,01,87,881.00**	**72,23,104.00**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		(17,35,972.00)	(6,41,731.00)
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अनुसंधान गतिविधियों के लिए अनुसूची 4 के अनुसार ब्यौरा		**(17,35,972.00)**	**(6,41,731.00)**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अकादमी के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	9	4,29,210.00	2,17,000.00
अनुदान	10	55,00,000.00	53,00,000.00
शुल्क/ अभिदान	11	7,63,000.00	6,19,000.00
अर्जित ब्याज	12	45,30,971.00	30,88,511.00
अन्य आय	13	2,100.00	30,33,072.24
जोड़ (क)		**1,12,25,281.00**	**1,22,57,583.24**
व्यय			
स्थापना व्यय	14	27,94,381.50	41,52,343.00
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	15	38,59,348.00	25,17,896.50
अनुदानों, आर्थिक सहायता पर व्यय	16	--	--
जोड़ (ख)		**66,53,729.50**	**66,70,239.50**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		45,71,551.50	55,87,343.70
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अधिशेष/(कमी)) का शेष संचित/पूंजी निधि को अग्रेनीत		**45,71,551.50**	**55,87,343.74**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 1 - संचित/पूंजी निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	3,90,74,298.14		2,97,62,954.40	
जोड़े: प्रवेश शुल्क	45,58,000.00		36,97,000.00	
जोड़े संचित/पूंजी निधि को अंशदान	--		--	
घटाएंः पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण	--		--	
जोड़े/(घटाएं): आय और व्यय का लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	45,71,551.50	4,81,76,849.64	55,87,343.74	3,90,47,298.14
वर्ष के अंत में शेष		**4,81,76,849.64**		**3,90,47,298.14**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 - प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1.	**पूंजी प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2.	**पूनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3.	**विशेष प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4.	**सामान्य प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
5.	**उपस्कर निधि और इमारत निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि	--		--	
	घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि	--		--	

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
को अंतरण				
6. इमारत निधि (अनुरक्षण)				
पिछले लेखे के अनुसार	6,26,519.58		6,26,519.58	
वर्ष के दौरान वृद्धि				
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		6,26,519.58		6,26,519.58
जोड़		**6,26,519.58**		**6,26,519.58**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2016 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - पूंजी परिसंपत्ति निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
निधि का अथशेष	1,93,94,647.25		2,02,81,660.25	
		1,93,94,647.25		2,02,81,660.25
जोड़ें: सीएमई कार्यक्रम अनुदान के अधीन पूंजी परिसंपत्तियां	6,10,127.00		2,59,798.00	
जोड़े: पूंजी परिसंपत्तियां अन्य अनुदान		6,10,127.00		2,59,798.00
घटाएं: रद्दी की गई/ चोरी हुई परिसंपत्तियां	(4,04,445.00)	(4,04,445.00)	(11,46,811.00)	(11,46,811.00)
		1,96,00,329.25		**1,93,94,647.25**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि)

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		**पिछला वर्ष**	
(क) निधियों का अथशेष		(1,82,696.00)		4,59,035.00
(ख) निधियों में वृद्धियां				
i. दान/अनुदान(अनुबंध-क)	83,97,000.00		65,41,000.00	
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय	54,909.00		40,373.00	
iii. अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)		84,51,909.00		65,81,373.00
घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण (अनुसूची 17 की टिप्पणी सं. 9 का संदर्भ लें)				
जोड़ (क + ख)		**82,69,213.00**		**70,40,408.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि) ज़ारी.....

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**				
i.	**पूंजी व्यय**				
	- अचल परिसंपत्तियां	6,10,127.00	6,10,127.00	2,59,798.00	2,59,798.00
	- अन्य				
ii.	**राजस्व व्यय**				
	- वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि (अनुबंध-ख)	35,98,406.00		28,48,415.00	
	- किराया	-		-	
	- सीएमई कार्यक्रम के लिए अनुदान निर्गमन(अनुबंध-ग)	15,82,741.00		11,46,694.00	
	- अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुबंध-घ)	40,94,756.00		27,64,646.00	
	- नैम्स अनुसंधान केंद्र-जोधपुर के व्यय	3,01,851.00	95,77,754.00	2,03,551.00	69,63,306.00
जोड़ (ग)			**101,87,881.00**		**72,23,104.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष		(क + ख + ग)	**(19,18,668.00)**		**(1,82,696.00)**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - क

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
दान/ अनुदान		
अनुदान - सामान्य	50,00,000.00	35,32,000.00
अनुदान - वेतन	30,50,000.00	27,34,000.00
अनुदान - पूंजी	3,47,000.00	2,75,000.00
जोड़	**83,97,000.00**	**65,41,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - ख

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
क)	वेतन और मजदूरी	32,36,685.00	25,60,590.00
ख)	भत्ते और बोनस		
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	2,57,349.00	2,13,666.00
घ)	अन्य निधि में अंशदान (निर्दिष्ट करें) कें.स.स्वा.यो.	1,07,576.00	61,472.00
	घटाएंः कें.स.स्वा.यो. वसूली	(7,200.00)	(10,800.00)
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	3,996.00	23,487.00
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ		
छ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	जोड़	**35,98,406.00**	**28,48,415.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - ग

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय			
क)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (अंतःस्थानिक)	3,26,613.00	4,10,646.00
ख)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (बाह्यस्थानिक)	11,95,342.00	7,36,048.00
ग)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (प्रायोगिक कार्यक्रम)	60,786.00	
घ)	संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
	जोड़	**15,82,741.00**	**11,46,694.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध - घ

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि			
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल	1,83,363.00	1,50,238.00
ख)	बीमा	7,547.00	6,840.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण	17,72,059.00	4,12,307.00
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण	47,600.00	25,134.00
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार	2,29,876.00	2,31,754.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री	3,21,923.00	3,35,557.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय	45,999.00	3,25,026.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय (टेली - शिक्षा)	39,774.00	18,176.00
झ)	अभिदान व्यय		
ञ)	शुल्क पर व्यय		
ट)	लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक	25,875.00	22,900.00
ठ)	आतिथ्य व्यय	59,649.00	32,308.00
ड)	व्यावसायिक/ परामर्श प्रभार	11,35,851.00	10,80,108.00
ढ)	डुबंत और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान		
ण)	बट्टे खाते डाले गए अप्रत्यादेय शेष		
त)	विज्ञापन और प्रचार		

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
थ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	-बैठक शुल्क	2,24,500.00	1,32,500.00
	-बैंक प्रभार	740.00	1,798.00
	-अधिगम स्त्रोत सामग्री व्यय	-	-
	-चिकित्सा व्यय	-	-
	- पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएं	-	-
	जोड़	**40,94,756.00**	**27,64,646.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 का अनुबंध – ड़

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नैम्स अनुसंधान केंद्र - जोधपुर का व्यय विवरण			
क)	सीएमई कार्यक्रम	10,838.00	26,089.00
ख)	नैम्स के वार्षिक वृत्तांत का प्रकाशन	1,77,750.00	1,37,000.00
ग)	डाक व्यय	1,13,263.00	40,462.00
	जोड़	**3,01,851.00**	**2,03,551.00**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**							
		1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
		जन. अमीर चन्द व्याख्यान निधि	आरोग्य आश्रम समिति निधि	बम्बई व्याख्यान निधि	डॉ के. एल. विग स्मारक व्याख्यान निधि	डॉ आर. वी. राजम व्याख्यान निधि	डॉ आर. एम. कासलीवाल निधि	डॉ एस. एस. मिश्रा चिकित्सा पुरस्कार निधि	श्री राम स्मारक पुरस्कार निधि
क)	**निधियों का अथशेष**	31,436.50	51,189.03	92,231.00	2,76,133.55	28,249.69	3,100.88	(26,508.30)	26,135.54
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	28,860.00	8,725.00	7,914.00	1,43,913.00	15,603.00	3,822.00	3,070.00	3,392.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**60,296.50**	**59,914.03**	**1,00,145.00**	**4,20,046.55**	**43,852.69**	**6,922.88**	**(23,438.30)**	**29,527.54**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपत्तियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-			-	-	-	
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	14,453.00	32,973.00	-	-	15,173.00	-	13,481.00	-
जोड़		**14,453.00**	**32,973.00**	**-**	**-**	**15,173.00**	**-**	**13,481.00**	**-**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								-
जोड़ (ग)		**14,453.00**	**32,973.00**	**-**	**-**	**15,173.00**	**-**	**13,481.00**	**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**45,843.50**	**26,941.03**	**1,00,145.00**	**4,20,046.55**	**28,679.69**	**6,922.88**	**(36,919.30)**	**29,527.54**

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		निधि-वार आंकड़े							
		9	10	11	12	13	14	15	16
		श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार निधि	कर्नल संघम लाल धर्मादा निधि	डॉ वी. आर. खानोल्कर व्याख्यान निधि	डॉ विमला विरमानी पुरस्कार निधि	पश्चिम बंगाल आंचलिक निधि	डॉ पी. एन. छुट्टानी व्याख्यान निधि	डॉ बी. के. आनंद व्याख्यान निधि	नैम्स-2007 अमृतसर पुरस्कार निधि
क)	**निधियों का अथशेष**	(19,572.87)	80,108.20	37,498.66	56,843.53	53,416.07	1,71,517.00	3,51,359.00	1,16,157.00
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	2,632.00	25,328.00	19,774.00	8,824.00	4,372.00	290,516.00	1,14,580.00	24,790.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**(16,940.87)**	**1,05,436.20**	**57,272.66**	**65,667.53**	**57,788.07**	**4,62,033.00**	**4,65,939.00**	**1,40,947.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपत्तियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	22,749.00	38,830.00	27,924.00	-	52,831.00	-	10,917.00
जोड़		-	**22,749.00**	**38,830.00**	**27,924.00**	-	**52,831.00**	-	**10,917.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)		-	**22,749.00**	**38,830.00**	**27,924.00**	-	**52,831.00**	-	**10,917.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**(16,940.87)**	**82,627.20**	**18,442.66**	**37,743.53**	**57,788.07**	**4,09,202.00**	**4,65,939.00**	**1,30,030.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**							
		17	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**
		स्वर्ण जयंती निधि	**नैम्स स्वर्ण जयंती यात्रा अध्येतावृत्ति**	**भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ डॅटिस्टी**	**डॉ बलदेव सिंह व्याख्यान निधि**	**पंजाब सरकार**	**डॉ एस. एस. सिद्धू व्याख्यान निधि**	**डॉ ए. इंद्रायन पुरस्कार निधि**	**डॉ जानकी स्मारक व्याख्यान निधि**
क)	**निधियों का अथशेष**	5,19,252.00	4,53,833.00	1,66,415.00	3,60,977.00	79,928.00	2,37,294.00	2,39,479.00	5,92,726.00
ख)	**निधियों में वृद्धियां**								
i	दान/अनुदान								
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	43,595.00	31,869.00	2,54,837.00	31,869.00	-	1,85,964.00	1,62,985.00	51,800.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)		**5,62,847.00**	**4,85,702.00**	**4,21,252.00**	**3,92,846.00**	**79,928.00**	**4,23,258.00**	**4,02,464.00**	**6,44,526.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i	**पूंजी व्यय**								
	-अचल परिसंपत्तियां								
	-अन्य								
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii	**राजस्व व्यय**								
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
	-किराया								
	-अन्य प्रशासनिक व्यय								
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	-		31,390.00	-	5,957.00	-	11,286.00
जोड़			-	-	-	**31,390.00**	-	**5,957.00**	-	**11,286.00**
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)			-	-	-	**31,390.00**	-	**5,957.00**	-	**11,286.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**5,62,847.00**	**4,85,702.00**	**4,21,252.00**	**3,61,456.00**	**79,928.00**	**4,17,301.00**	**4,02,464.00**	**6,33,240.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)		**निधि-वार आंकड़े**					
		25	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
		डॉ जे. जी. जॉली व्याख्यान निधि	**डॉ वी. के. भार्गव पुरस्कार निधि**	**डॉ ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार निधि**	**प्रो. जे. एस. बजाज पुरस्कार निधि**	**डॉ एन. सूर्यानरण राव पुरस्कार निधि**	**प्रो. के. एन. शर्मा व्याख्यान निधि**
क)	**निधियों का अथशेष**	5,90,598.00	2,08,407.00	2,18,177.00	65,000.00	1,67,950.00	-
ख)	**निधियों में वृद्धियां**						
i	दान/अनुदान						
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	64,751.00	21,212.00	1,870.00	15,000.00	19,431.00	5,07,571.00
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान						
जोड़ (क + ख)		**6,55,349.00**	**2,29,619.00**	**2,20,047.00**	**80,000.00**	**1,87,381.00**	**5,07,571.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**						
i	**पूंजी व्यय**						
	-अचल परिसंपत्तियां						
	-अन्य						-
	जोड़						
ii	**राजस्व व्यय**						
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि						
	-किराया						
	-अन्य प्रशासनिक व्यय						
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	14,189.00	-	-	957.00	-
जोड़		-	**14,189.00**	-	-	**957.00**	-
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**						
जोड़ (ग)		-	**14,189.00**	-	-	**957.00**	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**6,55,349.00**	**2,15,430.00**	**2,20,047.00**	**80,000.00**	**1,86,424.00**	**5,07,571.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 5 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)				**कुल जोड़**		
		डॉ सत्य गुप्ता पुरस्कार निधि	**चालू वर्ष**		**पिछला वर्ष**	
क)	**निधियों का अथशेष**			54,32,645.48		1,13,25,759.72
ख)	**निधियों में वृद्धियां**					
i	दान/अनुदान	2,03,315.00	7,26,536.00		2,03,315.00	
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय	2,18,965.00	15,76,298.00		9,91,930.00	
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान		15,000.00	23,17,834.00	15,000.00	12,10,645.00
जोड़ (क + ख)		**4,22,280.00**		**77,50,479.48**		**1,25,36,004.72**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**					
i	**पूंजी व्यय**					
	-अचल परिसंपत्तियां					
	-अन्य					
	जोड़					
ii	**राजस्व व्यय**					
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि					
	-किराया					
	-अन्य प्रशासनिक व्यय					
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)					
जोड़			2,93,110.00	-	40,78,687.00	
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**	-		2,93,110.00	30,24,672.24	71,03,359.24
जोड़ (ग)		-		**2,93,110.00**		71,03,359.24
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**4,22,280.00**		**74,57,369.00**		**54,32,645.48**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6- चालू देयताएं

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
चालू देयताएं				
1. जमानत जमा राशि	97,017.00	97,017.00	48,017.00	48,017.00
अग्रिम धन - एक्सप्रैस हाउसकीपर्स 5,000.00				
अग्रिम धन - हैदर कांट्रैक्टर 15,400.00				
अग्रिम धन - एल.आर. शर्मा व कंपनी 2,617.00				
अग्रिम धन - के.एस.एल. इंटरप्राइसिस 25,000.00				
जोड़		**97,017.00**		**48,017.00**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7- अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
क	**अचल परिसंपत्तियां**										
1.	**भूमिः**										
क)	फ्री होल्ड	97,405.00	-	-	97,405.00				-	97,405.00	97,405.00
ख)	पट्टाधारित	-	-	-	-				-		
2.	**इमारतः**										
क)	फ्री होल्ड भूमि पर	1,01,70,878.87	-	-	1,01,70,878.87				-	1,01,70,878.87	1,01,70,878.87
ख)	पट्टाधारित भूमि पर	-	-	-	-				-	-	-
ग)	स्वामित्वाधीन फ्लैट/ परिसर	-	-	-	-				-	-	-

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
घ)	संगठन के अस्वामित्वाधीन भूमि पर बड़ी संरचना	-	-	-	-				-	-	-
3.	संयत्र, मशीनरी और उपस्कर	17,57,080.00	-	-	17,57,080.00				-	17,57,080.00	17,57,080.00
4	वाहन	10,15,131.00	-	4,04,445.00	6,10,686.00				-	6,10,686.00	10,15,131.00
5.	फर्नीचर, जुड़नार	18,96,479.98	-		18,96,479.98				-	18,96,479.98	18,96,479.98
6.	कार्यालय उपस्कर	22,67,933.29	41,110.00		23,09,043.29				-	23,09,043.29	22,67,933.29
7.	कंप्यूटर/पेरिफेरल्स	16,75,783.47	3,800.00	-	16,79,583.47				-	16,79,583.47	16,75,783.47
8.	विद्युत संस्थापनाएं	52,651.48	-	-	52,651.48				-	52,651.48	52,651.48
9.	पुस्तकालय की पुस्तकें	-	-	-	-				-	-	-
10.	नलकूप और जलापूर्ति	-	-	-	-				-	-	-

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

(राशि रुपए)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
11. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इकाई	-	5,65,217.00		5,65,217.00					5,65,217.00	4,61,304.16
12. अन्य अचल परिसंपत्तियां	4,61,304.16	-	-	4,61,304.16				-	4,61,304.16	4,61,304.16
चालू वर्ष का योग	**1,93,94,647.25**	**6,10,127.00**	**4,04,445.00**	**1,96,00,329.25**	-	-	-	-	**1,96,00,329.25**	**1,98,55,951.41**
पिछला वर्ष	**2,02,81,660.25**	**259,798.00**	**11,46,811.00**	**1,93,94,647.25**	-	-	-	-		
ख										
जोड़	**1,93,94,647.25**	**6,10,127.00**	**4,04,445.00**	**1,96,00,329.25**	-	-	-	-	**1,96,00,329.25**	**1,98,55,951.41**

ह0/-
(डॉ मूकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
क. चालू परिसंपत्तियां				
1. हस्तगत नकद शेष (चेक/ ड्राफ्ट और पेशगी सहित	2,023.00	2,023.00	32,246.00	32,246.00
2. बैंक में शेष				
क) अनुसूचित बैंक में निर्धारित/धर्मादा निधियां				
-चालू खाते पर				
-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	72,34,408.00		53,67,722.00	
-बचत खाते पर	29,39,420.12	1,01,73,828.12	43,20,572.12	96,88,294.12
अन्य				
-चालू खाते पर	17,21,104.00		12,32,794.50	
-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	3,39,62,236.00		2,72,75,107.00	
-बचत खाते पर	23,46,338.39	3,80,29,678.39	21,87,946.39	3,06,95,847.89
ख गैर अनुसूचित बैंक में				
जोड़ (क)		**4,82,05,529.51**		**4,04,18,388.01**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि **(राशि रुपए)**

			चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
ख	**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**					
1.	अग्रिम					
क	कर्मचारी (त्योहार)		14,720.00		21,020.00	
ख	अन्य			14,720.00		21,020.00
2.	**नकद अथवा वस्तु में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां**					
क	प्रतिभूति राशि		3,20,790.00		3,18,880.00	
	विद्युत	1,54,315				
	महा.टे.नि.लि.	17,371				
	कैं.लो.नि.वि.	1,47,069				
	न.दि.न.पा.	125				
	कार्यालय अग्रदाय	410				
	स्टाफ कार पेट्रोल	1500				
ख	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से देय		20,61,926.19		13,05,812.19	
ग	अन्य उपार्जित ब्याज		28,31,104.00	52,13,820.19	18,88,577.00	35,13,269.19
3.	**अन्य**					
क	वसूली योग्य राशि					
ख	आय कर		10,06,018.00	10,06,018.00	10,19,107.00	10,19,107.00
	2012-13	2,12,243.00				
	2013-14	85,321.00				
	2014-15	1,28,761.00				
	2015-16	2,87,018.00				
	2016-17	2,92,675.00				
जोड़				**62,34,558.19**		**45,53,396.19**
जोड़ (क + ख)				**5,44,40,087.70**		**4,49,71,784.20**

ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली

दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8 का अनुबंध – ड़ **(राशि रुपए)**

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से मिलने वाले 50% भाग का विवरण	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
वेतन (इमारत स्टाफ)	11,62,988.00	
जोड़ें - कें.क.स्वा.यो. योगदान	30,736.00	
जोड़ें - भविष्य निधि योगदान/ प्रशासनिक प्रभार	1,13,963.00	
	13,07,687.00	
घटाएं - कें.क.स्वा.यो. वसूली	6,350.00	
	13,01,337.00	
मजदूरी खाता	63,000.00	
सुरक्षा सेवा प्रभार	6,15,819.00	
हाउसकीपिंग प्रभार	3,03,522.00	
विद्युत व जल प्रभार	3,64,541.00	
मरम्मत व रखरखाव खाता	14,60,133.00	
उद्यान व्यय	15,500.00	
जोड़	41,23,852.00	
50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड भाग	20,61,926.00	
जोड़ें - अथशेष	0.19	
	20,61,926.19	13,05,812.19
जोड़	**20,61,926.19**	**13,05,812.19**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 9- बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	बिक्री से आय		
क)	अनुपस्थिति में स्क्रॉल, स्क्रैप, एनल्स, निविदा आदि की बिक्री	4,29,210.00	2,17,000.00
2	सेवाओं से आय		
क)	श्रम और प्रसंस्करण प्रभार	-	-
जोड़		**4,29,210.00**	**2,17,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 10- अनुदान/आर्थिक सहायता

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
(अप्रत्यादेय अनुदान/ प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केंद्र सरकार	55,00,000.00	53,00,000.00
2) राज्य सरकार (सरकारें)		
3) सरकारी अभिकरण		
4) संस्थान/कल्याण निकाय		
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
जोड़	**55,00,000.00**	**53,00,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11 - शुल्क/अभिदान

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क		
क) पंजीकरण शुल्क	30,000.00	25,000.00
ख) दाखिला शुल्क		
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	7,33,000.00	5,94,000.00
जोड़	**7,63,000.00**	**6,19,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 12- अर्जित ब्याज **(राशि रुपए)**

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	सावधि जमा पर		
क)	अनुसूचित बैंकों में (2,92,675/- रुपए स्रोत पर कर की कटौती सहित) (पिछला वर्ष 2,87,018/-रुपए)	41,41,427.00	29,81,421.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में		
ग)	संस्थानों में		
घ)	अन्य		
2)	बचत खाते पर		
क)	अनुसूचित बैंकों में	3,89,544.00	1,07,090.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में		
ग)	संस्थानों में		
घ)	अन्य		
3)	अन्य प्राप्तव्यों पर ब्याज	-	-
जोड़		**45,30,971.00**	**30,88,511.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 13- अन्य आय

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
1)	परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ			
क)	स्वामित्वाधीन परिसंपत्तियां			
ख)	अनुदानों से अधिग्रहित अथवा निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां			
2)	विविध आय			
क)	स्टाफ कार का व्यक्तिगत उपयोग	2,100.00	2,100.00	8,400.00
ख)	सी.पी.एफ. का अधिशेष (समाप्त)			30,24,672.00
जोड़			**2,100.00**	**30,33,072.24**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 14- स्थापना व्यय **(राशि रुपए)**

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन और मजदूरी		25,54,400.00	39,19,676.50
ख)	भत्ते और वेतन			
ग)	भविष्य निधि में अंशदान		2,32,638.50	1,92,262.50
घ)	अन्य निधि में अंशदान			
	कें.स.स्वा.योजना	15,368.00	-	-
	घटाएं: कें.स.स्वा.योजना वसूली	8,025.00	7,343.00	40,404.00
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय			
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ			
छ)	अन्य			
जोड़			**27,94,381.50**	**41,52,343.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 15- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि

(राशि रुपए)

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल		1,82,270.50	1,79,706.00
ख)	बीमा		6,318.00	6,263.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण		8,89,577.50	2,52,266.50
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण			
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार		2,33,719.00	2,49,178.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री		3,93,734.00	4,52,098.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय		4,70,678.00	3,57,101.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय			
झ)	अभिदान व्यय			
ञ)	शुल्क पर व्यय			
ट)	लेखापरीक्षक का पारिश्रमिक		25,875.00	22,900.00
ठ)	आतिथ्य व्यय		66,158.00	37,827.00
ड)	व्यावसायिक प्रभार		6,26,745.00	3,30,152.00
ढ)	डुबंत और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान			
ण)	बट्टे खाते डाला गया अप्रत्यादेय शेष		-	-
त)	विज्ञापन और प्रचार		-	-
थ)	अन्य:			
	बैंक प्रभार	6,270.50		4,140.50
	सुरक्षा प्रभार	3,07,909.50		2,82,544.00

			(राशि रुपए)
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैठक शुल्क	2,82,000.00		2,95,000.00
चिकित्सा व्यय	-		5,657.00
ब्रोच/ टाई लागत	-		24,188.00
विविध व्यय	3,68,093.00	9,64,273.00	18,875.00
जोड़		**38,59,348.50**	**25,17,896.50**

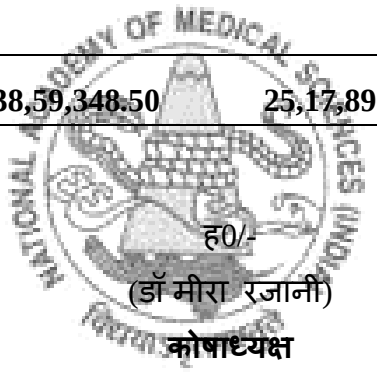

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 16- अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
क) संस्थानों/संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
जोड़	-	-

अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ संगठनों का नाम, उनकी गतिविधियां संलग्न हैं।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

क) महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय वक्तव्य नकदी आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपरा के अधीन तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता

राजस्व, दान, अनुदान प्राप्त होने पर दर्शाए गए हैं।

व्यय भुगतान होने पर दर्शाए गए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियाँ

अचल परिसंपत्तियाँ मूल लागत पर दर्शायी गयी हैं।

4. अवमूल्यन

अचल परिसंपत्तियों का कोई अवमूल्यन नहीं किया गया है।

5. अनुदान

अनुदान लेखा में दानकर्ता के विशिष्ट निदेशों के अनुसार दर्शाए गए हैं।

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के लिए सरकार से प्राप्त अनुदान (योजना) और उद्दिष्ट निधि आवर्ती प्रकृति के हैं। बैंक में जमा इस निधि से प्राप्त होने वाली आय सीधे इस निधि में जमा करवा दी जाती है और व्ययों को इस निधि में से घटा दिया जाता है।

सरकार से प्राप्त गैर-योजना अनुदान आवर्ती प्रकृति का है। गैर-योजना अनुदान (निवल पूंजी व्यय) आय व व्यय लेखा में जमा किया जाता है और पूंजी व्यय राशि पूंजीगत परिसंपत्तियाँ अनुदान निधि में अंतरित किया जाता है।

ख) लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

6. वर्ष के दौरान सदस्यों से प्राप्त 100% आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजी निधि में जमा करवाया गया।

7. व्याख्यानों और पुरस्कार के लिए अकादमी को प्राप्त संचित निधि दानकर्ता के निदेशों के अनुसार उसी विशेष निधि को निर्धारित कर दी गई है और उस राशि को बैंक में

अलग से आवधिक जमा योजनाओं में रखा गया है। उस आवधिक जमा से प्राप्त ब्याज की राशि को उसी निधि में जोड़ा जाता है और व्यय उस निधि से घटाए जाते हैं।

8. अकादमी की पुरानी और नई, श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र, दो इमारतें हैं। अकादमी और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों व शर्तों के अधीन पुरानी इमारत का आवास आपस में बाँट रहे हैं। अकादमी सभी अनुरक्षण व्यय वहन कर रही है और इस व्यय का 50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से ले लिया जाता है और अनुरक्षण व्यय में से घटा दिया जाता है।

9. नई इमारत श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और अब कार्यात्मक हैं।

10. अचल परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन और खाता-बहियों से इसका मिलान लंबित है।

11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ मुकुंद एस. जोशी)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 12 सितम्बर, 2017

1 अप्रैल से 12 सितम्बर, 2017 तक गतिविधियों की विशिष्टताएं

1. नैम्स परिषद् की दो बैठकें आयोजित हुई थीं। बैठकें दिनांक 6 जुलाई, 2017 और 12 सितम्बर, 2017 को आयोजित हुई थीं।

2. नैम्स परिषद् के उन सदस्यों की सूची निम्नलिखित है, जो अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वर्ष 2017 के दौरान सेवानिवृत्त हुए और जो परिषद् के सदस्यों के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल	डॉ. कमल बक्शी
2. डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव	डॉ. जी. के. रथ
3. डॉ. मोहन कामेस्वरन	डॉ. मोहन कामेस्वरन
4. डॉ. आमोद गुप्ता	डॉ. संजीव मिश्रा
5. डॉ. अजमेर सिंह	डॉ. के. के. शर्मा

3. वर्ष 2017 के लिए अध्येताओं और सदस्यों के रूप में निम्नलिखित उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं :

अध्येता

1. डॉ. शम्पा अनुपूर्बा
2. डॉ. बिक्रमजीत बसु
3. डॉ. चंद्र शेखर बाल
4. डॉ. संजय कुमार भदादा
5. डॉ. गिरिराज रतन चांडक
6. डॉ. श्याम सिंह चौहान
7. डॉ. शिव कुमार चौधरी
8. डॉ. देबाशीष डांडा
9. डॉ. पुष्पा धर
10. डॉ. आलोक धवन
11. डॉ. प्रेम नाथ डोगरा
12. डॉ. शैलेश बी. गायकवाड़
13. डॉ. बबिता घई
14. डॉ. उदय चन्द घोषाल
15. डॉ. जयंती कलिता
16. डॉ राज कुमार
17. डॉ. जी. सुरेश कुमार
18. डॉ. पवनिंद्रा लाल
19. डॉ. राजेश मल्होत्रा
20. डॉ. वीर सिंह नेगी

21. डॉ सत्यजीत प्रधान
22. डॉ. कुट्टीकुप्पला सूर्य राव
23. डॉ. मनिंदर सिंह सिद्धू

सदस्य

1. डॉ. अमित अग्रवाल
2. डॉ. कैलाश चंदर अग्रवाल
3. डॉ. सौरभ अग्रवाल
4. डॉ. शिप्रा अग्रवाल
5. डॉ. सिम्मी अग्रवाल
6. डॉ. दानिश अहमद
7. डॉ. फ़रीदा अहमद
8. डॉ. सहीम अहमद
9. डॉ. इंतज़ार अहमद
10. डॉ. अमनदीप कौर आनंद
11. डॉ. रिपुदमन अरोड़ा
12. डॉ. प्रमोद कुमार अवती
13. डॉ. नरेंद्र कुमार बागड़ी
14. डॉ. दीपिका बंसल
15. डॉ. रीमा बंसल
16. डॉ. वीरेंद्र के. बंसल
17. डॉ. मदन लाल ब्रहम भट्ट
18. डॉ. अभिनंदन भट्टाचार्य
19. डॉ. बिंदू पी. एस.
20. डॉ. स्वाती चाचम
21. डॉ. मनीष चंद्र
22. डॉ. जयकरन चरण
23. डॉ. अंकिता चुग
24. डॉ. विनय कुमार चुग
25. डॉ. दीपांकर डे
26. डॉ. राकेश कुमार दीक्षित
27. डॉ. राजीव गर्ग
28. डॉ. रुचिका गर्ग
29. डॉ. आशीष गौतम
30. डॉ. गायत्री मोघे गद्यपाटिल
31. डॉ. राजीव गोयल
32. लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) सुनील गोयल
33. डॉ. शिल्पा गोयल
34. डॉ. अर्चिका गुप्ता
35. डॉ. राजीव गुप्ता
36. डॉ. सरोज गुप्ता
37. डॉ. विनीता गुप्ता
38. डॉ. मिथरा एन. हेगड़े
39. डॉ. मोहम्मद नज़रुल इस्लाम
40. डॉ. राजेंद्र कुमार जैन
41. डॉ. अनिरुद्ध रामचंद्र जोशी
42. डॉ. सुनीत कुमार जुरेल
43. डॉ. आंचल कक्कड़
44. डॉ. वेंकटरामन कांडी
45. डॉ. राजीव कुमार कांसे
46. डॉ. प्रेम कपूर
47. डॉ. बिनीता कश्यप
48. डॉ. डेज़ी खेड़ा
49. डॉ. सुरेखा किशोर
50. डॉ. इंदिरा कुमारी

51. डॉ. प्रज्ञा कुमार
52. डॉ. सुनील कुमार
53. डॉ. विशाल कुमार
54. डॉ. गुरुवनित कौर लेहल
55. डॉ. संदीप महाजन
56. डॉ. राजेश कुमार अशोक कुमार माहेश्वरी
57. डॉ. आशीष मारवाह
58. डॉ. सुभाष मेधी
59. डॉ. विनीत मित्तल
60. डॉ. शादाब मोहम्मद
61. डॉ. प्रफुल्ल मोहन
62. डॉ. अरविंद के. मौर्य
63. डॉ. पी. वी. एल. एन. मूर्ति
64. डॉ. मधु नागप्पा
65. डॉ. रचिता नंदा
66. डॉ. राजेंद्र नाथ
67. डॉ. ब्रसभानु नायक
68. डॉ. ऋषि नय्यर
69. डॉ. उमा शंकर पाल
70. डॉ. पटेल मुकुंदकुमार विठ्ठलभाई
71. डॉ. सीमा परटानी
72. डॉ. शिवम प्रियदर्शनी
73. डॉ. मुक्ता पुजानी
74. डॉ. आलोक रंजन
75. डॉ. जितेन्द्र कुमार राव
76. डॉ. कुमार सतीश रवि
77. डॉ. जिलेदार रावत
78. डॉ. रिदम
79. डॉ. गुरपाल सिंह सचदेवा
80. डॉ. प्रकाश कुमार साहू
81. डॉ. रश्मि सल्होत्रा
82. डॉ. सुधीर चंद्र सारंगी
83. डॉ. धुबज्योति शर्मा
84. डॉ. साधना शर्मा
85. डॉ. सुल्तान शेरिफ
86. डॉ. अनिंदिता सिन्हा
87. डॉ. अर्पिता सिंह
88. डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह
89. डॉ. हितेंद्र प्रकाश सिंह
90. डॉ. मनीष कुमार सिंह
91. डॉ. रघुवर दयाल सिंह
92. डॉ. रतेंदर कुमार सिंह
93. डॉ. श्रद्धा सिंह
94. डॉ. दिव्या श्रीवास्तव
95. डॉ. आशुतोष सोनी
96. डॉ. जी. सुमन
97. डॉ. सुनील तनेजा
98. डॉ. तन्मय तिवारी
99. डॉ. आदर्श त्रिपाठी
100. डॉ. वीरेन्द्र वर्मा
101. डॉ. नवल किशोर विक्रम
102. डॉ. समीर व्यास
103. डॉ. अरुण कुमार यादव
104. डॉ. रवि यादव

4. **विनियमन-V के अधीन निम्नलिखित उम्मीदवारों को अकादमी के सदस्यों (एमएनएएमएस) के रूप में प्रवेश दिया गया है।**

दिनांक 6 जुलाई, 2017 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. गजरलेवर उमंग सुभाष
2. डॉ. महेश कुमार एन. बी.
3. डॉ. अमरनाथ रोड्डानन्वर
4. डॉ. गूलप्पा एम. चिकनारगंड
5. डॉ. मोहम्मद इस्माइल एम.
6. डॉ. प्रसीथा सी. टी.
7. डॉ. सौरभ गोयल
8. डॉ. देशपांडे निशांत शांतनु
9. डॉ. रामटेके विशाल वसंत
10. *डॉ. हिमांशु आचार्य
11. डॉ. दिनेश आर. बी.
12. डॉ. प्रशांत कुमार
13. डॉ. बाबुराजेन्द्र प्रसाद टी. आर.
14. डॉ. साबु जॉर्ज के.
15. डॉ. गुप्ता गोवर्धन द्वारिका
16. डॉ. हेगड़े अरुण
17. डॉ. लोहाना मेहुल अरुण
18. डॉ. कडरेकर सुजीत रमेश
19. डॉ. मीनाक्षी मौर्य
20. डॉ. अर्नब बर्मा
21. डॉ. अभय प्रताप सिंह
22. डॉ. दीप दत्ता
23. डॉ. रुपेश कुमार
24. डॉ. पूजा बंसल
25. डॉ. श्रीनाथ जी.

26. डॉ. आमिर रशीद
27. डॉ. महेश कुमार पूनिया
28. डॉ. मेहता वरुण शांतिलाल
29. डॉ. एम. डी. सरफराज आलम
30. डॉ. शेरिन डैनियल
31. डॉ. चौधरी ऋषिकेश प्रल्हाद
32. डॉ. थंगाममल बेगम ए. जे.
33. डॉ. निशित भटनागर
34. डॉ. स्निग्धा कुमारी
35. डॉ. जैरी जैकब
36. डॉ. राजकुमारी ए.
37. डॉ. कृष्णकुमार पी. एम.
38. डॉ. आलोक अग्रवाल
39. डॉ. इंपाना जी. एन.
40. डॉ. गीता नायर
41. डॉ. अरविंद आर.
42. डॉ. विवेक हाडा
43. डॉ. रविन्द्र कुमार अनादुरे
44. डॉ. रेशमी जे. एस.
45. डॉ. परिचय ग्रोवर
46. डॉ. अंकिता सिंह
47. डॉ. मुंडे राजीव माणिक
48. डॉ. स्वर्णिमा सक्सेना
49. डॉ. दीपक मेनन
50. डॉ. गौरव आहलूवालिया
51. डॉ. अजय गुप्ता
52. डॉ. प्रधान सयाली प्रकाश
53. डॉ. रिद्धी कालरा
54. डॉ. साहिदीप कालरा

55. डॉ. हैरिस पी.
56. डॉ. मयूरेश
57. डॉ. सौरभ कपूर
58. डॉ. नेहा हांडा
59. डॉ. साजी वर्गीस परीयाथाकाथूट
60. डॉ. मैथ्यू वर्गीस
61. डॉ. सोंटके भावना वैकुंठ
62. डॉ. मोहाना के.
63. डॉ. शिवल श्रीवास्तव
64. डॉ. ओझा भावित भरतभाई
65. डॉ. शर्मा अतुल
66. डॉ. डीसिल्वा मिज़ेले मैकिनन
67. डॉ. रुपिंदर शेरगिल
68. डॉ. बृजमोहन सुभेदार
69. डॉ. गौथम देवारेड्डी
70. डॉ. विनिश कुमार अग्रवाल
71. डॉ. देशमाने महावीर सुभाष
72. डॉ. रश्मि सूद
73. डॉ. शाह वेनिशा भारत
74. डॉ. आशिम आहुजा
75. डॉ. दीपाली ढींगरा
76. डॉ. विभा सलूजा
77. डॉ. ब्लैसी मैरी वी. आर.
78. डॉ. फ़िरुज़
79. डॉ. एम. जे. विनोद कुमार
80. डॉ. चिंधालोरे प्राजक्ता गणेश
81. डॉ. मतेवड़ा नवीन कुमार
82. डॉ. बालाजी जे.
83. डॉ. विकास गुप्ता

84. डॉ. शाह प्रीत मुकेश
85. डॉ. अनेरी किशोर ठक्कर
86. डॉ. राउत संघाशील संतोष
87. डॉ. प्रतिमा अग्रवाल
88. डॉ. पारानीथरन
89. डॉ. गवांडे मोहन मुरलीधर
90. डॉ. कौशिक मजूमदार
91. डॉ. सौम्यनिल साहा
92. डॉ. निशी शर्मा
93. डॉ. खान जश्तियाक असलम
94. डॉ. किरण चंद्रन बी.
95. डॉ. एम. जी. शेखर
96. डॉ. गुल्हाने दीप्ति विजय
97. डॉ. चिल्लार्ज संजय
98. डॉ. विवेक पॉल विठायाथिल
99. डॉ. फनीकुमार बोम्मावारापु
100. डॉ. कार्तिक एस. आर.
101. डॉ. राउत शिरीश विजयकुमार
102. डॉ वंदना शर्मा
103. डॉ. अनूप टी. एम.
104. डॉ. हरजोत सिंह गुरुदत्ता
105. डॉ. रीना जैन
106. डॉ. जॉय रॉय
107. डॉ. अनुभव अग्रवाल
108. डॉ. लापसिवाला मेहुल भूपेंद्रभाई
109. डॉ. निबु मम्मेन कुरियन
110. डॉ. नलिनी सक्सेना
111. डॉ. साहिल बत्रा
112. डॉ. श्रीराम एस. के.

113. डॉ. पवाले दिनेश दिलीप
114. डॉ. शर्मिला ए.
115. डॉ. ओम प्रकाश एम.
116. डॉ. गांधी आशीष राजेंद्र
117. डॉ. तिलवे अमृता अजय
118. डॉ. नीथिन एस.
119. डॉ. राखी सान्याल
120. डॉ. अज़हर अहमद खान लोधी
121. डॉ. कन्नन पी.
122. डॉ. गयाधर बहेरा
123. डॉ. लुनिया प्रजय डी. आर. जयंती
124. डॉ. कडु मयूर विनायक
125. डॉ. शिवांशु राज गोयल
126. डॉ. अजहर परवेज़
127. डॉ. एस. प्रभु
128. डॉ. बीजू आई. जी.
129. डॉ. अजय सैमुअल मम्मेन
130. डॉ. कृष्णकुमार के. एन.
131. डॉ शिल्पी यादव
132. डॉ. सौरव नारायण नंदा
133. डॉ. सौरभ समदरिया
134. डॉ. पसुपथी पी.
135. डॉ निशांत के.
136. डॉ. अजु बोस्को
137. डॉ. जफर सैयद मोइद सैयद मोहसिन
138. डॉ. चेरियिल स्वपना सुकुमारन
139. डॉ. रश्मि अग्रवाला
140. डॉ. जोशी समीर सुरेश
141. डॉ. अभिषेक शर्मा

142. डॉ. शिंदे नंदकिशोर धन्वंतराव
143. डॉ. प्रकाश वी.
144. डॉ. तनुश्री गहलोत
145. डॉ. अभिनव दिलीप वांकर
146. डॉ. अलका खियालदास केवलरमाणी
147. डॉ. सिजू के. एम.
148. डॉ. तुहिना बनर्जी
149. डॉ. राजीव रंजन
150. डॉ. प्रभजोत सिंह
151. डॉ. कुरकुरे स्वपनिल विलास
152. डॉ. सुजाता पी.
153. डॉ. वेत्री नल्लाथाम्बी आर.
154. डॉ. नेहा जैन
155. डॉ. लोकेशकुमार एस.
156. डॉ. प्रह्लाद एच. वाई.
157. डॉ. अनिल कुमार भिवल
158. डॉ. राधाकृष्णन अनंतकृष्णन
159. डॉ. बी. अखिलेंडेश्वरी
160. डॉ. शानमुगसुंदरम आर.
161. डॉ. कशिका गुप्ता
162. डॉ. रुशिल जैन
163. *डॉ. संकेत रमेश निरगुड़े
164. डॉ. प्रणय आर. कपूर
165. डॉ. अर्जुन खन्ना
166. डॉ. मोदी वजिल भूपेंद्र
167. डॉ. मेनसी देवदीया
168. डॉ. अफजाल रफीक अंसारी
169. डॉ. शर्मा नितिन
170. डॉ. मोहित महेंद्र भगवती

171. डॉ. इशिता आनंद
172. डॉ. अनुभव जैन
173. डॉ. वासु
174. डॉ. राहुल साहा
175. डॉ. हरेकृष्ण साहू
176. डॉ. अरुण राज बी.
177. डॉ. केतन धीरजलाल मालवी
178. डॉ. बफना ललित नेमीचंद
179. डॉ. सविनय कपूर
180. डॉ. मुदलशा रवीना
181. डॉ. काकदे अनिल नामदेवराव
182. डॉ. मोदी धवल केतन
183. डॉ. शरथ मोहन पी.
184. डॉ. मोदी राहुल रमेश
185. डॉ. पनवाला मिताली कमलेशकुमार
186. डॉ. रिचा वत्स
187. डॉ. प्रिया साहू
188. डॉ. ललित गर्ग
189. डॉ. निमता किशोर
190. डॉ. रेदेकर स्वानंद आनंद
191. डॉ. वर्षा डी. बहादुरदेसाई
192. डॉ. माहिर अरिफभाई मेमन
193. डॉ. सत्य शिव मुंजाल
194. डॉ. दीप्ति अग्रवाल
195. डॉ. भरुका अनुज दिलीप
196. डॉ. जीथिन जी. नायर
197. *डॉ. शिखा वर्मा
198. डॉ. जलजा मैरी जॉर्ज
199. डॉ. सोनाली कुर्रे

200. डॉ. पलनदुरकर कमलेश मनोहर
201. डॉ. उपेंद्र कुमार
202. डॉ. श्रीजीत के. पी.
203. डॉ. समीर ककर
204. डॉ. मिस्त्री परजान बाजी
205. डॉ. अजीथ सी. कुरियाकोस
206. डॉ. अंकुर खंडेलवाल
207. डॉ संखेसर विरल हर्षद कुमार
208. डॉ. हर्ष नवीन चंद्र पवल
209. डॉ. जोशी उत्कर्ष प्रदीप
210. डॉ. बिदिशा चटर्जी
211. डॉ अंकित मुदगल
212. डॉ. भव्या एस. कुमार
213. डॉ. भावना
214. डॉ. त्रिवेदी अरुण नरेंद्र
215. डॉ. प्रियंका सिंह
216. डॉ. सैयद इमरान
217. डॉ. कुकरेजा मोहित मुकेश
218. डॉ. परवीन बानू
219. डॉ. राजलक्ष्मी आर. एस.
220. डॉ. जकारिया टी. जकारिया
221. डॉ. प्राची जैन
222. डॉ. सुमंत्रा ज्योति
223. डॉ. गोस्वामी ज्योतिंद्रा नारायण
224. डॉ. अभिषेक अग्रवाल
225. डॉ. भाला गुरू अय्यान ए.
226. डॉ. आबिद एम.
227. डॉ. घीवाला हुसैन मोहम्मद
228. डॉ. सुतार मोहम्मद अली

229. डॉ. लक्ष्मीतेज वंडावल्ली
230. डॉ. जूही कुमारी
231. डॉ. श्रीगणेश के.
232. डॉ. शाहाब अली उस्मानी
233. डॉ. चौधरी हरिशचंद्र आर.
234. डॉ. सुनील कुमार सी. एम.
235. डॉ. वीनु कादियन
236. डॉ. प्रियंका जैन
237. *डॉ. अनुराग गुप्ता
238. डॉ. जावेद अनीस पी.
239. डॉ. अमित कुमार एन.
240. डॉ. चारु अग्रवाल
241. डॉ. रीना बंसल
242. डॉ. मधुमिता आर.
243. डॉ. अश्विन राजगोपाल
244. डॉ. अतानु बेरा
245. डॉ. मुरली नरसिंहम
246. डॉ. रवींद्र महेत्रे
247. डॉ. सुबिन ई. बी.
248. *डॉ. पाटिल जयाश्री सुरेश
249. डॉ. अनिशकुमार जी.
250. डॉ. कपिल अग्रवाल
251. डॉ. के. सथीश क्रिस्टोफर
252. डॉ. कुलकर्णी सुयश अभय
253. डॉ. इपसित आई. मेनन
254. *डॉ. मनीष अग्रवाल
255. डॉ. ठोके संतोष व्यंकटेश
256. डॉ. कुमार केशव
257. डॉ. वाचसुंदर शची अरविंद

258. डॉ. अली मोहम्मद पी.

259. डॉ. श्रीनिवासन वाझूर रामसिंह

260. डॉ. जाम्भरूंकर शुभांगिनी धनराज

261. डॉ. मधुसूदन टी.

262. डॉ. पाटिल निखिल अविनाश

263. डॉ. गोवर्धन जे.

264. डॉ. महाजन नीलेश हिलाल

265. डॉ. पलक अग्रवाल

266. डॉ. आशीष शशिधरन

267. डॉ. फाये अभिषेक अनिल

268. डॉ. कार्तिक पी.

269. डॉ. प्रत्यूश कुमार

270. डॉ. शिव कुमार शर्मा

271. डॉ. कैरावी भारद्वाज

272. डॉ. गोकुलदास पी. के.

273. डॉ. प्रमिल के.

274. डॉ. वल्लिश कुमारस्वामी भारद्वाज

275. डॉ. मंकेड अबीजर नूरुद्दीन

276. डॉ. सुरेशा बी.

277. डॉ. जुवेना पी.

278. डॉ. कपड़नीस कपिल प्रकाश

279. डॉ. लोकेश

280. डॉ. रोहित शर्मा

281. डॉ. मनोज कुमार पाणिग्रही

282. डॉ. रूबीश हसन सी. पी.

283. डॉ. लोकेश अरोड़ा

284. डॉ. सुयश श्रीवास्तव

285. डॉ. सजीथ सेबस्तियन

286. डॉ. सिंकार कुणाल प्रफुल्ल

287. *डॉ. प्रियजीत पाणिग्रही
288. डॉ. शेख इमरान रफीक
289. डॉ. नुपुर अग्रवाल
290. डॉ. सचिन मित्तल
291. डॉ. हेमंत एस. घालिगे
292. डॉ. राव प्रशांत रत्नाकर
293. डॉ. अनामिका शर्मा
294. डॉ. विनोद
295. डॉ. सिंह वैभव सभाराज
296. डॉ. शाह कौशल मुकेश
297. डॉ. हरप्रीत कौर
298. डॉ. परिणीता कौर
299. डॉ. धरना गुप्ता
300. *डॉ. बोधांकर हेमंतकुमार यादवराव
301. डॉ. दीप्ति अग्रवाल
302. डॉ. पाठक अशोक रामराव
303. डॉ. नितिन खुतेटा
304. डॉ. शिवानंद बी. एच.
305. डॉ. उन्नी कृष्णन
306. डॉ. एम. डी. अहत्शाम
307. डॉ. आनंद एम. कुरियन
308. डॉ. एस. एस. रविशंकर
309. डॉ. के. फणींद्र पोन्नुरु
310. डॉ. रॉय जे. मुक्कडा
311. डॉ. बिलाल मोहम्मद
312. डॉ. सिश्राम
313. डॉ. हेमंत चतुर्वेदी
314. डॉ. धरानी भाविन जगदीश
315. डॉ. राम्या एस.

316. डॉ. कुलकर्णी दत्तात्रेय वसंतराव
317. डॉ. मैथ्यूज जे. चुराकेन
318. डॉ. भारद्वाज अक्षय राकेश मोहन
319. डॉ. प्रेम सविओ कोलाको
320. डॉ. गौरव महाजन
321. डॉ. गगनदीप सिंह घुमान
322. *डॉ. शंभुनाथ अग्रवाल
323. डॉ. राजेश कुमार यादव
324. डॉ. इरफान अब्दुल करीम
325. डॉ. निखिल बलपांडे
326. डॉ. राठी प्रद्युम परमेश
327. डॉ. अधे अरती आनंद
328. डॉ. एन. सेल्वाकुमार
329. डॉ. तनु आनंद
330. डॉ. कुणाल कांति पाल
331. डॉ. विद्या वी. के.
332. डॉ. भास्कर एम. वी.
333. डॉ. आर. विनोद कुमार
334. डॉ. तुरुणा दुआ
335. डॉ. दीपक कुमार शर्मा
336. डॉ. रेशी जे. आर.
337. डॉ. श्रीशा कुमार के.
338. डॉ. अंकित दधीच
339. डॉ. निशात सेतिया
340. डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
341. डॉ. आशीष अनसुखभाई भलोडिया
342. डॉ. सविता सिगची
343. डॉ. मुफ़्कलवार अभिषेक अनिल
344. डॉ. कुमार दीपक साहू गोपाल

345. डॉ. नंदन सूर
346. डॉ. अभिषेक गोयल
347. डॉ. नमिता अग्रवाल
348. डॉ. पारूल अग्रवाल
349. डॉ. विवेक यादव
350. डॉ. प्रशांत कुमार साहू
351. डॉ. कलेवानी एस.
352. डॉ. गुजराती निर्मल नितिन
353. डॉ. शेख इरफान शमसुद्दीन
354. डॉ. विजय प्रताप सिंह
355. डॉ. शमसुद्दीन हसन
356. डॉ. प्रिया रंजन
357. डॉ. अनीता
358. डॉ. जोशी तेजल केशवलाल
359. डॉ. गायकवाड़ तुषार वसंतराव
360. डॉ. जिशा जेकब
361. डॉ. विसपुते चेतन दिलीप
362. डॉ. स्वरुपा डिंडा
363. डॉ. ए. एच. अश्विन कुमार
364. डॉ. शिफास बाबू एम.
365. डॉ. मुरली ए.
366. डॉ. विनीता वी. नायर
367. डॉ. संदीप यादव तिरुपति
368. डॉ. श्रीकांत आर. वी.
369. डॉ. कदम सागर बालासाहेब
370. डॉ. रेणु खमेसरा
371. डॉ. अनुपमा घोष
372. डॉ. सौविक चटर्जी
373. डॉ. खान शादाब राफात

374. डॉ. गुरु प्रसाद सुल्तानपुरकर
375. डॉ. बैतुले मीनाक्षी प्रभाकरराव
376. डॉ. तुषार रंजन दलई
377. डॉ. विनयकुमार गुंजाली
378. डॉ. राहुल चौधरी
379. डॉ. गंजेवर निरंजन व्यंकटराव
380. डॉ. मोदी प्रियंका महेश
381. डॉ. सचिन सुखदेवराव इंगोले
382. डॉ. रम्या आर.
383. डॉ. दौलतानी दीपेश गुरुदयाल
384. डॉ. नाकरानी अक्षय कुमार मगनलाल
385. डॉ. सब्यसाची चक्रवर्ती
386. डॉ. मेघना तंवर
387. डॉ. गुप्ता टीना विनोद
388. डॉ. कविता त्यागी
389. डॉ. दलाल श्रीकांत कैलाश
390. डॉ. अलका जिंदल
391. डॉ. बुद्धकर अभिजीत रामदास
392. डॉ. सिद्धार्थ जौहर
393. डॉ. ममता रानी ओम प्रकाश मेहता
394. डॉ. अनुराग कुमार
395. डॉ. सुरेंद्र कुमार पदारया
396. डॉ. नितिन चौधरी
397. डॉ. मृणाल गुप्ता
398. डॉ. अग्रवाल अभय मनोज
399. डॉ. अंजना राव कावुर
400. डॉ. नितिन टंडन
401. डॉ. गगन आनंद
402. डॉ. शेखर कालिया

403. डॉ. अमनजोत कौर अरोड़ा
404. डॉ रोहन नांबियार
405. डॉ. बबलू थॉमस मणि
406. डॉ. अनिता ई. दोराइराज
407. डॉ. एम. साईं कुमार
408. डॉ. पेडी श्रीधर
409. डॉ. मोनिका मोदी
410. डॉ. अमित शर्मा
411. डॉ. अवकाश कुमार कालिन्द्र साहू
412. डॉ. सिद्दीकी शिबली साबिर
413. डॉ. मोहाबे अंकुश विनय
414. डॉ. बसंत खंडेलवाल
415. डॉ. शाह सिद्धार्थ अशोक
416. डॉ. जैन अनुजा अनिल
417. डॉ. देवराज के.
418. डॉ. बिभुति पी. कश्यप
419. डॉ. संदीप कुमार
420. डॉ. पूनम भाकेर
421. डॉ. अपूर्वा गुप्ता
422. डॉ. नागराज पी. एस.
423. डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा
424. डॉ. राहुल रवींद
425. डॉ. शर्मा रितु सतीश
426. डॉ. उपाली नंदा
427. डॉ. करमदीप सिंह कहल
428. डॉ. इंदरदीप सिंह
429. डॉ. समीर सिंह राठौड़
430. डॉ. बोपन्ना सी. यू.
431. डॉ. अनुपमा अशोक कुलकर्णी

432. डॉ. अथीरा शेखर जे.

433. डॉ. राकेश एच.

434. डॉ. मोहम्मद अब्दुल्लाथीफ टी. के.

435. डॉ. सावंत कौस्तुभ अजीत

436. डॉ. कन्या कुमारी कुंडू

437. डॉ. शानमुगा जयन्तन एस.

438. डॉ. आशीष जखेटिया

439. डॉ. रुद्राशीश हलदार

440. डॉ. अंकित अग्रवाल

441. डॉ. सुगुना अन्बाझगन

442. डॉ. भावना श्रीरामका

443. डॉ. सुरेखा अन्बाझगन

444. डॉ. सुमना बनर्जी

445. डॉ. सी. के. राम्या

446. डॉ. मंतु जैन

447. डॉ. पिटाले देवदत्त लक्ष्मण

448. डॉ. मोहित दुआ

449. डॉ. गोपाल चावला

450. डॉ. गीता एम.

451. डॉ. शेषाद्री एल. एन.

452. डॉ सहीबोले मंजेर अब्दुर रहीम

*अपूर्ण

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

दिनांक 12 सितम्बर, 2017 को आयोजित परिषद् की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. वागीश बी. जी.

2. डॉ. कीर्ति जय सिंह

3. डॉ. लक्ष्मी एस.
4. डॉ. प्रसंथ जे. एस.
5. डॉ. पटेल वैभव घनश्यामभाई
6. डॉ. कार्तिक श्रीनिवासन एस. आई.
7. डॉ. साहा अभिषेक निर्मल कुमार
8. डॉ. टी. संतोष
9. डॉ. विकास सरोहा
10. डॉ. आवारी महेश देवराव
11. डॉ. हरिकृष्णन वी.
12. डॉ. नीति कौतिश
13. डॉ. जसप्रीत सिंह खन्ना
14. डॉ. मोहम्मद शफी पी. एस.
15. डॉ. खुमांथेम प्रतिमा देवी लंफेलपत
16. डॉ. देशमुख प्रसाद यशवंत
17. डॉ. इर्पाची कल्पना रामलाल
18. डॉ. मुंडे संतोष रघुनाथ
19. डॉ. सुजेश कुमार एन.
20. डॉ. दिव्या गुप्ता
21. डॉ. कुमार आलोक साह जे. पी.
22. डॉ. एकता पाटीदार
23. डॉ. अविनाश मंडलोई
24. डॉ. अवनीश खरे
25. डॉ. अरुण कुमार वी.
26. डॉ. कविथा एस.
27. डॉ. शंमुगावल्ली एस.
28. डॉ. दीपिन कुमार पी. यू.
29. डॉ. सुबिन थॉमस सी.
30. डॉ. अनिल शर्मा
31. डॉ. अहमद कमाल

32. डॉ. मृत्युंजय वी. कालमठ
33. डॉ. आशीष कुमार प्रकाश
34. डॉ. आशुतोष कौशल
35. डॉ. अविनाश के.
36. डॉ. रवि पी. ददलानी
37. डॉ. राजेश कुमार भारती
38. *डॉ. कौस्तव मजूमदार
39. डॉ. कार्तिक विश्वनाथन
40. डॉ. संतोष प्रसाद केसरी
41. डॉ. सतादल नाथ
42. डॉ. बाभुलकर सुधेन्दु श्याम
43. डॉ. अभिषेक वैश्य
44. डॉ. अभय कुमार
45. डॉ. जोशी मीरा सुरेश अमिता
46. डॉ. कुलकर्णी आदित्य अतुल
47. डॉ. देबकल्याण माजी ताजनगर
48. डॉ. देवकी पी.
49. डॉ. लोनी गुंजन सुधीर
50. डॉ. कौशिक बिस्वास
51. डॉ. शिल्पी सक्सेना खन्ना
52. डॉ. प्रशांत देवीदास खुजे
53. डॉ. सूरज जी. एन.
54. डॉ. गुप्ता मोहित उमेश चंद्र
55. डॉ. निलौपुर एस.
56. डॉ. दीपांकर चौधरी
57. डॉ. अनुराग राठौड़
58. *डॉ. नेहा निगम
59. डॉ. अनिन्द्या बसु
60. डॉ. सवाले शैलेंद्र वसंत

61. डॉ. नितिन कोठारी
62. डॉ. पांडे नीरज निर्मल
63. डॉ. कुमार जितेंद्र
64. डॉ. अभिमन्यु तिवारी
65. डॉ. किरण बी. आर.
66. डॉ. हिमांशु बंसल
67. डॉ. भावुक गर्ग
68. डॉ. जॉन जोसेफ फिलिप सी.
69. डॉ. सिद्धार्थ वर्मा
70. डॉ. राधिका के.
71. डॉ. संजय कुमार
72. डॉ. संग्राम केशरी साहू
73. डॉ. शिवाली सहगल
74. डॉ. गडे नीता दिलीप
75. डॉ. राहुल मंडल
76. डॉ. कुमार रजनी कांत
77. डॉ. शबीबा जेड.
78. डॉ. प्रियदर्शिनी एम.
79. डॉ. करुपास्वामी प्रकाश एस.
80. डॉ. (मेजर) बिक्रम चौधरी
81. डॉ. (मेजर) गोपीनाथ मनोज
82. डॉ. धोंगड़े भीमानंद अक्राशी
83. डॉ. टी. कविथा
84. डॉ. प्रजेश जनार्दनन
85. डॉ. अजीता एम.
86. डॉ. मानस घोष
87. डॉ. अराध्य पराग रमेशराव
88. डॉ. रेखा
89. डॉ. कल्याणी रेड्डी

90. डॉ. जुझार सिंह
91. डॉ. अनुपम दास
92. डॉ. सुनील कुमार ढाका
93. डॉ. कृष्ण कुमार एस.
94. डॉ. कलईअरसी आर.
95. डॉ. अग्रवाल ललित हरस्वरुप
96. डॉ. समीरभाई पुरुषोत्तमभाई पटेल
97. डॉ. नरेन गौर
98. डॉ. व्यास तीर्थ मनोजकुमार
99. डॉ. देधिया चिंतन जेठालाल
100. डॉ. तुहिन मिस्त्री
101. डॉ. शशिधर रेड्डी ए.
102. डॉ. सैयद इफ्तेकार
103. डॉ. अदुलकर दीपांजली गंगाराम
104. डॉ. मधु रविशंकर
105. डॉ. देबेशिश पॉल
106. डॉ. सुरजीत गोराई
107. डॉ. साई कृष्ण एम. एल. वी.
108. डॉ. नीरवकुमार प्रभुदास मोराडिया
109. डॉ. दरीरा अमित प्रकाश
110. डॉ. प्रभात कुमार
111. डॉ. रम्या परमेस्वरी ए.
112. डॉ. विनीत नरुला
113. डॉ. शुजा नजीम
114. डॉ. भावना कक्कर
115. डॉ. संदीप अरोड़ा
116. डॉ. डार्विन
117. डॉ. शिंगारे अवेश प्रवीण
118. डॉ. अयाज अहमद

119. डॉ. अरुण कुमार एम. एल.
120. डॉ. राघवेंद्र एम. दोड्डामनी
121. डॉ. दविन्द्र सिंह राणा
122. *डॉ. राजकुमार एन.
123. डॉ. कविथा एस.
124. डॉ. अभिषेक अग्रवाल
125. डॉ. असीम शर्मा
126. डॉ. विक्रम कुमार अरोड़ा
127. डॉ. मैग्नस जयराज मंसर्ड
128. डॉ. स्वाति चोरारिया
129. डॉ. चौगुले योगेश दत्तात्रेय
130. डॉ. मोरनकर जितेंद्र विजय
131. डॉ. सुभाष चक्रवर्ती
132. डॉ. सुभाशिष मिश्रा
133. *डॉ. रश्मि विश्वकर्मा
134. डॉ. दीपक कुमार दास
135. डॉ. अरुण कुमार जी.
136. डॉ. योगेश के. जे.
137. डॉ. विनय राज थट्टारक्कल
138. डॉ. सल्दान्हा नील डोमिनिक
139. डॉ. शानवास सी.
140. डॉ. नीतीश कुमार
141. डॉ. मोहम्मद ताताज़ुल शेख
142. डॉ. देबाशीश कुमार दास
143. डॉ. मंदिरा चक्रवर्ती
144. डॉ. विनोथ एम.
145. डॉ. कादरी वसीम रौफ
146. डॉ. सावडेकर तेजस भास्कर
147. डॉ. पुगेज़ेंथान टी.

148. डॉ. टीना सिंह
149. डॉ. जेकब सिबू बेबी
150. डॉ. वसंथ एस.
151. डॉ. लदकत किरण माधव
152. डॉ. कार्तिकेयन पी.
153. डॉ. अंबिका आर. एस.
154. डॉ. सबरीश्वरन आर. के.
155. डॉ. जाधव अक्षय मनमोहन
156. डॉ. खान राफतली फतेहाली
157. डॉ. सतीशकुमार एस.
158. डॉ. जितेंदर तनेजा
159. डॉ. भावानबहन चंपकलाल पारिख
160. डॉ. आनंद वर्धन
161. डॉ. सफिया राणा
162. डॉ. रीतु यादव
163. डॉ. मनीषा गुप्ता
164. डॉ. जिता एस. गीतम
165. डॉ. हरदीप कौर
166. डॉ. अब्दुल असलम पी.
167. डॉ. विवेक शर्मा
168. डॉ. सम्राट स्मृतिरंजन साहू
169. डॉ. परेश्वर बालाजी मधुकरराव
170. डॉ. राजेश राणा
171. डॉ. प्रभु एम.
172. डॉ. कीर्तिवर्धन डी. कुलकर्णी
173. डॉ. रंजन राकेश राजदेव प्रसाद
174. डॉ. नागराले उमेश मधुकर
175. डॉ. प्रिया मलिक
176. डॉ. शशि भूषण कुमार

177. डॉ. रिचा सिंह चौहान
178. डॉ. राजेश कुमार सैनी
179. *डॉ. मनाजिर अथर
180. डॉ. रणबीर सिंह बावा
181. डॉ. अर्पिता गोगोई
182. डॉ. हरि बाबू पुजारी
183. डॉ. यादवदकर श्रीरंग श्रीपाद
184. डॉ. कवड़गवे नागनाथ मल्लिकार्जुन
185. डॉ. कबड़े सागर सुरेश
186. डॉ. अब्दुल रशीद एम.
187. डॉ. नवीन राजू
188. डॉ. सोम दत्त अब्रोल
189. डॉ. बद्री प्रसाद दास
190. डॉ. सौमिल हर्षदकुमार मंडालिया
191. डॉ. अग्रवाल नीतिशा कमलेशकुमार
192. डॉ. जी. विजयराघवन
193. डॉ. हिमांशु भयाना

*अपूर्ण

परिषद् ने यह भी अनुशंसा की है कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन को पूरा करने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

5. संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त सीएमई के प्रस्तावों में से अकादमी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार दिनांक 1.04.2017 से 12.09.2017 तक 9 बाह्यसांस्थानिक और 3 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी स्वीकृत किए हैं।

दिनांक 01.04.2017 से 12.09.2017 तक बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	"परिणाम अनुसंधान विधियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा - विश्लेषण" पर सीएमई कार्यक्रम 25 मई 2017, कलकत्ता स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, कोलकाता।	1,80,000/-
2	"वैज्ञानिक लेखन" पर सीएमई कार्यक्रम 3 जुलाई 2017, महात्मा गांधी चिकित्सा कॉलेज, पांडिचेरी।	1,80,000/-
3	"सर्जरी में उभरते रुझान- आपातकालीन सर्जरी और ट्रामा केयर" पर सीएमई कार्यक्रम 14 -15 जुलाई 2017, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे।	1,80,000/-
4	"कोशिका संवर्धन और विषाक्तता परीक्षण में बुनियादी तकनीकों पर कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम 20 - 22 जुलाई 2017, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी।	1,20,000/-
5	सीएमई कार्यक्रम पर: "जैवचिकित्सा अनुसंधान और औषध विकास में जेबराफिश पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर सीएमई कार्यक्रम	1,00,000/-

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
	4 - 5 अगस्त 2017, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी।	
6	"रोधज निद्रा अश्वसन के निदान और प्रबंधन में हालिया अग्रिम - क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य" 26 अगस्त 2017, जवाहरलाल नेहरु आयुर्विज्ञान संस्थान, पोरोम्पट, इंफाल, मणिपुर।	1,96,000/-
7	"फील्ड चिकित्सा व्यवस्था में आपात स्थिति से निपटना" 26 - 27 अगस्त, 2017, कमान अस्पताल, (पूर्वी कमान), कोलकाता।	2,00,000/-
8	"प्रसूति एवं स्त्री रोग में साक्ष्य आधारित अभ्यास और स्त्री रोग में एंडोस्कोपी सर्जरी" 9 - 10 सितंबर 2017, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे।	1,25,000/-
9	"नैदानिक और आणविक जैव रसायन में गुणवत्ता नियंत्रण" पर सीएमई कार्यक्रम 26 अगस्त 2017, स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक। रोहतक में हरियाणा अशांति के कारण 5 अक्टूबर, 2017 के लिए स्थगित।	1,80,000/-

दिनांक 1.04.2017 से 12.09.2017 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	"पेशीकंकालीय क्षय रोग" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर। 30 जुलाई, 2017	1,75,000/-
2	"पर्यावरण एवं स्वास्थ्य" पर सीएमई कार्यक्रम श्री गुरू रामदास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर। 27 अक्टूबर, 2017	2,50,000/-
3	"दोहरे पोषण बोझ युग में पोषण स्थिति का आकलन" पर नैम्स-एनएफआई सीएमई कार्यक्रम श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र। 6 अक्टूबर, 2017	2,30,000/-

नैम्स भवन के श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र से सीएमई और कार्यशालाओं का आयोजन हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महान कदम है जिसमें कई संस्थान इस तरह के कार्यक्रमों के व्यापक आभासी दर्शकों का हिस्सा होंगे और इस संबंध में नैम्स वैज्ञानिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

6. एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी

प्रत्येक वर्ष, एनएएमएस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान देश की स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी आवश्यकताओं के अत्यधिक संगत विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जाती है। 28 अक्टूबर 2017 को श्री गुरू रामदास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर (पंजाब) में वार्षिक सम्मेलन के दौरान नैम्स वैज्ञानिक संगोष्ठी का विषय "वयस्क रोगों का गर्भ उद्गम" है।

7. जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 6 जून, 2017 को आयोजित बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2017 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। वह एम्स से निदेशक के तौर पर सेवानिवृत्त हुए। वह एक प्रतिबद्ध पेशेवर, एक प्रतिष्ठित अस्थिरोग शल्यचिकित्सक और एक अच्छे विद्याविद हैं। उन्होंने अध्यक्ष, परिषद् सदस्य, भवन समिति के अध्यक्ष, वित्त समिति सदस्य, आदि के रूप में अकादमी की विभिन्न क्षमताओं में सेवा की है।

परिषद की सिफारिशों पर, शैक्षणिक समिति अध्यक्ष डॉ. प्रेमा रामचंद्रन और नैम्स के मानद सचिव डॉ. दीप श्रीवास्तव ने रविवार, 6 अगस्त, 2017 को चेन्नई में एक पुरस्कार समारोह में भाग लिया और डॉ. एस. कामेस्वरन को जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार दिया। डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस ने एनएएमएस प्रतिनिधियों के लिए स्वागत भाषण दिया और डॉ. दीप श्रीवास्तव ने डॉ. एस. कामेस्वरन की उपलब्धियों के बारे में माननीय श्रोताओं को सूचित किया। इसके बाद एनएएमएस अध्यक्ष और परिषद् की ओर से डॉ. प्रेमा रामचंद्रन और डॉ. दीप श्रीवास्तव द्वारा पुरस्कार और स्क्राल भेंट किया गया। डॉ. एस. कामेस्वरन ने इस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित करने के लिए एनएएमएस को धन्यवाद दिया।

8. स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान

साख समिति की अनुशंसा के आधार पर और परिषद् की सहमति से, वर्ष के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक को अकादमी की वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, एफएएमएस, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कान, नाक एवं गला रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, वर्ष 2016 के दौरान अध्येता चुने गए सबसे युवा जैवचिकित्सा वैज्ञानिक थे। वे 29 अक्तूबर 2017 को श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, अमृतसर, पंजाब में वार्षिक सभा में स्वर्ण जयंती स्मारक पुरस्कार व्याख्यान देंगे। उनके व्याख्यान का विषय “ट्रांस-नेज़ल ट्रांस-स्फेनीयडल एंडोस्कोपिक हायपोफीसेक्टोमी" है।